प्रातःनागपुरी

आपकी बात, निर्भीकता के साथ

आरएनआई पंजीयन सं. JHABIL/2023/86791

वर्ष : 01 अंक : 186 | रांची, बुधवार, 19 जून, 2024 (ज्येष्ठ शुक्ल 13, संवत 2081), पृष्ठ- 12, मूल्य- 3 रुपये | email : jharkhandwanitaudyog@gmail.com

झारखंड में 22 तक संताल के रास्ते प्रवेश करेगा मॉनसून

रतन लाल अग्रवाल, रांची

मंगलवार की शाम राजधानी रांची के कई हिस्सों में छिटपुट बारिश हुई। ऐसे में लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। हालांकि कुछ इलाकों में आंधी की वजह से घरों, पेड़ों को नुकसान पहुंचने की भी सूचना है। बता दें कि, झारखंड में लोगों को अब गर्मी से राहत मिलने वाली है। मौसम विभाग की मानें, तो मॉनसून के आने के संकेत मिलने लगे हैं। मौसम विज्ञान केंद्र का पूर्वानुमान है कि 21 या 22 जून तक झारखंड के कुछ हिस्सों में मॉनसून दाखिल हो सकता है। इसके संताल के रास्ते झारखंड में आने के संकेत हैं। झारखंड में मॉनसून आने के पांच-छह दिनों में पूरे राज्य में मॉनसून की बारिश होने लगेगी। इसके बाद ही लोगों को गर्मी से राहत मिल सकेगी।

बताते चलें कि, फिलहाल, पलामू प्रमंडल के साथ मध्य झारखंड के कुछ हिस्सों में भीषण लू चल रही है। मंगलवार को भी पलामू प्रमंडल के गढ़वा, डालटनगंज के अलावा रामगढ़ समेत राज्य के कई जिलों में लू की स्थिति रही। बोकारो जिले में गर्म हवाओं

की रफ्तार 50 किलोमीटर प्रति घंटे दर्ज की गयी। मौसम विज्ञान केंद्र के प्रभारी अभिषेक आनंद के अनुसार, दक्षिणी-पूर्व मॉनसून के झारखंड में आने के संकेत मिलने लगे हैं। मॉनसून का सकारात्मक असर दिख रहा है। अगले तीन-चार दिनों में झारखंड के कुछ हिस्सों में मॉनसून की बारिश हो सकती है। इसके बाद तापमान में तीन से चार डिग्री सेसि की गिरावट आ सकती है।

रांची, ओरमांझी, गुमला में 33 मिमी के आसपास हुई बारिश : पिछले 24 घंटे में राजधानी के ओरमांझी में सबसे अधिक करीब 33 मिमी के आसपास बारिश हुई। गुमला के चैनपुर में 25 और बसिया में 20 मिमी बारिश हुई। मंगलवार सुबह रांची के कई हिस्सों में भी छिटपुट बारिश हुई। मौसम विज्ञान केंद्र ने 19 जून को केवल पलामू प्रमंडल में लू की चेतावनी जारी की है। 20 से 24 जून तक राजधानी रांची के कई हिस्सों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। इस दौरान अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेसि के आसपास हो सकता है। मंगलवार को सबसे अधिक गर्मी गढ़वा में रहा, जहां का अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेसि से पार रहा। वहीं, राजधानी रांची का अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेसि से अधिक रहा।

आदिवासी होने के कारण हेमंत को जेल में डाला : कल्पना सोरेन

□ पलामू से गांडेय विधायक ने की विधानसभा चुनाव की शुरुआत

मेदिनीनगर। पलामू जिले के हुसैनाबाद टाउन हॉल में झारखंड मुक्ति मोर्चा के द्वारा मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि गांडेय विधायक सह झामुमो के वरिष्ठ नेत्री कल्पना सोरेन थीं।

भाजपा पर बोला हमला : गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने कहा कि हेमंत सोरेन ने गरीबों के लिए कार्य योजना बनाकर लाभ पहुंचाने का काम कर रहे थे, लेकिन भाजपा ने उन्हें अकारण फंसाने का काम किया है। जिस जमीन की खरीद बिक्री नहीं हो सकती है वैसे मामलों में जेल में डाला गया है। लोकसभा चुनाव से आगाज हुआ है विधानसभा चुनाव में मजबूती के साथ अंजाम तक पहुंचना है। इसके लिए जनता को कमर कस के रहने की जरूरत है।

कल्पना सोरेन ने कहा कि हेमंत सोरेन को आदिवासी मुख्यमंत्री होने की बेवजह जेल में डाल दिया। भाजपा इसे कमजोर समझने की कोशिश ना करें। झारखंड की 3.50 करोड़ जनता हेंमत सोरेन के साथ है। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन संवेदनशील व्यक्ति हैं वह हमेशा गरीबों के लिए काम किए है। कोरोना काल में हेमंत की सरकार ने गरीबों को ट्रेन और हवाई मार्ग से वापस घर पहुंचने का काम किया है, जो पहली सरकार होगी। 50 वर्ष उम्र में वृद्धा पेंशन देने का राज्य सरकार ने शुरू की है। तीन कमरे का अबूआ आवास का निर्माण कार्य शुरू कराया गया। सिर्फ इंडिया गठबंधन की सरकार कार्य कर रही है।

चुनाव जीतने के बाद पहली बार पहुंचीं हुसैनाबाद : कल्पना सोरेन ने कहा कि विधायक बनने के बाद पहली बार हुसैनाबाद की धरती से विधानसभा चुनाव अभियान की शुरुआत कर रही हूं।

शेष पेज 08 पर

भाजपा लगातार सरकार गिराने का कर रही है प्रयास

उन्होंने कहा कि सरकार को गिराने के लिए लगातार प्रयास किया गया लेकिन अपने मन मंसूबे में सफल नहीं हो पाये। लेकिन हेमंत सोरेन कभी झुकने वाला व्यक्ति नहीं है झारखंडी स्वाभिमान के साथ कभी समझौता नहीं किया है। उन्होंने कहा कि जिला परिषद उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह उर्फ टुटू सिंह पार्टी में शामिल होकर मजबूती प्रदान किये हैं। चिलचिलाती धूप में काफी की संख्या में लोग घंटों इंतजार किया है। इस बात का प्रमाण है कि सभी लोग झामुमो को दिल से चाहते हैं। सभी लोगों का आशीर्वाद चाहिए। युवाओं के साथ-साथ सभी वर्ग को साथ लेकर चलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हुसैनाबाद की धरती से पूरे पलामू प्रमंडल सहित झारखंड में संदेश जायेगा।

संक्षिप्त

एसपी सहित आईपीएस की ट्रांसफर- पोस्टिंग

रांची। झारखंड सरकार ने आईपीएस की ट्रांसफर और पोस्टिंग कर दी है। इसकी अधिसूचना गृह विभाग के अवर सचिव शैलेश कुमार सिन्हां ने जारी कर दी है। पदस्थापन की प्रतीक्षा में रहे क्रान्ति कुमार गडिदेशी को अगले आदेश तक पुलिस महानिरीक्षक, दुमका पद पर पदस्थापित किया गया है। महानिरीक्षक, दुमका के पद पर पदस्थारपित श्रीमती अन्नेपू विजयालक्ष्मी को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक पुलिस महानिरीक्षक (प्रशिक्षण) रांची के पद पर पदस्थापित किया गया है। अजीत पीटर डुंगडुंग समादेष्टाम, झा०स०पु०-1 रांची को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक पुलिस अधीक्षक (देवघर) के पद पर पदस्थापित किया गया है। श्री डुंगडुंग अगले आदेश तक अपने कार्यों के अतिरिक्त समादेष्टा, झा०स०पु०-5, देवघर के प्रभार में भी रहेंगे। देवघर पुलिस अधीक्षक (अतिरिक्त प्रभार समादेष्टा, जैप-5. देवघर) को राकेश रंजन को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश समादेष्टा, झा०स०पु०-1 रांची के पद पर पदस्थापित किया गया है।

कंचनजंगा एक्सप्रेस 850 यात्रियों को लेकर सियालदह पहुंची

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी के निकट एक मालगाड़ी से टकराने वाली कंचनजंगा एक्सप्रेस के अप्रभावित डिब्बे करीब 850 यात्रियों के साथ मंगलवार सुबह सियालदह स्टेशन पहुंचे। सोमवार को हुए इस हादसे में 15 लोगों की मौत हो गयी थी और कई अन्य घायल हो गये थे। पूर्वी रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। सोमवार सुबह न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन से लगभग 10 किलोमीटर दूर रंगापानी में हुई टक्कर में ट्रेन के चार पीछे के डिब्बे क्षतिग्रस्त हो गये थे। सियालदह से यात्रियों को उनके घर तक सुरक्षित पहुंचाया गया।

मुख्यमंत्री ने की झारखंड मंत्रालय में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक, दिये कई निर्देश

पहाड़ी मंदिर, लुगुबुरु व मरांगबुरु का जल्द शुरू करें विकास कार्य : चंपाई

प्रातः नागपुरी संवाददाता, रांची

झारखंड के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने मंगलवार को अधिकारियों के साथ बैठक कर निर्देश दिया कि, रांची के पहाड़ी मंदिर, लुगुबुरु एवं मरांगबुरु का विकास कार्य जल्द शुरू करें। रजरप्पा विश्वस्तरीय धार्मिक पर्यटन के रूप में विकसित हो। इसकी कार्ययोजना बनाएं। रांची के खेलगांव का हर हाल में मेंटेनेंस करें। धार्मिक, आध्यात्मिक समेत विभिन्न पर्यटन क्षेत्रों में अनेक संभावनाएं हैं। वे झारखंड मंत्रालय में पर्यटन, कला-संस्कृति, खेल-कूद एवं युवा कार्य विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा कर रहे थे।

डीपीआर बनाकर लुगुबुरु एवं मरांगबुरु को करें विकसित: मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि झारखंड का प्राकृतिक सौंदर्य

बेमिसाल है। हम झारखंडवासियों का सौभाग्य है कि यहां विभिन्न समुदायों के कई अहम धार्मिक स्थल एवं अलग-अलग कला-संस्कृति का एक अनोखा मिश्रण है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आदिवासी धर्मावलंबियों की आस्था एवं विश्वास का धर्मस्थल लुगुबुरु एवं मरांगबुरु को एक बेहतर पर्यटन स्थल के रूप में जल्द से जल्द विकसित करें। पर्यटन विभाग के पदाधिकारी जल्द से जल्द इसकी डीपीआर तैयार कर आगे की कार्रवाई शुरू करें।

पहाड़ी मंदिर के विकास का कार्य जल्द करें शुरू : मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रांची के पहाड़ी मंदिर परिसर का संपूर्ण विकास जरूरी है। पहाड़ी मंदिर आस्था और विश्वास का बड़ा धर्मस्थल है। राज्य सरकार द्वारा पहाड़ी मंदिर में रोप-वे बनाने का प्रस्ताव तैयार किया गया था। इसके लिए फीजिबिलिटी वेरीफिकेशन भी हुई थी। पदाधिकारी फीजिबिलिटी रिपोर्ट जल्द मंगाकर आगे की कार्रवाई करें। पहाड़ी मंदिर के विकास के लिए जो भी रोड मैप तैयार किया गया है, उस पर जल्द से जल्द कार्य शुरू करें।

झारखंड में पर्यटन के क्षेत्र में अनेक संभावनाएं : मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि झारखंड के पर्यटन तथा धार्मिक स्थलों को विश्व के मानचित्र पर लाने के लिए हमें क्या कार्य करने की जरूरत है।

शेष पेज 08 पर

हुंडरू फॉल के रिनोवेशन कार्य में तेजी लाएं

सीएम चंपाई सोरेन ने कहा कि हुंडरू फॉल का रिनोवेशन एवं वहां के गेस्ट हाउस निर्माण कार्य में तेजी लाएं। विभाग द्वारा चिन्हित वैसे सभी पर्यटन स्थल जिसे विकसित किया जाना है, उन स्थलों की कार्य प्रगति में शिथिलता न बरतें, बल्कि तेजी लाकर समय से संपन्न करें। मुख्यमंत्री ने पदाधिकारी से कहा कि राज्य के पर्यटन तथा धार्मिक स्थलों को विकसित करने में अगर जरूरत पड़े, तो दूसरे राज्यों के टूरिज्म प्लेस की स्टडी करें। राज्य सरकार चाहती है कि झारखंड के सभी चिन्हित पर्यटनस्थल विकसित हों, तभी राज्य का सांस्कृतिक गौरव बढ़ेगा और अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी।

जमशेदपुर भाजयुमो के दो पदाधिकारी निलंबित, कारण बताओ नोटिस जारी

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि, जमशेदपुर

भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु ओझा ने भाजयुमो जमशेदपुर के मीडिया

प्रभारी मोंटी अग्रवाल एवं भाजयुमो आइटी सेल प्रभारी आशीष कुमार साहू द्वारा फेसबुक अकाउंट से संगठन एवं पार्टी के वरीय नेताओं पर लगातार की जा रही टिप्पणी को संज्ञान में लेते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

चुनाव के बाद पार्टी ने की कड़ी कार्रवाई : लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा ने कड़े अनुशासन एवं पार्टी लाइन के तहत अब कार्रवाई करने का फैसला किया है। मंगलवार को भाजपा अध्यक्ष सुधांशु ओझा ने पत्र जारी कर भाजयुमो के दोनों जिला पदाधिकारी को पदमुक्त करते हुए स्पष्टीकरण मांगा है।

क्या कहा गया है पत्र में : जारी पत्र में बताया गया कि विगत कुछ दिनों में आपके द्वारा सोशल मीडिया पर लगातार संगठन एवं संगठन के वरीय नेताओं पर अनर्गल टिप्पणी करने का मामला संज्ञान में आया है। इस प्रकार सोशल मीडिया पर सार्वजनिक रूप से की गयी टिप्पणी से संगठन की छवि धूमिल हो रही है।

शेष पेज 08 पर

भाजपा समर्पित कार्यकर्ता था, हूं और रहूंगा : मोंटी

भाजयुमो जमशेदपुर महानगर के मीडिया प्रभारी मोंटी अग्रवाल ने कहा कि वे भाजपा सोशल मीडिया के एक्टिव कार्यकर्ता हैं। वह अपनी आइडी से सांसद विद्युत वरण महतो, पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास एवं केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के अलावा संगठन के कार्यक्रमों का पोस्ट लगातार करते रहते हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष सुधांशु ओझा द्वारा अपना पर्सनल आइडी चलाने का दवाब उन पर विगत कई माह से बनाया जा रहा था। उन्होंने दबाव में आइडी चलाने से इनकार कर दिया। इसके बाद उन्होंने कार्रवाई की धमकी दी थी, जिसके कारण बहाना बनाकर उन्हें नोटिस दिया गया है।

30 जून से फिर शुरु होगा 'मन की बात' कार्यक्रम पीएम ने मांगे सुझाव

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का प्रसारण 30 जून से फिर से शुरू होगा। उन्होंने लोगों से इसके लिए अपने विचार और सुझाव साझा करने का आग्रह किया। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यह बताते हुए खुशी हो रही है कि चुनाव के कारण कुछ महीनों के अंतराल के बाद मन की बात वापस आ गया है! इस महीने का कार्यक्रम रविवार, 30 जून को होगा।''

शेष पेज 08 पर

झारखंड हाईकोर्ट ने अधिकारियों को किया तलब, दिया निर्देश

शैक्षणिक संस्थानों और मंदिरों के समीप अब नहीं चलेंगे बार-रेस्टोरेंट

रांची। झारखंड हाई कोर्ट ने स्कूल और मंदिर के आसपास बार एवं रेस्टोरेंट चलाए जाने पर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा कि शैक्षणिक संस्थान और मंदिरों के आसपास बार एवं रेस्टोरेंट चलाने की अनुमति नहीं दी जाए। लाइसेंस के टर्म एवं कंडीशन के तहत रात 12:00 बजे के बाद किसी भी हालत में बार एवं रेस्टोरेंट खुला नहीं रखना चाहिए।

राजधानी रांची के मोरहाबादी में एक बार के देर रात तक खुले रहने और चुटिया स्थित एक्सट्रीम बार में गोलीबारी में डीजे चलाने वाले युवक की मौत की घटना पर हाई कोर्ट ने संज्ञान लिया। साथ ही रांची डीसी, रांची एसएसपी और उत्पादन आयुक्त

को कोर्ट ने तलब किया। कोर्ट के आदेश के आलोक में तीनों अधिकारी कोर्ट के समक्ष उपस्थित हुए। कोर्ट ने रात 12:00 के बाद भी शहर में बार एवं रेस्टोरेंट खुले रहने पर कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने मौखिक रूप से कहा कि संबंधित थाना के इंस्पेक्टर अगर इन बार एवं रेस्टोरेंट पर निगरानी रखते तो गोलीबारी की घटना नहीं होती। पुलिस को रात में बार एवं रेस्टोरेंट में लगातार गश्त लगाने की जरूरत है। इससे अपराधी घटनाओं पर रोक लगेगी।

कोर्ट ने कहा कि आज मोहल्लों के आसपास बार एवं रेस्टोरेंट खुल गए हैं, जिससे महिलाओं को घर से बाहर निकलना भी दूभर हो जाता है। मामले में कोर्ट ने नारकोटिक्स क्राइम ब्यूरो के अधिवक्ता से कहा कि सैटेलाइट मैपिंग के माध्यम से यह पता लगाने की कोशिश करें कि झारखंड के किन-किन जिलों में अफीम की खेती हो रही है और संबंधित जिले के पुलिस अधीक्षक अफीम की खेती को नष्ट करने की कार्रवाई करें। कोर्ट ने रांची एसएसपी से कहा कि रांची शहर में ड्रग्स अफीम, चरस, गांजा की रोकथाम के लिए अभियान चलाएं।

चाईबासा मुठभेड़ में नक्सलियों को मारने वाले जवानों को डीजीपी अजय कुमार सिंह ने किया सम्मानित, कहा-

मुख्य धारा में शामिल हों नक्सली, अन्यथा मारे जाएंगे

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि, चाईबासा

पश्चिमी सिंहभूम के चाईबासा जिला के गुवा थाना क्षेत्र स्थित लापुंगा जंगल में सुरक्षाबलों ने सोमवार को भाकपा माओवादी संगठन के पांच नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया था। इस घटना के एक दिन बाद मंगलवार को डीजीपी अजय कुमार सिंह चाईबासा पहुंचे। उन्होंने जवानों की हौसला अफजाई की। उन्होंने नक्सलियों से अपील की कि वो हथियार छोड़कर मुख्य धारा में लौट आएं। उन्होंने कहा कि नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन चलता रहेगा। उनके साथ एडीजी ऑपरेशन संजय आनंद लाटकर, जोनल आईजी रांची अखिलेश झा, डीआईजी जगुआर इंद्रजीत महथा, डीआईजी ऑपरेशन एस कार्तिक,

आईजी ऑपरेशन अमोल वेणुकांत होमकर, सीआरपीएफ के डीआईजी और एसपी आशुतोष शेखर मौजूद रहे।

पुलिस लाइन में सम्मान समारोह का आयोजन : चाईबासा पुलिस लाइन में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें ऑपरेशन में शामिल सीआरपीएफ, कोबरा, जगुआर और जिला पुलिस के अधिकारियों और जवानों को डीजीपी अजय कुमार सिंह ने पुरस्कृत किया।

शेष पेज 08 पर

बुढ़मू पुलिस ने टीएसपीसी के एरिया कमांडर दस्ते के दो नक्सलियों को किया गिरफ्तार

रांची। रांची की बुढ़मू पुलिस ने टीएसपीसी के एरिया कमांडर दिवाकर गंझू उर्फ प्रताप जी के दस्ता के सक्रिय सदस्य बड़कागांव थाना क्षेत्र के देवगढ़ निवासी

बादल गंझू (20) और बुढ़मू थाना क्षेत्र के उमेडंडा निवासी प्रिंस जयसवाल (23) को गिरफ्तार कर लिया है। बादल गंझू और प्रिंस जायसवाल के पास से एक देशी पिस्टल, दो जिंदा गोली और दो मोबाइल के साथ सोमवार रात में उमेडंडा से गिरफ्तार किया गया। जानकारी के अनुसार वरीय पुलिस अधीक्षक रांची को सूचना मिली थी कि दो नक्सली उमेडंडा शिव मंदिर के पास लेवी वसूली के लिए आये हुए हैं और लेवी लेने के लिए कुछ लोगों को बुला रहे है।

शेष पेज 08 पर

राहुल गांधी ने छोड़ी वायनाड लोस सीट दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार (18 जून) को केरल की वायनाड लोकसभा सीट से इस्तीफा दे दिया। लोकसभा सचिवालय की ओर से इसे लेकर नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। राहुल गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष कार्यालय को रायबरेली लोकसभा सीट बरकरार रखने और वायनाड लोकसभा सीट छोड़ने करने की औपचारिक सूचना दी थी। इससे पहले सोमवार (17 जून) को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने वायनाड से प्रियंका गांधी की उम्मीदवारी की घोषणा की थी।

शेष पेज 08 पर

जेपीएससी सिविल सेवा मुख्य परीक्षा 22 जून से

प्रातः नागपुरी संवाददाता, रांची

जेपीएससी की ओर से 22 जून से 11वीं, 12वीं तथा 13वीं सिविल सेवा मुख्य परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। परीक्षा 24 जून तक दो पालियों में होगी। आयोग ने लगभग सात हजार अभ्यर्थियों के लिए रांची जिला में 15 परीक्षा केंद्र बनाये हैं। परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों के लिए आयोग ने शनिवार से एडमिट कार्ड जारी कर दिया है। कुल 342 पदों पर नियुक्ति के लिए 22 जून को प्रथम पाली में प्रथम पत्र व द्वितीय पाली में द्वितीय पत्र, 23 जून को प्रथम पाली में तृतीय पत्र व द्वितीय पाली में चतुर्थ पत्र, 24 जून को प्रथम पाली में पांचवें पत्र तथा द्वितीय पाली में छठे पत्र की परीक्षा लेगा। प्रथम पाली की परीक्षा सुबह 10 बजे से दिन के एक बजे तक तथा द्वितीय पाली की परीक्षा दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक होगी। प्रत्येक पाली की परीक्षा तीन घंटे की होगी।

एडमिट कार्ड के साथ उपस्थिति पत्रक भी डाउनलोड करेंगे : अभ्यर्थी आयोग की वेबसाइट से एडमिट कार्ड के साथ उपस्थिति पत्रक भी डाउनलोड करेंगे।

शेष पेज 08 पर

संक्षिप्त

झामुमो कार्यकर्ताओं ने मृतक के परिजनों को दी राशन सामग्री

खूंटी। कर्रा प्रखंड की लिमड़ा पंचायत के चिद्दी गांव निवासी जयराम हेमरोम का सोमवार को पेड़ में दबकर मौत हो जाने की खबर मिलने पर मंगलवार को झामुमो नेताओं ने उनके घर जाकर परिजनों से मुलाकात की और राशन मुहैया कराते हुए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। झामुमो कार्यकताओं को मृतक जयराम हेमरोम के परिजनों ने बताया कि जयराम हेमरोम घर में कमाने वाले एकलौता व्यक्ति थे। जयराम की मृत्यु से परिवार में घोर संकट आ गया है। उन पर दुःखों का पहाड़ टूट गया। झामुमो नेता विनोद उरांव, युवा नेता राहुल केशरी, बाका लकड़ा, सरर्ती आइंद ने परिजनों से मुलकात की।

जेबीकेएसएस परिवार ने किया श्राद्धकर्म में सहयोग

अनगड़ा। एक तरफ सभी पाटियां लोकसभा चुनाव में मिली जय पराजय का विश्लेषण में जुटी है वही झारखंडी भाषा-खतियान संघर्ष समिति लोगों के दुख दर्द का निवारण में लगातार सहभागी बन रही है यही कारण है की झारखंड की जनता का पहली पसंद बनते जा रही है। जेबीकेएसएस कार्यकताओं द्वारा अनगड़ा प्रखंड के पुराना चतरा निवासी महेन्द्र महतो की मां का पिछ्ले दिनों देहान्त हो गया था। परिवार की स्थिति दयनीय होने के कारण श्राद्धकर्म कार्य में जेबीकेएसएस परिवार बढ़-चढ़कर सहयोग किया। जिसमें केन्द्रीय सचिव फलिन्द्र करमाली, सुमित कुमार महतो, सुरेश महतो द्वारा 25 केजी चावल, 5 केजी दाल के अलावे नगदी राशि सहयोग दिया है। मौके पर महेन्द्र महतो, टिंकू महतो आदि पीडित परिवार सान्त्वना दी।

विश्व योग दिवस की तैयारी जोरों पर

बेड़ो। विश्व योग दिवस के अवसर पर प्रखंड मुख्यालय से लेकर पंचायतों में योग शिविर का आयोजन आगामी 21 जून को किया जायेगा। इसकी तैयारी जोर शोर से की जा रही है। इस योग शिविर में बच्चे, नौजवान व युवा से लेकर बुजुर्ग तक शामिल होंगे और योग कर शरीर को स्वस्थ रखने का प्रयास करेंगे। बेड़ो के ऐतिहासिक महादानी मंदिर मैदान में शुक्रवार की सुबह छह बजे से योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम होगा। पतंजलि योग समिति व भारत स्वाभिमान न्यास समिति के तत्वावधान में योग शिविर का आयोजन किया जायेगा। जिसमें समाजसेवी, जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक पदाधिकारियों सहित समस्त प्रखंड वासियों से पतंजलि परिवार ने विश्व योग दिवस के कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर भाग लेने की अपील की है।

पीएलएफआई नक्सली सिरिल गुड़िया गिरफ्तार

संवाददाता

खूंटी। पुलिस ने तपकारा थाना क्षेत्र के भंडार टोली के पास छापेमारी कर सोमवार को प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के नक्सली सिरिल गुड़िया को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से दो कारतूस, पीएलएफआई का पर्चा, दो सौ रुपये नकदी, एक मोबाइल और एक स्कूटी (जेएच 23बी 5534) बरामद किया गया। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि नक्सली सिरिल

गुड़िया जो तपकरा चुकाटोली का रहने वाला है, एक होंडा स्कूटी से गुटुहातू से तपकरा बाजार टांड़ की ओर आ रहा है। उसके पास कारतूस है। बताया गया कि सिरिल पीएलएफआई के विशाल कोनगाड़ी उर्फ नेपाली दस्ते का सदस्य है। एसपी के निर्देश पर तोरपा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी क्रिस्टोफर केरकेट्टा के नेतृत्व में छापेमारी टीम का गठन किया गया।

छापेमारी टीम जब भंडार टोली के पास पहुंची तो स्कूटी सवार एक व्यक्ति पुलिस को देखते ही भागने लगा। पुलिस के जवानों ने उसे खदेड़कर पकड़ लिया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम सीरिल गुड़िया (28) निवासी तपकारा चुकाटोली बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से कारतूस और अन्य सामान बरामद हुए।

छापेमारी टीम में तोरपा के एसडीपीओ क्रिस्टोफर केरकेट्टा, पुलिस निरीक्षक अशोक कुमार सिंह, तपकरा थाना प्रभारी पुलिस अवर निरीक्षक राजू कुमार, आरक्षी चमरा मुंडा, सर्वजीत कुमार और गोपाल भगत शामिल थे।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत, एक घायल

संवाददाता

खूंटी। खूंटी थाना के तारो सिलादोन क्षेत्र में चुकरू मोड़ के पास सोमवार देर रात हुई सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान मारंगहादा थानांतर्गत बुढ़ाडीह तिलमा गांव निवासी मनीष मुंडा (22) के रूप में हुई। दुर्घटना में घायल उसी गांव के हरि मानकी को सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स रांची रेफर कर दिया गया।जानकारी के अनुसार मोटरसाइकिल सवार उक्त दोनों लोग एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद वापस अपने गांव लौट रहे थे। उसी दौरान घटनास्थल के पास अचानक एक भैंस बीच सड़क पर आ गई। सड़क पर आई भैंस से टकराकर वे दोनों मोटरसाइकिल सहित पक्की सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद दोनों को इलाज के लिए सदर अस्पताल खूंटी लाया गया, जहां चिकित्सकों ने मनीष मुंडा को मृत घोषित कर दिया।मंगलवार को खूंटी थाना की पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर स्वजनों को सौंप दिया। सड़क दुर्घटना में मनीष मुंडा की आकस्मिक मौत की सूचना मिलने पर विधायक प्रतिनिधि काशीनाथ महतो मंगलवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए मृतक के स्वजनों को ढांढस बंधाया।

पिता-पुत्र की मौत, पीड़ित परिवार से मिले विधायक सुदेश, जताया दुख

राहे। थाना क्षेत्र के लोवाहातू गांव के युवक वरुण कुमार महतो ने 14 जून की रात घर में फांसी लगाकर आत्म हत्या कर ली थी। इसकी खबर सुन पिता दयाल राम महतो जो रांची के एक अस्पताल में इलाजरत थे, सदमे में मौत हो गयी थी। एक साथ पिता- पुत्र की मौत की सूचना पर विधायक सुदेश महतो सोमवार देर रात गांव पहुंच कर परिजनों से मुलाकात कर गहरा शोक व्यक्त किया तथा परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। इस दौरान उन्होंने कहा कि, दुख की घड़ी में जो मदद होगी की जाएगी। मौके पर प्रभारी संजय सिद्धार्थ, सुनील सिंह, किरीटी महतो, मुखिया प्रतिनिधि चरण सिंह मुंडा आदि मौजूद थे।

सुशीला प्रसाद हत्याकांड का एक और अभियुक्त गिरफ्तार

▸ प्रेस कांफ्रेंस में पुलिस अधीक्षक ने दी जानकारी

संवाददाता

रामगढ़। पुलिस अधीक्षक डॉ बिमल कुमार ने 18 जून को प्रेस कांफ्रेंस किया। प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने गत 30 मई को रामगढ़ थाना अंतर्गत पतरातू बस्ती विद्यानगर में सेवानिवृत रेलवेकर्मी अशर्फी प्रसाद के घर में घुसकर उनकी पत्नी- सुशीला प्रसाद की हत्या कर नकदी एवं आभूषण लूटपाट कर साक्ष्य को छुपाने के उद्देश्य से घर में अगजनी कर सनसनी खेज घटना को अंजाम देने के अभियुक्तों के प्रयास और मामले में एक और अभियुक्त अंकित उर्फ अनिकेत कश्यप को उसके घर गढ़वा थाना

अन्तर्गत गढ़वा (संगत-रॉकी मुहल्ला) से गिरफ्तार किये जाने के संबंध में जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक ने बताया की हत्याकांड में शामिल सभी 5 अभियुक्तों को एसआईटी ने गिरफ्तार कर लिया है। बताया कि पुलिस अधीक्षक द्वारा काण्ड के उदभेदन, अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं लूटे गये सम्पति तथा घटना में प्रयुक्त सामानों की बरामदगी को लेकर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रामगढ़ परमेश्वर प्रसाद के नेतृत्व में एक एसआईटी टीम का गठन किया गया था। पुलिस अधीक्षक के दिशा-निर्देशन में गठित एसआईटी टीम द्वारा साक्ष्यों के आधार पर 72 घंटे के अंदर इस काण्ड का उद्भेदन करते हुए कांड में शामिल मुख्य साजिशकर्ता कुमारी स्नेहा उनके पति आरिफ नैयर उर्फ आर्या एवं अफसर अली को गिरफ्तार कर दिनांक 4 जून को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया एवं अभियुक्त कासिफ मुन अमीन को 5 जून को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि एसआईटी टीम द्वारा प्राप्त गुप्त सूचना एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर 17 जून की रात्रि को गढ़वा थाना अन्तर्गत गढ़वा (संगत-रॉकी मुहल्ला) से इस कांड में फरार चल रहे अभियुक्त अंकित उर्फ अनिकेत कश्यप को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ करने पर उसके द्वारा अपनी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण कांड में अपनी संलिप्ता स्वीकार किया गया । अभियुक्त की निशानदेही पर इस कांड में लूटे गये चांदी के जेवरात एवं कुछ बर्तनों को बरामद कर किया गया। छापामारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी परमेश्वर प्रसाद, थाना प्रभारी अजय कुमार साहु, पुअनि सुमंत कुमार राय, पुअनि ओमकार पाल, पुअनि राजू उरांव, आरक्षी देवेन्द्र कुमार राम आदि शामिल थे।

बरसात में डूब जायेगा राहे का धोबी मोहल्ला

संवाददाता

राहे। इस बरसात में राहे का धोबी मोहल्ले पर डूबने का खतरा मंडरा रहा हैं। यदि भारी बारिश हुई, तो 100 से अधिक परिवार प्रभावित हो जायेंगे।

डूबने के खतरा को देखते हुए लोगों ने केंद्रीय राज्य मंत्री सह सांसद संजय सेठ को मुहल्ले का नारकीय स्थिति की निरीक्षण कराया गया। राहे बीडीओ मनोज महथा ने भी निरीक्षण किया।

कैसे बढ़ा खतरा

कोकरो नहर की शाखा नहर का पानी खेतों में जाता है। कुछ वर्षों में सड़क किनारे बिल्डिंग कार्य तेजी से हुआ है। लोग पानी निकासी होनेवाले खेतों में मिट्टी भर दिए हैं। अब नहर का पानी निकासी होने की कोई व्यवस्था नहीं है। नहर का पानी सीधे गांव में प्रवेश करेगा। जो नाली गांव के बीच बनी है। मिट्टी और मलबे से भर गयी है। अब नहर का पानी मुहल्ले को डूबा देगा।

क्या कहते हैं ग्रामीण

मुकेश बैठा मुहल्ले में नहर का पानी आयेगा, लेकिन निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है। समय रहते कोई उपाय किया जाएगा, तो मुहल्ले वासी को राहत मिलेगी।

विभाग या अधिकारी 15वीं वित्त की राशि से नाली सफाई कराने की अनुमति देते हैं, तो कुछ गांव में कुछ राहत मिल सकती है :

मुखिया कृष्णा पातर

मुहल्ले की स्थिति की जानकारी रांची डीसी को दी है। जल्द ही कोई उपाय करेंगे :

केंद्र राज्य मंत्री संजय सेठ

गांव में घूम कर स्थिति की जानकारी ली है। स्थिति बहुत खराब है। लोगों का घर डूबने का खतरा है। बरसात से पहले नाली सफाई का उपाय किया जायेगा :

बीडीओ मनोज महथा

जिंदल पावर की सीएसआर कमेटी के सदस्य ने बिरसा मुंडा आर्चरी केंद्र का किया भ्रमण

कहा-

जल्द मिलेगा तीरंदाजों को लाभ

संवाददाता

सिल्ली। बिरसा मुंडा आर्चरी सेंटर सिल्ली में मंगलवार को जिंदल पावर लिमिटेड पतरातु रामगढ़ के सीएसआर कमेटी के सदस्य मंगलवार को सिल्ली के बिरसा मुंडा आर्चरी सेंटर पहुंचे। जहां सीएसआर कमिटी के सदस्यों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे तीरंदाजों से परिचय प्राप्त कर उनके उपलब्धियां को भी जाना।

जिंदल पावर लिमिटेड पतरातु रामगढ़ के सीएसआर कमेटी के मैनेजर कुमार राहुल डे कहा कि इस आर्चरी सेंटर के संबंध में जितना सुना था उससे भी बेहतर देखने को मिला। हमारी कपनी के ओर से रामगढ़ एवं आसपास के जितने भी तीरंदाज इस केंद्र पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं उन्हें सहयोग प्रदान करेगी। जिससे तीरंदाज और भी बेहतर करें एवं अपने सेंटर के साथ के साथ अपने क्षेत्र एवं राज्य का नाम रोशन करें। इस मौके पर जिंदल पावर लिमिटेड पतरातु रामगढ़ के सीएसआर कमेटी के शशि प्रसाद केसरी, बिरसा मुंडा आर्चरी सेंटर के कोच प्रकाश राम, शिशीर महतो समेत कई लोग उपस्थित थे।

दोकाद पंचायत प्रीमियर लीग का हुआ समापन

राहे। खेलो सिल्ली कार्यक्रम के तहत विधायक सुदेश महतो के निर्देश पर दोकाद पंचायत प्रीमियर लीग क्रिकेट टूनामेंट का सफल आयोजन मंगलवार को संपन्न हुआ। 8 जून से 8 टीम लीग मैच के माध्यम से फाइनल मुकाबले तक पहुंचा था। फाइनल मुकाबला बेला और गोमदा टीम के बीच हुआ, जिसमें बेला की टीम 17 रन से विजयी हुई। दोनों टीमों को नगद राशि देकर पुरस्कृत किया गया। मैन ऑफ द सीरीज हरेश कुमार को दिया गया। इसके अलावा बेहतर खेलने वाले सात खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। मौके पर प्रभारी बबलू खान,पंचायत समिति सुभाष महतो, राजू कुमार सहित पंचायत के सभी खिलाड़ियों का सहयोग रहा।

ट्रांसफार्मर खराब ग्रामीण परेशान

बुढ़मू। बुढ़मू प्रखंड के सोबा गांव में पिछले 8 दिनों से बिजली ट्रांसफार्मर खराब पड़ी है जिस कारण ग्रामीणों व किसानों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सिंचाई नहीं होने के कारण किसानों के द्वारा लगाई गई सब्जियां बर्बाद हो रही है।

बारिश से उमस भरी गर्मी से मिली राहत, आंधी से 3 घरों को नुकसान

संवाददाता

राहे। राहे प्रखंड क्षेत्र में सोमवार शाम जोरदार बारिश के साथ आंधी आई थी। आंधी से कई पेड़ उखड़ गए, तो कई पेड़ में डाली टूटी। राहे गांव के ऊपरटोली में आंधी से तीन घर को नुकसान पहुंचा है। गांव की कौशल्या देवी, लखन अहीर और निर्मल अहीर के घर में पेड़ गिरने से एस्बेस्टस और छत को नुकसान पहुंचा है। पेड़ गिरने से एस्बेस्टस को काफी क्षति पहुंची है। इधर उमेश होटल का पूरी झोपड़ी उड़ गयी है। लखीचरण की छत पर पीपल डाली गिरने से छज्जा टूट गया है। पीड़ितों ने प्रखंड प्रशासन से जांच कर मुआवजा देने की मांग की है।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ लें कृषक: डॉ. दीपक राय

संवाददाता

खूंटी। कृषि विज्ञान केंद्र तोरपा में मंगलवार को प्रधानमंत्री द्वारा उत्तर प्रदेश के वाराणसी में पीएम किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त के तहत 9.26 करोड़ किसानों के खातों में 20 हजार करोड़ से अधिक की राशि के हस्तांतरण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किसानों को दिखाया गया। अब तक पीएम किसान सम्मान निधि से करोड़ों किसान लाभान्वित हुए हैं। यह योजना किसानों के जीवन को आसान और कृषि को प्रोत्साहित करने की दिशा में ऐतिहासिक साबित हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार किसानों के कल्याण के लिए संकल्पित है। इसके साथ कृषि पैरा विस्तार

कार्यकर्त्ता के रूप में ह्लकृषि सखियोंह्व का प्रमाणीकरण भी किसानों ने देखा। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक सह अध्यक्ष डॉ दीपक राय ने कहा कि इस योजना के तहत किसानों को दो-दो हजार रुपये की तीन किस्तें, साल में कुल छह जार रुपये दिये जाते हैं। स्कीम के तहत पहली किस्त अप्रैल-जुलाई के बीच, दूसरी किस्त अगस्त-नवंबर के बीच और तीसरी किस्त दिसंबर-मार्च के बीच जारी की जाती है। इस योजना की शुरूआत 2019 में किसानों को आर्थिक मदद देने के लिए की गई थी। योजना के पात्र लाभार्थी कॉमन सर्विस सेंटर के जरिए भी अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

इसके अलावा स्थानीय पटवारी, राजस्व अधिकारी और योजना के लिए राज्य सरकार की ओर से नामित नोडल अधिकारी ही किसानों का रजिस्ट्रेशन कर रहे हैं। शुरूआत में जब पीएम किसान योजना शुरू की गई थी, इसका लाभ केवल छोटे और सीमांत किसानों के परिवारों के लिए था। इसमें वे किसान शामिल थे, जिनके पास दो हेक्टेयर तक की कम्बाइन्ड लैंड होल्डिंग (संयुक्त भूमि) थी। जून 2019 में स्कीम को रिवाइज किया गया और सभी किसान परिवारों के लिए इसे विस्तारित कर दिया गया। हालांकि, कुछ किसानों को अभी भी इस योजना से बाहर रखा गया है।

पीएम किसान से बाहर किए गए लोगों में संस्थागत भूमि धारक, संवैधानिक पदों पर बैठे किसान परिवार, राज्य या केंद्र सरकार के सेवारत या रिटायर्ड अधिकारी और कर्मचारी हैं। इसमें सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और सरकारी स्वायत्त निकाय के अधिकारी-कर्मचारी भी शामिल हैं। इनके अलावा डॉक्टर, इंजीनियर और वकील जैसे प्रोफेशनल्स के साथ-साथ दस हजार रुपये से अधिक मासिक पेंशन वाले रिटायर्ड पेंशनर्स और पिछले असेसमेंट ईयर में इनकम टैक्स भरने वालों को भी इस स्कीम से बाहर रखा गया है।

आगामी विस चुनाव को लेकर आजसू की हुई बैठक

▸ केंद्रीय प्रवक्ता देवशरण भगत हुए शामिल

संवाददाता

रामगढ़। आजसू पार्टी जिला कमेटी की बैठक मंगलवार को पार्टी जिला कार्यालय में हुई। अध्यक्षता दिली दांगी और संचालन अनुज तिवारी ने किया। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय प्रवक्ता देवशरण भगत, विशिष्ट अतिथि केंद्रीय महासचिव संजय रंजन, मांडू विधानसभा प्रभारी तिवारी महतो, केंद्रीय सचिव विजय साहू उपस्थित थे। बैठक में मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों के आगमन पर बुके देकर उनका स्वागत किया गया। बैठक को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष दिलीप दांगी ने पार्टी द्वारा घोषित 100 दिवसीय कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आगामी 22 जून को आजसू का स्थापना दिवस बलिदान दिवस के रूप में मनाया जाएगा। 8 अगस्त

को शहीद निर्मल महतो के शहादत दिवस पर एक लाख कार्यकताओं का रांची में जुटान होगा। जिसमें पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर चुनावी मेनीफेस्टो जारी किया जाएगा। 16 अगस्त से 2 अक्टूबर तक पूरे झारखंड में आजसू की निर्माण यात्रा के तहत कार्यक्रम का आयोजन होगा। सभी कार्यक्रमों में आजसू रामगढ़ जिला के कार्यकर्ता बढ़ चढ़कर भागीदारी निभाएंगे।वहीं मुख्य अतिथि पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता देवशरण भगत ने कहा कि आजसू सामाजिक न्याय की बात करती है। राज्य के स्थानीय और ज्वलंत मुद्दों की बात करती है। राज्य के लोगों की समस्याएं ही आजसू के मुद्दे हैं। झारखंड अलग राज्य का गठन पूर्व प्रधानमंत्री स्व अटल बिहारी वाजपेयी की देन है। कहा कि जिन्होंने झारखंड अलग राज्य निर्माण की लड़ाई भी पूरी ईमानदारी से नही लड़ी आज वही लोग सत्ता में आकर राज्य को लूट रहे हैं। कहा कि राज्य की इंडी गठबंधन सरकार में शामिल सभी दल जनता को सिर्फ ठग रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में आजसू राज्य की इंडी गठबंधन सरकार को उखाड़ फेंकने का काम करेगी। कहा कि आजसू 100 की स्ट्राइक रेट के साथ हर सीट पर जीत दर्ज करेगी।

संक्षिप्त

शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने के दोषी को 12 साल की सजा

रांची : अपर न्यायायुक्त एमके वर्मा की अदालत ने मंगलवार को शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने के दोषी विनय कुमार पासवान को 12 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही अदालत ने 26 हजार का जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ना की राशि नहीं भरने पर एक साल की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। इस मामले में पीड़िता ने चुटिया थाने में कांड संख्या 82/2019 दर्ज कराया था। पीड़िता और आरोपित दोनों के बीच चार साल से प्रेम संबंध था। विनय पीड़िता को बहला फुसलाकर चुटिया के एक होटल में ले जाकर संबंध बनाया था और शादी का झांसा देकर लगातार उसके साथ शारीरिक संबंध बना रहा था। जब पीड़िता ने शादी के लिए दबाव बनाया तो आरोपित शादी करने से मुकर गया। मामले में अभियोजन पक्ष ने पीड़िता के पिता सहित पांच अन्य लोगों को गवाह बनाया था। ट्रायल के दौरान पीड़िता के पिता की मृत्यु हो गयी थी।

स्पा सेंटर में पकड़े गये 03 आरोपितों को मिली जमानत

रांची : रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त दिवाकर पांडे की अदालत ने मंगलवार को लालपुर थाना क्षेत्र से बैंबू स्पा सेंटर में पकड़े गये तीन आरोपितों को जमानत दे दी। इनमें राकेश रंजन, आर्यमान कुमार और ऋषि बंका शामिल हैं। तीनों आरोपित स्पा सेंटर के ग्राहक थे। अदालत ने स्पा सेंटर के नाम पर जिस्मफरोशी कराने के आरोपित और स्पा के संचालक दिल्ली निवाड़ी गौरव अग्रवाल सहित स्पा के अन्य कर्मचारियों को जमानत देने से इनकार कर दिया। साथ ही सभी की जमानत याचिका खारिज कर दी। इनमें थाईलैंड की दो युवतियां, दिल्ली और बंगाल की दो-दो एवं रांची की एक युवती सहित अन्य शामिल हैं। रांची पुलिस ने दो जून को लालपुर थाना क्षेत्र स्थित बैंबू स्पा सेंटर में छापेमारी की थी। बैंबू इंटरनेशनल स्पा सेंटर, सर्कुलर रोड के हरिओम टावर के सामने ली डिजायर कांप्लेक्स के चौथे तल्ले पर स्थित था। पुलिस ने छापेमारी के दौरान वहां से 14 लोगों को गिरफ्तार किया था। साथ ही आपत्तिजनक सामान भी बरामद किया था।

गैरकानूनी ढंग से भारतीय बॉर्डर पार करनेवाली 03 बांग्लादेशी युवतियों को मिली जमानत

रांची : न्यायिक दंडाधिकारी प्रशांत कुमार वर्मा की अदालत ने गैरकानूनी रूप से भारतीय बॉर्डर पार करने की आरोपित तीन बांग्लादेशी युवतियों को जमानत दे दी है। कोर्ट ने आरोपितों को दस-दस हजार रुपये के दो निजी मुचलके भरने साथ ट्रायल में सहयोग करने और केस चलने के दौरान मोबाइल नंबर नहीं बदलने का निर्देश दिया है। आरोपित युवतियों के अधिवक्ता वीरेंद्र प्रताप ने बहस की। उल्लेखनीय है कि रांची पुलिस ने पांच जून को तीन बांग्लादेशी मूल की युवतियों को गिरफ्तार किया था। तीनों युवतियों को बरियातू थाना क्षेत्र के बाली रिसोर्ट हिल व्यू रोड से गिरफ्तार किया गया था। पकड़ी गयी तीनों बांग्लादेशी युवतियों के पास फर्जी तरीके से भारत में बनाया गया आधार कार्ड था। इनमें इनका नाम पायल दास, अनिका दत्ता और खुशी लिखा गया था।

30 जून तक निरंतर लगेगा रक्तदान शिविर

रांची : मारवाड़ी युवा मंच रांची शाखा लगातार पांच दिनों से रोज रक्तदान शिविर का आयोजन कर रहा है। 17.06.24 को अपर बाजार स्थित क्राफ्ट मे और 18.06.24 को आर्ट ऑफ लिविंग के संयुक्त प्रयास से एस.डी सेल्स मे रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सेवा सदन ब्लड बैंक के सहयोग से संपन्न हुआ। 17.06.24 को रक्तदान शिविर मे 26 लोगों ने तथा 18.06.24 को 18 लोगों ने रक्तदान किया। दोनों शिविर मिलाकर 8 लोगो ने पहली बार रक्तदान किया।

नशा मुक्ति को लेकर लोगों को किया जायेगा जागरूक : उप विकास आयुक्त

संवाददाता

रांची : 19 जून से 26 जून 2024 तक नशा मुक्ति को लेकर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन। उप विकास आयुक्त दिनेश कुमार यादव की अध्यक्षता में आज दिनांक-18 जून 2024 को विकास भवन रांची के सभागार में मादक पदार्थों के रोक-थाम हेतु जागरूकता अभियान आयोजित करने को लेकर सभी हितधारकों, विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारियों एवं गैर सरकारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी रांची, श्रीमती सुरभि सिंह, जिला जन संपर्क पदाधिकारी रांची, श्रीमती उर्वशी पांडे, जिला खेल पदाधिकारी रांची, श्री शिवेंद्र सिंह, उप निदेशक नेहरू युवा केंद्र रांची, श्री सर्वेंद्र प्रताप सिंह, जिला खेल समन्यवक रांची,जिला शिक्षा पदाधिकारी रांची, श्री विनय कुमार, ए. डी.पी.ओ. रांची, श्री कौशल किशोर, पी.ओ. डी.आर.डी.ए रांची, डॉ. ऋतू राज, उक्ठक गैर सरकारी संस्था रांची एवं साउथ विहार वेलफेयर सोसायटी फॉर ट्राइबल गैर सरकारी संस्था, लाइफ सेवर, गैर सरकारी संस्था रांची के प्रतिनिधि उपस्थित एवं सम्बंधित सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सभी इस महाअभियान का हिस्सा बने

उप विकास आयुक्त रांची, दिनेश कुमार यादव ने बैठक में सभी सम्बंधित पदाधिकारी एवं सम्बंधित गैर सरकारी संस्था के सदस्यों से विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि मादक पदार्थों के रोक-थाम हेतु जागरूकता लाने में सभी की सहभागिता अति आवश्यक है। इसके लिए विभिन्न स्थानों पर नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चला कर लोगों विशेष कर युवाओं को नशा के दुष्प्रभाव से अवगत कराना होगा, ताकि एक स्वास्थ्य समाज का निर्माण हो सके।

मानव श्रृंखला /साइकिल रैली/चौपाल/नुक्कड़ नाटक/ मैराथन के माध्यम से लोगों को नशा मुक्ति को लेकर बड़े पैमाने पर जागरूक किया जायेगा

उप विकास आयुक्त रांची, दिनेश कुमार यादव ने बैठक में सभी सम्बंधित पदाधिकारी एवं सम्बंधित गैर सरकारी संस्था के सदस्यों से कहा कि विद्यालयों में 11 वी एवं 12 वी के बच्चों को इस कार्यक्रम से जोड़ कर दिनांक- 19 जून से 26 जून 2024 तक सम्पूर्ण रांची जिला अंतर्गत जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। जिसमें 19 जून 2024 को जगन्नाथपुर, पहाड़ी मंदिर, मधुकुम, लोहरा कोच्चा, मेन रोड के अंदर बस्तियों में जा कर साईकिल रैली/पम्पलेट/प्रचार के माध्यम से नशा मुक्ति के लिए जागरूकता अभियान चलाए। ड्रग से हो रहे नुकसान और कानून में दंड के प्रावधान से अवगत कराए, ताकि युवाओं में नशा के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता आए। साथ ही उप विकास आयुक्त रांची द्वारा कहा गया कि सभी प्रखंडो, पंचायतों एवं आंगनबाड़ी केंद्र स्तर पर भी नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

जागरूकता अभियान

दिनांक-19 जून 2024- मादक पदार्थ के दुरुपयोग पर चर्चा-चौपाल आयोजित करना। इसके अंतर्गत युवा समूह, स्वयं सहायता समूह, महिला मंडल के साथ में नशीले पदार्थ तथा मादक द्रव्य के सेवन/दुरूपयोग तथा इनके लत से होने वाले दुष्प्रभाव के संबंध में जागरूक करना एवं समाज को नशा मुक्त करने पर चर्चा का आयोजन किया जायेगा।

20 जून से 21 जून 2024 नशीले पदार्थों की मांग न्यूनीकरण में जिला प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर सभी पदाधिकारी/कर्मियों/ स्वयंसेवी संस्थाओं तथा समाज तथा समाज एवं सभी समुदाय के प्रतिष्ठित व्यक्तियों के साथ बैठक का आयोजन।

22 जून से 24 जून 2024 तक- झुग्गी, झोपड़ी, रेड लाइट एरिया, हाट बाजार, रेलवे स्टेशन, बस अड्डा एवं पार्को में नुक्कड़ नाटक, पैम्फ्लेट वितरण इत्यादि द्वारा नशीले पदार्थों के कुप्रभाव के सम्बन्ध में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन। 26 जून 2024- रन फॉर ड्रग फ्री झारखंड थीम के तहत जिला स्तर पर मैराथन दौड़ का आयोजन।

जानकारी हो कि रांची जिला में नशा मुक्ति जागरूकता अभियान को लेकर प्रखंड स्तर, ग्राम स्तर चौपाल, पंचायत स्तर पर कार्यक्रम चलाया जाएगा।

चार दिवसीय दौरे के बाद नयी दिल्ली रवाना हुए रक्षा राज्य मंत्री

रांची मेरा परिवार है, आपके स्नेह के लिए आभार : संजय सेठ

संवाददाता

रांची : अपने रांची लोकसभा क्षेत्र के चार दिवसीय दौरे के बाद केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ आज नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए। इससे पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने अपने आवास पर आए कार्यकर्ताओं और नागरिकों से मुलाकात की। उनकी शुभकामनाएं स्वीकार की और उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट की। उन्होंने कहा कि चार दिवसीय दौरे पर क्षेत्र के नागरिकों और कार्यकताओं ने जो स्नेह और प्यार दिया, यही उनकी पूंजी भी है और उनकी शक्ति भी। क्षेत्र के आशीर्वाद से ही रक्षा राज्य मंत्री के रूप में मिली नई जिम्मेदारी का निर्वहन सफलतापूर्वक करेंगे।

श्री सेठ ने कहा कि लोकसभा के विशेष सत्र में भाग लेकर 03 जुलाई के बाद में पुनः अपने क्षेत्र में अपने लोगों के बीच आयेंगे। क्षेत्र के लोगों से उनका जुड़ाव पारिवारिक है और एक पारिवारिक सदस्य की तरह में सदैव अपने क्षेत्र के लोगों के साथ खड़े रहेंगे। पूर्व की भांति क्षेत्र की समस्याओं के समाधान और विकास के लिए वे लगातार सक्रिय रहेंगे।

कोल इंडिया की एपेक्स जेसीसी की बैठक 27 जून को होगी

नई दिल्ली/रांची। कोल इंडिया एपेक्स जेसीसी की बैठक 27 जून को कोलकाता में होगी। इसके संभावित एजेंडे की जानकारी कमेटी के सदस्यों को दे दी गई है। हालांकि इसमें इंटक के प्रति?निधि को फिर जगह नहीं मिली है। महाप्रबंधक (पीएंड आईआर) गौतम बनर्जी ने दी है। इसमें कहा गया है कि बैठक 11 बजे से कोलकाता स्थित कंपनी मुख्यालय में होगी।

इस बैठक में बीएमएस के के लक्ष्मणा रेड्डी, एचएमएस के नाथूलाल पांडेय, एटक के रमेंद्र कुमार, सीटू के डीडी रामानंदन, सीएमओएआई के सर्वेश सिंह शामिल होंगे। इंटक के प्रतिनिधि को इसमें नहीं बुलाया गया है।

बैठक में उत्पादन, उत्पादकता, प्रेषण, गुणवत्ता में सुधार पर चर्चा होगी। इसके अलावा माइंस की क्षमता, उपकरण और मानव संसाधन के अधिकतम उपयोग पर विमर्श किया जाएगा। लागत, लाभ आदि विषय पर भी चर्चा होगी। अध्यक्ष की अनुमति के अन्य विषयों पर भी बात होगी।

निर्जला एकादशी व्रत को लेकर श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर मन्दिर में अनुष्ठान

संवाददाता

रांची : 18 जून मंगलवार ज्येष्ठ शुक्लपक्ष की निर्जला एकादशी व्रत को ले श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर (तिरुपति- बालाजी) मन्दिर में हुए वृहद अनुष्ठान। ब्रह्ममुहूर्त में सब प्रकार के अनुग्रह- निग्रह करने वाले श्रीहरि वेंकटेश्वर का विश्वरूप दर्शन हुआ। फिर कर्णानन्ददायक मधुर गीत स्वर में सुप्रभातम, मंगलाशासनम, करावलंबम स्तोत्र, वेंकटेश प्रपत्ति आदि सुनाया गया। इसके बाद भक्तार्तिनाशन भगवान श्रीवेंकटेश के चारो विग्रह- मूलमूर्ति, उत्सवमूर्ति , भोगमूर्ति और श्रीपति विग्रह के साथ, श्री श्रीदेवी, श्रीभूमिदेवी, चक्रराज सुदर्शन एवं शठारात्रि (शठकोप) भगवान का सुश्राव्य वेदध्वनियों के साथ दूध, दही, हल्दी, चंदन, शहद, गंगाजल, डाभयुक्त जल आदि अनेकों औषधयुक्त द्रव्यों से महाभिषेक हुआ। तदंतर वस्त्राभूषण से अलंकार समर्पण कर सुवासित फूल राशियों से भव्य श्रृंगार निवेदन हुआ। फलाहारी खीर, कुटू, सिंघाड़ा आटा की पकौड़ी, साबूदाना कद्दू की खिचड़ी, फल मेवा आदि एकादश प्रकार के व्यंजनों का बालभोग नैवेद्य चढ़ा। नक्षत्र, कुंभ और धृत की आरती की गयी। वेद, उपनिषद और स्तोत्रमाला से महास्तुति की। ऐसे भाँति-भाँति प्रकार के उपचार - प्रत्युपचार से दिव्य मंगलोत्सव मना।

आज के उद्यास्तमन सेवा के यजमान : सुश्री पल्लवी अनुराग

जबकि दिनभर का भोग : दो-दो परिवार ने निवेदन कियाः श्री विकास- रुचिता शर्मा और आशीष - अश्विका अग्रवाल यह तीनों ही यजमान रांची निवासी हुए। अर्चक : श्री सत्यनारायण गौतम, गोपेश आचार्य और नारायण दास ने अनुष्ठान विधिवत संपन्न कराया। इनकी रही सहभागिता सर्वश्री : राम अवतार नारसरिया, प्रदीप नारसरिया, अनूप अग्रवाल, धनश्याम दास शर्मा, रंजन सिंह प्रशांत चतुर्वेदी आदि मंगलवार को एकादशी व्रत करने वाले बुधवार को प्रातः 5 .40 बजे के अन्दर पारण कर लेवें।

106वां श्री सुंदरकांड हनुमान चालीसा पाठ भक्तिमय माहौल में सम्पन्न

संवाददाता

रांची : नासे रोग हरे सब पीडा जो सुमीरो हनुमत बलबीरा के सुरताल से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। अवसर था 106वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा के संगीतमय पाठ का। श्री श्याम मित्र मंडल के द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में प्रत्येक मंगलवार को होने वाला 106वां कार्यक्रम आज भक्तिमय माहौल में संपन्न हुआ। राजेश जयसवाल अपनी धर्मपत्नी रेशम जायसवाल ने परिवार के संग हनुमान जी महाराज की दिव्य अखंड पावन ज्योति प्रज्वलित कर- के केसरिया पेड़ा गुड़ चना फल का प्रसाद अर्पित कर परिवार की खुशहाली की प्रार्थना की । मंडल के उपमंत्री अनिल नारनोली ने पूजन अनुष्ठान विधिवत संपन्न करवाया। श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद की सेवा केसरिया पेड़ा सेवा श्रीमती पुष्पा देवी पोद्दार फल प्रसाद सेवा राजेश जयसवाल एवम गिरिगोला सेवा मुकेश मित्तल ने निवेदित की।

राजेश जायसवाल ने रामचरितमानस ग्रंथ व पाठ वाचको का चंदन वंदन किया। श्री गणेश वंदना करके हनुमान चालीसा का पाठ किया गया । पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक डफली झांझ करताल के सुरताल के साथ श्री सुंदरकांड का पाठ प्रारंभ किया। मंदिर परिसर में उपस्थित सैकड़ो भक्तों ने भक्ति भाव से सामूहिक रूप से पाठ किया। पाठ के मध्य में भजनों का गायन भी किया गया। बजरंगबली की जय जयकारों से हरमू रोड गूंज रहा था। पाठ के समापन के बाद श्री हनुमान चालीसा का संगीतमय संकीर्तन करके महाआरती की गयी।

सभी भक्तजनों को केसरिया पेडा चना गुड़ फल व नारियल का प्रसाद वितरित किया गया ।इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया स्नेह पोद्दार आदि उपस्थित थे।

शनिवार को श्री श्याम भंडारा

22 जून शनिवार को हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में 117 वा श्री श्याम भंडारा सायं 5:00 बजे से होगा।

उपरोक्त जानकारी मंडल के मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू ने दी। [18/06, 5:13 स्रे] +91 81027 98223: आज मंगलवार को हनुमान जी महाराज की ज्योत श्री राजेश जायसवाल एवं उनकी पत्नी रेशम जायसवाल ने प्रारंभ की हनुमान चालीसा का पाठ हुआ तत्पश्चात सुंदरकांड का सामूहिक पाठ प्रारंभ हुआ।

कैलाश की करुणा, रांची का जत्था कैलाश रवाना

संवाददाता

रांची : मुख्य अतिथि समाज सेवी नंद किशोर सिंह चंदेल ने अंग वस्त्र एवं धर्म ध्वज देकर जत्थे को किया रवाना। साथ में अमन ठाकुर, कार्तिक उपस्थित रहे। निःशुल्क चिकित्सा उपकरण बैंक कैलाश की करुणा, रांची के संस्थापक कैलाशी अरविन्द सिहं कौशल के नेतृत्व में 13 यात्रीयों का जत्था आदि कैलाश रवाना हुआ। जत्थे में पुरे भारत से 60 दर्शनार्थी हैं जिसमें राँची से 13 दर्शनार्थी हैं। जत्था बनारस होते हुए 20 जून को धारचुला जाएगा।

जत्था बाबा विश्वनाथ, श्री आदि कैलाश, ओम पर्वत, गौरी कुंड, पार्वती सरोवर, नाभी डांग, गणेश पर्वत, पांडव पर्वत, नीम करौली बाबा, कैची धाम, गोलु देवता, जागेश्वर धाम, नारायण आश्रम, पताल भुवनेश्वर मंदिर, व्यास मुनि गुफा, काली मंदिर दर्शन कर 27 जून को राँची वापसी करेगा। जत्थे का नेतृत्व करनेवाले कैलाशी अरविन्द सिंह कौशल के साथ राँची शहर के प्रसिद्ध ज्योतिष आचार्य आर के तिवारी जी, अतुल कुमार, अशोक कुमार सिंह, रेणु सिंह, आर्यन आनंन्द, अलका तिवारी, ऋत्विक परितोष, जयश्री कुमारी, डॉ. आदिती कुमारी, पुष्पलता कुमारी, संतोष गुप्ता, पवन कुमार सहित 13 शिव भक्त रांची से शामिल हैं।

जीवन को सार्थक और प्रभावी बनाती है आध्यात्मिकता

रांची में विश्व आध्यात्मिक महोत्सव में हुआ संतों-बुद्धिजीवियों का जुटान, आंतरिक शांति को बताया विश्व शांति का आधार

संवाददाता

रांची : रांची के मेकॉन कम्युनिटी हॉल श्यामली डोरंडा में विश्व आध्यात्मिक महोत्सव 'आध्यात्मिकता से विश्व शांति की ओर' का आयोजन हुआ। हार्टफुलनेस (सहज मार्ग), मेकॉन लिमिटेड एवं रोटरी क्लब रांची के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित महोत्सव में विश्व शांति की परिकल्पना को साकार करने के लिए आंतरिक शांति प्राप्त करने पर चर्चा हुई। मुख्य अतिथि सरला बिरला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. गोपाल पाठक और रामकृष्ण मिशन के स्वामी शशांकानंद, विशिष्ट अतिथि आईआईएम रांची के निदेशक प्रो. डॉ. दीपक श्रीवास्तव ने महोत्सव का उद्घाटन किया। महोत्सव में विभिन्न धर्मों के संतों, महात्माओं व बुद्धिजीवियों ने शिक्षा और आध्यात्मिकता को एक साथ जोड़ने पर बल दिया। कहा कि 'बड़ा' शब्द बड़प्पन से आता है न कि धन और बुद्धि से। अपने व्यवहार से किसी को पीड़ा न पहुंचायें। अमीर-गरीब, बुद्धिमान-मूर्ख; सभी का आत्मसम्मान एक है। जहां भौतिक विज्ञान समाप्त होता है, वहां से आध्यात्मिकता की शुरूआत होती है। धन को प्राथमिकता देने से बचें। बिना भेद-भाव के सबके अंदर ईश्वर को देखें। ईश्वर प्राप्ति ही मानव जीवन का उद्देश्य होना चाहिए। ईश्वर हमारे हृदय में होते हैं और हम उन्हें कहीं और ढूंढते रहते हैं। वक्ताओं ने कहा कि समस्याएं हमेशा रहेंगी और इसका स्वरूप भी बदलता रहेगा। हमें

स्वयं को बदलने का प्रयत्न करना चाहिए। हम शक्ति, खुशी और अधिकार की प्रतिस्पर्द्धा के कारण अवसाद से घिरते जाते हैं। इसलिए जीवन को अनुशासित बनायें। ध्यान से आत्मिक गुणों को निखारें। भूत और भविष्य में न रह कर वर्तमान में जीना सीखें। अपने कार्यों को सेवा समझें। ग्रॉस हैप्पीनेस इंडेक्स को बढ़ाने के लिए योग, अध्यात्म, पुस्तकालय, प्रकृति से जुड़ने का प्रयत्न करें। किसी भी कार्य को समन्वय और समर्पण के साथ पूरा करें। संतों ने वर्तमान की अस्थिरता, अनिश्चितता, जटिलता, अस्पष्टता के समय में दैनिक जीवन को सार्थक और प्रभावी ढंग से जीने के लिए आंतरिक शांति एवं आध्यात्मिकता का उपयोग करने का परामर्श दिया। महोत्सव का समापन शांति, सद्भाव और कृतज्ञता को समर्पित गीत, संगीत और नृत्य के साथ हुआ।

पैनल डिस्कशन में शामिल हुए संत और बुद्धिजीवी

महोत्सव के विभिन्न सत्र के पैनल डिस्कशन में विभिन्न धर्मों के संत, महात्मा एवं बुद्धिजीवी शामिल हुए। इनमें योगदा सत्संग के स्वामी निश्चलानंद, पतंजलि महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष सुधा झा, चिन्मय मिशन के वेद प्रकाश बागला, ब्रह्मकुमारी संस्था की इंदु जी, इस्कोन रांची के राकेश कुमार, इस्लाम धर्म की जान कर डॉ. शादमा शाहिन, प्रो. डॉ. शाहिद हसन, सिख धर्म के जानकार मेजर जीएस सलूजा, ईसाई धर्म के आर्क विशप फादर विंसेंट आइंद, आर्ट ऑफ लिविंग के राकेश ब्रह्मर, जैन दर्शन के अंकित जैन, सहज मार्ग के वी श्रीनिवासन, हार्टफुलनेस के मनोज तिवारी, सुनंदा चौहान ने ज्ञान, सद्भाव और भाईचारे का संदेश दिया। धन्यवाद ज्ञापन मुकेश तनेजा ने किया।

संक्षिप्त

दो अलग-अलग सड़क हादसों में 01 की मौत, 08 घायल

गिरिडीह : जिले के गांवा-तिसरी थाना इलाके में मंगलवार को दो अलग-अलग सड़क हादसों में एक मौत हो गयी जबकि आठ घायल हो गये। बताया गया कि गांवा थाना इलाके के सतगांवा के मलहत में सवारियों से भरा यात्री वाहन पलट गया, जिसमें एक यात्री की मौत हो गई। मरने वाले की शिनाख्त नहीं हो पायी है। दूसरी ओर, तिसरी थाना इलाके तिसरी मंडरो के खिजुरी मोड में मंगलवार को एक सड़क हादसे में आठ लोग घायल हो गए। घायलों में दो बच्चे भी हैं। जानकारी के अनुसार तिसरी के सिंधो के धोवापाट निवासी दिलीप यादव परिवार के साथ झारखंड धाम से पूजा कर लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी वैगन-आर गाड़ी का संतुलन बिगड़ गया और वाहन एक खड़ी गाड़ी से टकरा गया। इसमें दिलीप यादव, फूलमती देवी, अभिषेक यादव, बुधन यादव और शीला देवी चोटिल हुए। स्थानीय लोगों ने घायलों को अस्पताल भिजवाया।

जिला उग्रवादी अनुकम्पा समिति की बैठक सम्पन्न

लातेहार : समाहरणालय सभागार में उपायुक्त गरिमा सिंह की अध्यक्षता में जिला उग्रवादी अनुकंपा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति द्वारा उग्रवादी हिंसा के आश्रितों के अभ्यावेदनों की विस्तार से समीक्षा की गई। समिति द्वारा कुल 05 अभ्यावेदनों की समीक्षा की। समिति द्वारा उग्रवादी हिंसा से संबंधित अभ्यावेदनों पर विचार विमर्श के बाद समिति ने 5 में से 3 अभ्यावेदनों की अनुशंसा की बैठक में पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन, डीएफओ रोशन कुमार, निदेशक आईटीडीए प्रवीण कुमार गगराई, उप विकास आयुक्त सुरजीत कुमार सिंह, अपर समाहर्ता रामा रविदास, समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

ग्रीन कार्ड बनाने के लिए 21 जून से विशेष शिविर का होगा आयोजन

लातेहार : जिले के ग्रीन कार्डधारियों के ग्रीन कार्ड बनाने के लिए आगामी 21 जून से विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा।जिले के सभी 115 पंचायत में बीएसओ की अध्यक्षता में शिविर लगाकर ग्रीन कार्ड बनाया जाएगा। उक्त आशय की जानकारी जिला खाद आपूर्ति पदाधिकारी रश्मि लकड़ा ने दी। उन्होंने बताया कि हर पंचायत में शिविर लगाने के लिए अलग-अलग तिथि जल्दी ही निर्धारित की जायेगी।

आज मनाया जायेगा विश्व सिकल सेल एनीमिया दिवस

गुमला: आज विश्व सिकल सेल अनीमिया दिवस है। इस अवसर पर पूरे गुमला जिला में वृहद रूप से सिकल सेल एनीमिया के प्रति जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत विद्यालयों में शिक्षकों एवं छात्रों को उक्त बीमारी के संबंध में जागरूक किया जायगा।
सभी बच्चों एवं शिक्षकों का सिकल सेल एनीमिया का निः शुल्क जांच किया जाएगा। इसके लिए सभी कस्तूरबागांधी एवं आवासीय विद्यालयों में सभी छात्राओं एवं छात्रों का सिकल सेल एनीमिया की जांच करने की तैयारी की जा रही है। उक्त जानकारी स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी (एसीएमओ) डॉ. प्रमोद कुमार सिन्हा के द्वारा दी गई। ज्ञात हो की सिकल सेल एनीमिया एक अनुवांशिक बीमारी है जिसमें फ्इउ हसिया के आकार का हो जाता है।यह फ्इउ जल्दी टूट जाता है और व्यक्ति खून की कमी से ग्रसित हो जाता है। सिकल सेल एनीमिया से ग्रसित मरीजों को खून की कमी ,कमजोरी,थकान होना,कमर एवं जोड़ों में दर्द होसकता है।गंभीर रूप से ग्रसित व्यक्ति को बार बार खून चढ़ाना पड़ता है।गुमला जिला में 0-40 वर्ष के सभी लोगों का खून जाँच किया जा रहा है ।यह कार्यक्रम 1 नवंबर 2022 से शुरू किया जा चुका है।जाँच के बाद लोगों को विवाह पूर्व काउंसलिंग की जा रही है जिससे की विवाह के उपरान्त उनके बच्चों को बीमारी से बचाया जा सके और जिला में सिकल सेल एनीमिया के प्रसार को रोका जा सके।

शब्दों में विष घोलना अच्छे समाज के लिए घातक : उपायुक्त

संवाददाता

मेदिनीनगर : इंटरनेशनल डे फॉर कॉउंटरिंग हेट स्पीच के अवसर पर मंगलवार को सूचना भवन के सभागार में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।जिले के उपायुक्त शशि रंजन,जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ असीम कुमार व जिले के कई वरिष्ठ पत्रकारों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यशाला का उद्घाटन किया।
इस अवसर पर बोलते हुए उपायुक्त श्री रंजन ने इतने अच्छे व गंभीर विषय पर कार्यशाला का आयोजन करने को लेकर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी को साधुवाद दिया।उन्होंने कहा कि यह विषय इतना महत्वपूर्ण है कि इस विषय के बारे में बच्चों को अवगत कराना बेहद आवश्यक है।

अगर हम बच्चों को छोटे उम्र से ही हेट स्पीच के बारे में बतायेंगे तो बड़े होकर वे इस विषय से दूर रहेंगें। उन्होंने कहा कि घृणास्पद भाषण लोकतंत्र के सिद्धांत को खतरे में डालते हैं, जो लोकतांत्रिक देश में सामाजिक व्यवस्था को कमजोर करता है। उन्होंने कहा कि घृणा और पूर्वाग्रह कभी-कभी व्यक्तियों या समूहों के 'धर्म, जाति, रंग और जातीय मूल' या 'विकलांगता और बुढ़ापे' के आधार पर उत्पन्न हो सकते हैं और दैनिक जीवन में हिंसा के विभिन्न रूपों में बदल सकते हैं जो कहीं से उचित नहीं है।
उन्होंने कहा कि हेट स्पीच विभिन्न माध्यमों से फैलता है या यूं कहे फैलाया जाता है और इसके रोकना हम सबकी सामूहिक जिम्मेवारी है। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान के मुताबिक भी हम किसी के प्रति हेट स्पीच नहीं दे सकते हैं जिसका अनुश्रवण हम सबको करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शब्दों में विष घोलना अच्छे समाज के लिये घातक है।उन्होंने सभी पत्रकारों से कहा कि आप सभी लोकतंत्र के चौथे स्तंभ हैं ऐसे में हेट स्पीच को खत्म करने में आप सब की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने सभी से अपने-अपने स्तर से हेट स्पीच का प्रतिकार करने पर बल दिया।
इसके पूर्व सभागार में आये विभिन्न संस्थानों के पत्रकारों को जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ असीम कुमार ने आज के विषय पर प्रकाश डालते हुये इंटरनेशनल डे फॉर कॉउंटरिंग हेट स्पीच का इतिहास,कहाँ से यह विषय की उत्पत्ति हुई,आज के दौर में इसकी क्या महत्ता है व भविष्य में यह कितना महत्वपूर्ण विषय है।

ग्रीष्मावकाश की छुट्टी समाप्त होने के बाद पहले दिन छात्र - छात्राओं की उपस्थिति रही कम

संवाददाता

लातेहार : सदर प्रखंड के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में ग्रीष्मावकाश की छुट्टी समाप्त होने के बाद पहले दिन विभिन्न विद्यालयों में छात्र - छात्राओं की उपस्थिति बहुत ही कम रही। लातेहार में पड़ रही भीषण गर्मी में लोग जहां त्राहिमाम कर रहे है। वही दूसरी ओर छोटे विद्यार्थियो को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बता दे कि कुछ दिन पूर्व विद्यालयों में सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक का समय सारिणी लागू किया गया था। हालांकि जिले मे पड़ रहीं इस भीषण गर्मी को देखते हुए विभाग द्वारा विद्यालय का समय सारणी में दोबारा बदलाव कर 7 बजे से 11: 30 बजे तक कर दिया गया है। गर्मी की छुट्टी समाप्त होने के बाद सदर प्रखंड के तीन विद्यालयों का पड़ताल किया गया। जिसमें बच्चों के नामांकन और उपस्थिति में काफी अंतर पाया गया। उत्क्रमित प्राथमिक राजकीय विद्यालय जामुनटोला (इचाक) में कक्षा नर्सरी से कक्षा पांच तक नामांकित छात्र छात्राओं की संख्या 37 है।

मादक द्रव्यों के दुरुपयोग को रोकने के लिए जिला स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

गुमला : जिला शिक्षा पदाधिकारी सह जिला शिक्षा अधीक्षक नूर आलम खां की अध्यक्षता में आज एस एस प्लस टू बालक उच्च विद्यालय गुमला के सभागार में मादक द्रव्यों के दुरुपयोग को रोकने हेतु जिला स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । अतिथियों द्वारा सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलन के उपरांत राज्य स्तर से प्राप्त दिशा निर्देश अनुरूप संचालित इस कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी के द्वारा अपील की गई कि नशा एक ऐसी समस्या है जिसकी चपेट में किशोर अवस्था में सबसे ज्यादा स्कूली बच्चों के आने की संभावना होती है । उनके द्वारा कहा गया कि विद्यालय के शिक्षकों के समन्वय में कक्षा 9 से 12 के छात्रों पर विशेष नजर रखने तथा उनकी काउंसिलिंग करने की जरूरत है ।

व्यापम घोटाला से भी बड़ा घोटाला है नीट परीक्षा : रूचिर तिवारी

गरीब व मिडिल क्लास के बच्चों के भविष्य अंधकार में : भाकपा

संवाददाता

मेदिनीनगर : भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव सह राष्ट्रीय परिषद सदस्य ने नीट पेपर लीक मामले को व्यापम से भी बड़ा घोटाला बताया है । उन्होंने कहा कि आज से 10 वर्ष पहले मध्य प्रदेश में व्यापम घोटाला बहुत बड़ा घोटाला हुआ था जिसके मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान थे और भाजपा के राज पाठ में ही या बड़ा घोटाला हुआ उसके बाद भाजपा की सरकार चली गई और आज मोदी के राज पाठ में नीट के बच्चों के परीक्षा देने की पात्रता परीक्षा नीट में पूरे देश स्तर में बहुत बड़ा घोटाला हुआ जिससे यह साबित हो गया कि 59 बच्चों ने 720 में 720

नंबर लाया लेकिन अभी तक मोदी सरकार एवं देश के शिक्षा मंत्री इस विषय पर चुप्पी सादे हुए हैं कुछ बोल नहीं रहे हैं माननीय सुप्रीम कोर्ट में केस दर्ज हुआ है लेकिन उस पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है ऐसी स्थिति में बच्चों का भविष्य अंधकार में चला गया और देश के 28 लाख से अधिक निट प्रतियोगिता देने वाले छात्रों के समक्ष बेबसी एवं लाचारी नजर आ रही है कितने छात्रों ने आत्महत्या कर लिया लेकिन इसका कोई निदान अभी तक सरकार ने नहीं निकला जो बहुत गंभीर विषय है आए दिन नीट के एग्जाम में भारी गड़बड़ी सुनने को मिलता है लेकिन यह इस वर्ष का सबसे बड़ा गड़बड़ी है जिसमें अरबों रुपया का पैसा का खेल हुआ है और इस पैसा से पेपर को बेचा गया जिससे यह साफ साबित हो रहा है कि गरीब मिडिल क्लास के बच्चे डॉक्टर की पढ़ाई नहीं कर पाएंगे। ऐसी स्थिति में अभी भी माननीय सुप्रीम कोर्ट पर ही आम जनता की विश्वास बनी हुई है।

बालिका उच्च विद्यालय में अज्ञात चोरों ने ताला तोड़ कर चोरी की घटना को दिया अंजाम

संवाददाता

विष्णुगढ़ : विष्णुगढ़ के बाजारटांड़ स्थित परियोजना बालिका उच्च विद्यालय में बीती सोमवार की रात अज्ञात चोरों के द्वारा कार्यालय का ताला तोड़कर बेखौफ चोरी की घटना को अंजाम दिया। बताया गया कि गर्मी की छुट्टी के बाद 18 जून 2024 को जब विद्यालय खुला तो प्रातः करीब 06 बजकर 45 मिनट में विद्यालय के प्राचार्य समेत अन्य सहयोगी शिक्षक विद्यालय पहुंचे तो पाया कि कार्यालय के दोनों दरवाजों के ताले गायब थे। कार्यालय के अंदर दाखिल होने पर पाया कि सभी अलमारी खुले थे साथ ही बैट्री-इनवर्टर सेट, साउंड बॉक्स, माइक, सीसीटीवी कैमरा, मॉनिटर समेत पूरे सेटअप, दीवाल घड़ी, वाल फैन, विद्यालय के आवश्यक कागजात, रजिस्टर, वाउचर इत्यादि समेत सामानों की चोरी कर ली गई। उपरोक्त घटना की जानकारी विद्यालय के प्राचार्य सुनील कुमार ने स्थानीय पुलिस प्रशासन को दी। घटना की सूचना पाकर ए०एस०आई० सगेंन मुर्मू अपने दल बल के साथ परियोजना बालिका उच्च विद्यालय पहुँचे और मामले की छानबीन की। विद्यालय प्राचार्य ने थाने में इस संबंध में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए कहा कि इस कुकृत्य में शामिल लोगों को कानून के अनुसार सजा जरूर मिलनी चाहिए।

महिला पर्यवेक्षिकाओं का विदाई सह स्वागत सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

संवाददाता

विष्णुगढ़ : विष्णुगढ़ प्रखंड सह अंचल कार्यालय के सभागार में विष्णुगढ़ प्रखंड विकास पदाधिकारी सह बा०वि०परि०पदा० अखिलेश कुमार की उपस्थिति में मंगलवार को समाज कल्याण के अंतर्गत कार्यरत चार आँगनबाड़ी पर्यवेक्षिकाओं तथा नवागंतुक तीन महिला पर्यवेक्षिकाओं का विदाई सह स्वागत सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस भावुक एवं हर्ष के दोहरे माहौल में आंगनबाड़ी सेविकाओं ने पूर्व में कार्यरत महिला पर्यवेक्षिकाओं एवं नए महिला पर्यवेक्षिकाओं को पुष्पगुच्छ एवं उपहार देकर विदाई एवं स्वागत किया।
इस मौके पर बीडीओ अखिलेश कुमार ने कहा कि बीते कुछ महीनों में इन चार महिला पर्यवेक्षिकाओं के साथ कार्य का अच्छा अनुभव रहा। महिला पर्यवेक्षिका शाश्वती घोषाल, अनुसुइया कुमारी, वीणा देवी एवम प्रीति प्रसाद ने पिछले उन्नीस वर्षों से काफी लगन एवं मेहनत से सारे काम को बखूबी अंजाम दिया है। साथ ही नवागंतुक महिला पर्यवेक्षिकाओं पुष्पांजलि देवी, मनीषा गुप्ता एवम सुनीता रानी का विष्णुगढ़ में स्वागत करते हुए कहा कि जिस तरह से पूर्व में महिला पर्यवेक्षिकाओं ने कार्य किया उसी तरह से कार्य की अपेक्षा करूंगा । इस मौके पर मुख्य रूप से सहायक महेश प्रसाद, कम्प्यूटर सहायक अभिषेक कुमार समेत सैंकड़ों की संख्या में आंगनबाड़ी सेविकाएँ मौजूद रही।

मृतक के परिजनों से मिलने पहुंचे पूर्व विधायक, दिया आर्थिक सहयोग

संवाददाता

चौपारण : चोरदाहा पंचायत के सूदूरवर्ती सिलोदर पहुँचे पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव। सिलोधर निवासी डब्लू कुमार पिता नरेश भुईंया के असामायिक निधन की खबर सुनकर पीड़ित परिजन से मिलने पहुँचे।। मालूम हो कि डब्लू कुमार मुम्बई में ट्रेन यात्रा के दौरान अचानक तबियत बिगड़ा और मौत हो गया। घटना के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हुए पूर्व विधायक ने आश्रितों को आर्थिक सहयोग दिया । सिलोदर के ही पचू भुईँया के असामायिक निधन की खबर सुनकर पीड़ित परिवार से मिलकर पूर्व विधायक ने शोक संवेदना प्रकट किया और आर्थिक सहयोग देकर हर सभव मदद का भरोसा दिया। मौके पर जीप सदस्य राकेश रंजन, पूर्व मुखिया संघ अध्यक्ष सुखदेव पासवान, समाजसेवी गोपाल यादव, बंशी यादव, परमेश्वर यादव, महेंद्र यादव, कृष्णा पासवान, सुकर भुईँया, प्रभु यादव, राजकुमार यादव सहित अन्य।

मादक पदार्थों के विरुद्ध 19 से चलेगा व्यापक जागरूकता अभियान

संवाददाता

लोहरदगा : मादक पदार्थों के दुरूपयोग को समाप्त करने के लिए लोहरदगा जिला में लोगों के जागरूकता अभियान 19 जून से 26 जून तक चलाया जाएगा। इस अभियान को लेकर उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला परिषद सभागार में बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न विभागों के पदाधिकारी,प्रतिनिधि शामिल हुए, जिन्हें अभियान के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन की जिम्मेवारी दी गयी। बुधवार को समाहरणालय परिसर

लोहरदगा से सभी प्रखण्डों में नशीले व मादक पदार्थों के दुरूपयोग को रोकने के लिए एक जागरूकता रथ को प्रखण्डों के लिए रवाना किया जाएगा जो 26 जून तक चलेगा। समाज कल्याण विभाग की ओर से पंचायतों गोष्ठी, चौपाल के जरिये लोगों को जागरूक किया जाएगा। नगर भवन, लोहरदगा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न शिक्षण संस्थानों में प्रतियोगिता, क्विज, शपथ आदि का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। 26 जून को रन फॉर ड्रग फ्री झारखण्ड थीम पर मैराथन दौड़ का आयोजन किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग को सभी उप स्वास्थ्य केंद्र में जागरूकता कार्यक्रम करने का निदेश दिया गया। खेल पदाधिकारी को पर्यटन स्थलों में नशीले पदार्थों के सेवन के विरूद्ध जागरूकता कार्यक्रम किये जाने का निर्देश दिया गया। इसी प्रकार नगर प्रशासक को भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जाने का निर्देश दिया गया।

पलामू में सभी स्कूल 6:45 बजे से 11:30 बजे तक होंगे संचालित

संवाददाता

पलामू। सरकारी और प्राइवेट स्कूलों की टाइमिंग कल यानी 19 जून से बदल जाएगी। इसका आदेश 18 जून को पलामू जिला शिक्षा पदाधिकारी दुगानंद झा ने 18 जून को जारी कर दिया। फिलहाल यह पलामू जिले में प्रभावी होगा। जारी आदेश में कहा गया है कि पलामू उपायुक्त के मौखिक आदेश पर अत्याधिक गर्मी पड़ने एवं लू को ध्यान में रखते हुए जिले में संचालित सभी कोटि के सरकारी, गैर-सरकारी सहायता प्राप्त / गैर सहायता प्राप्त (अल्पसंख्यक सहित) एवं सभी निजी विद्यालयों में कक्षा-केजी से कक्षा-12 तक की कक्षाएं प्रातः कालीन 6:45 बजे से 11:30 बजे तक संचालित की जायेगी।
इस अवधि में प्रार्थना सभा या खेलकूद एवं अन्य गतिविधियों धूप में संचालित नहीं की जाएगी। हालांकि मध्याह्न भोजन का संचालन जारी रहेगा। यह आदेश 19 जून से 24 जून, 2024 तक लागू रहेगा।

शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने का लेना होगा संकल्प : रिया सिंह

संवाददाता

झुमरी तिलैया : 'ग्रीन तिलैया क्लीन तिलैया' व शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के साथ साथ जाम की समस्या से निदान के लिए यत्र तत्र वाहनों को नहीं खड़ा करने का संकल्प लेना होगा। तभी समस्या से निजात मिल पाएगी। उक्त बातें एसडीओ रिया सिंह ने विशेष बातचीत में कही। उन्होंने कहा की प्रशासन की प्राथमिकता है की, लोगों को मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिल सके ।इसके लिए नगर परिषद, पुलिस प्रशासन के सहयोग से जाम और अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाएगा। एसडीओ ने बताया की डी सी के मार्गदर्शन के बाद शहर के व्यवसायियों और सामाजिक संगठनों के साथ बैठक कर सुझाव लिए जाएंगे। उन्होंने कहा की शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए आने वाले दिनों में जागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे। आगे कहा की शहर के मुख्य मार्ग स्टेशन रोड़, झंडा चौक तथा ब्लॉक रोड़ के मुहाने तक रोड़ के दोनो साइड ठेले एवं फुटपाथ पर बैठने वाले लोगों से अपील की की वे सब्जी बाजार एवं प्रशासन द्वारा चिन्हित स्थानों पर हीं दुकान लगाएं ताकि आवागमन में लोगों को असुविधा ना हो। बताते चलें की इन दिनों चिलचिलाती धूप की वजह से लोग दिन भर अपने दैनिक कार्यों को देर शाम के बाद हीं निपटा रहे हैं। इस वजह से संध्या 5:30 के बाद से

पूर्णिमा टॉकीज से झंडा चौक और झण्डा चौक से ओवर ब्रिज तक घंटों जाम की स्थिति उत्तपन्न हो जा रही है। वहीं दूसरी ओर इस सम्बंध में झुमरी तिलैया नगर प्रशासन ने हर्षवर्धन ने बताया की पुलिस अधीक्षक के सहयोग से और डीएसपी के नेतृत्व में शहर में अतिक्रमण हटाओ अभियान 1,2 दिनों में शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया की ओवर ब्रिज के नीचे पार्किंग की व्यवस्था की गयी है। जहां पर लोग अपने वाहन को खड़ा कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा की गांधी स्कूल के समीप, गौशाला रोड स्थित गोवर्धन तालाब एवं ब्लॉक के समीप चिल्ड्रन पार्क के पास लगभग 2 करोड़ के लागत से अलग अलग वेंडिंग जोन बनाया जाएगा।
इसकी स्वीकृति नगर विकास विभाग से मिल चुकी है। और डीपीआर बनाया जा रहा है। वहीं उन्होंने यह भी कहा की सरकारी बस स्टैंड में सब्जी और फल वाले को सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। जहां पर बैठ कर सामग्रियों की बिक्री वो कर सकते हैं। यहां बोरिंग कराई गई है और पानी के साथ साथ शौचालय एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएगी। वहीं दूसरी ओर रेलवे बाईपास के रास्ते फोर लेन बनाने का कार्य किया जा रहा है। ऐसे में रेलवे के द्वारा ओवरब्रिज के समीप रेलवे का गटर लगाने का कार्य कल पूरा कर लिया गया, एक और गटर लगाया जाएगा। गटर लगाने के समय ट्रेनों का परिचालन पर ब्रेक लगा दिया जा रहा है। और लगभग 1 से 2 घंटे तक कोडरमा गया रेलखंड पर ट्रेनों का परिचालन पर भी ब्लाक लिया जाता है।

पत्नी की पीट-पीटकर हत्या, फिर खुद कर ली आत्महत्या

- बेटे ने कहा- मां चिल्ला-चिल्लाकर मांगती रही मदद पर पापा नहीं माने
- तीन दिन पहले ही हल्दिया से छुट्टी पर घर आया था संदीप

संवाददाता

बोकारो । शहर के सेक्टर-8सी में सीआईएसएफ (केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल) के एक जवान संजीत उर्फ संदीप मंडल (42) ने अपनी पत्नी विनीता देवी (36) की हत्या करने के बाद खुद फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। आवास संख्या 2368 निवासी सीआईएसएफ जवान संजीत सोमवार को पत्नी की हत्या करने के बाद फरार हो गया था। इसके बाद मंगलवार सुबह उसका शव सेक्टर-11 स्थित एक स्कूल के मैदान में पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटकता मिला। सीआईएसएफ जवान मूल रूप से पश्चिम बंगाल के पुरुलिया स्थित उरमा गांव का रहने वाला है। वह पश्चिम बंगाल के हल्दिया स्थित एचडीसी कंपनी कार्यरत था। वह तीन दिन पहले छुट्टी पर आया था और दो दिन पहले अपने घर पुरुलिया गया था। वह पुरुलिया से 17 जून की सुबह लौटा था।

सेक्टर-8सी आवास संख्या 2037 निवासी सीआईएसएफ जवान संजीत सोमवार को पत्नी की हत्या करने के बाद फरार हो गया था। इसके बाद मंगलवार सुबह उसका शव सेक्टर-11 स्थित एक स्कूल के मैदान में पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटकता मिला। सीआईएसएफ जवान मूल रूप से पश्चिम बंगाल के पुरुलिया स्थित उरमा गांव का रहने वाला है। वह पश्चिम बंगाल के हल्दिया स्थित एचडीसी कंपनी कार्यरत था। वह तीन दिन पहले छुट्टी पर आया था और दो दिन पहले अपने घर पुरुलिया गया था। वह पुरुलिया से 17 जून की सुबह लौटा था।

पिता के आने से पहले बेटी की हो चुकी थी मौत

सेक्टर-8 में ही रहने वाले मृतका विनीता के पिता सुदाम मंडल और मां काजल देवी ने बताया कि उन्होंने 2008 में बेटी की शादी की थी, कोई कलह नहीं था। शाम पांच बजे उन्हें बेटी ने फोन कर बताया कि उसे पति मारपीट कर रहे हैं, जल्दी से आइए। यह सुनते ही वे अपने पुत्र के साथ उसके घर पहुंचे, तो वहां पुत्री को मृत पाया। फिर भी उसे उठाकर बीजीएच पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत बताया। पुत्री के गले में नीला निशान उभर आया था, जिससे प्रतीत हो रहा था कि पुत्री की गला दबाकर हत्या की गई है। बीजीएच में तुरंत दामाद की खोजबीन करने लगे तो वह लापता थे। दूसरे दिन मंगलवार को सुबह 6 बजे पता चला कि दामाद ने भी फांसी लगा ली थी। पहचान के लिए उन्हें हरला पुलिस ने फोन कर बुलाया था। पहचान होने के बाद पुलिस दामाद के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दी।

और मूल रूप से चास प्रखंड के काशीझरिया निवासी मृतका के पिता सुदाम मंडल ने इस संबंध में सेक्टर-4 थाने में अपना बयान दर्ज कराया है। हरला थाना प्रभारी अनिल कच्छप ने इस मामले में बताया कि 17 जून की शाम पांच बजे के बाद सूचना मिली कि एक सीआईएसएफ जवान ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और पड़ताल शुरू की और सीआईएसएफ जवान की तलाश में थी, लेकिन मंगलवार को उसका शव सेक्टर-11डी में फंदे से लटका मिला। थाना प्रभारी ने कहा कि मामला अवैध संबंध का भी हो सकता है, पुलिस हर बिंदु पर जांच कर रही है।

मृतक जवान के बेटा बिट्टू ने बताया कि पिता संजीत मंडल 17 जून की सुबह घर पहुंचे मां के साथ मारपीट करने लगे। उसने बीच-बचाव कर मां को बचाया। इसके बाद वह गुस्से में बाहर निकल गए। फिर कुछ घंटों के बाद दुबारा आवास में लौटे और मां को देखते ही मारपीट करने लगे। उसने फिर से बीच-बचाव को मां को बचाया तो पिताजी फिर घर से बाहर चले गए। शाम करीब 4 बजे के बाद वह दोबारा घर लौटे, तो वह अपने कमरे में सोया हुआ था। पिता आए और उसके कमरे को बाहर से बंद कर दिया और मां के साथ मारपीट करने लगा। मां चिल्ला भी रही थी कि बिट्टू बचाओ, लेकिन वह बाहर नहीं निकल पा रहा था। कुछ देर के बाद मां की आवाज आनी बंद हो गई, तो पिता ने दरवाजा खोला और पूछा कि तुम्हारी मां कहां है। उसने गुस्सा जाहिर किया, तो पिता ने बाथरूम का दरवाजा खोलकर दिखाया कि तुम्हारी मां बाथरूम में है। इसके कुछ देर बाद ही कुछ देर रहने वाले नाना, मामा आदि भागे-भागे आए। मां को जमीन में गिरा देखकर तुरंत सभी ने उठाकर बीजीएच पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पिता संजीत मंडल वहां से भाग गए।

लचर बिजली व्यवस्था के खिलाफ धरना

संवाददाता

बोकारो । चास-बोकारो की लचर बिजली व्यवस्था के खिलाफ मंगलवार को बोकारो विकास फोरम के अध्यक्ष अनिल सिंह की अगुवाई में बोकारो विधायक बिरंची नारायण के घर के सामने धरना दिया गया। लोग अपने चेहरों को काली पन्नी से ढंककर धरना में शामिल हुए। श्री सिंह ने 72 घंटे में बिजली में सुधार न होने पर धरना की चेतावनी दी थी। उन्होंने धरना में कहा कि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय अध्यक्ष अपने पार्टी के मेनिफेस्टो से उसे पाने को फाड़ कर फेंक दें, जिसमें उन्होंने लिखा है कि हम जनता को 24 घंटा बिजली और पानी मुहैया कराएंगे। श्री सिंह ने कहा कि पक्ष और विपक्ष दोनों मिलकर चोर-चोर मौसेरे भाई का खेल खेल रहे हैं और जनता की पिच पर 20-20 मैच खेल रहे हैं। 2014 में भारतीय जनता पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा कांग्रेस पार्टी अपने मेनिफेस्टो में जनता को 24 घंटे बिजली देने का वादा किया, लेकिन 2014 से 2024 तक 10 वर्षों में लगातार 10 घंटा भी बिजली बोकारो विधानसभा क्षेत्र में नहीं रहती है, वहीं सरकार बिजली को खर्च करने के लिए बजट से ज्यादा पैसा खर्च करती है। विपक्ष एक भी सवाल सदन में नहीं पूछता। दोनों मिलकर राज्य की जनता को लूटने का काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अगर राज्य की जनता को 24 घंटा बिजली नहीं मिलती है तो बहुत जल्द राज्य के मुख्यमंत्री से मिलकर 24 घंटे की बिजली की मांग की जाएगी नहीं तो बहुत बड़ा आंदोलन होगा।

दो दिनों से लापता सेवानिवृत्त सीसीएलकर्मी का मिला शव

बोकारो थर्मल । बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र अंतर्गत सीसीएल गोविंदपुर परियोजना के अवकाश प्राप्त कर्मी तथा गोविंदपुर बस्ती निवासी 60 वर्षीय धनेश्वर महतो का शव एक कुआं से बरामद किया गया। सीसीएल के अवकाश प्राप्त कर्मी विगत दो दिनों से लापता थे और सोमवार से ही उन्हें परिजन खोज रहे थे। इस संबंध में मृतक धनेश्वर महतो के पुत्र रमेश महतो ने मंगलवार की सुबह साढ़े आठ बजे स्थानीय थाना में लिखित आवेदन दिया था। दिये गये आवेदन में वर्णित था कि धनेश्वर महतो रविवार को अपने एक दोस्त की बेटी का रिश्ता तय करवाने और शाम तक लौट आने की बात कहकर घर से निकले थे। रविवार को उनके नहीं लौटने पर परिजनों को लगा कि सोमवार की सुबह लौट आएंगे। सोमवार को भी नहीं लौटने पर परिजनों को चिंता हुई तो मंगलवार की सुबह थाना को लिखित सूचना दी।

दो भैंसों की मौत के बाद हंगामे के दूसरे दिन भी तनाव बरकरार

छावनी में तब्दील रहा भर्रा बस्ती का इलाका, बदमाशों ने दूध विक्रेताओं से की मारपीट, नदी में फेंक दी स्कूटी

संवाददाता

बोकारो । शहर की भर्रा बस्ती में बिजली का करंट लगने से दो भैंसों की मौत के बाद हुए बवाल के दूसरे दिन मंगलवार को भर्रा बस्ती और विकास नगर का पूरा इलाका छावनी में तब्दील रहा। घटनास्थल पर दंडाधिकारी के निर्देश पर पुलिस कैंप कर रही है।

24 घंटे के बाद भी यहां स्थिति सामान्य नहीं हुई है। सेक्टर-1 विकास नगर और भर्रा के बीच स्थित गरगा नदी पुल का रास्ता पुलिस ने पूरी तरह से ब्लॉक कर दिया है। हालांकि, सुबह आवाजाही हो रही थी, लेकिन मंगलवार सुबह विकास नगर के तीन युवक दूध पहुंचाने गए, तो उनके साथ मारपीट की गई। इसके बाद पुलिस ने गरगा नदी के दोनों छोर का रास्ता बंद कर दिया। पुलिस कर्मियों ने बताया कि अगले आदेश तक यह रास्ता बंद रहेगा। ज्ञात हो कि बिजली करंट से खटाल के दो भैंस की मौत हो गई थी। इसके बाद दो समुदाय के लोगों के बीच विवाद हुआ था। विवाद के दौरान विकास नगर व भर्रा बस्ती की ओर से पथराव किया गया, जिसमें सिटी डीएसपी, चास सीओ व अन्य पुलिस कर्मी के अलावा कई आम लोग भी घायल हो गए थे। देर शाम पुलिस की ओर से लाठी चार्ज किया गया, आंसू गैस के गोले दागे गए, तब जाकर मामला शांत हुआ। हालांकि दोनों पक्षों के बुद्धिजीवी लोग मामले को जल्द से जल्द पूरी तरह से शांत कराने में लगे हुए हैं।

विवाद के दूसरे दिन मंगलवार की सुबह भर्रा बस्ती के ग्राहकों को विकास नगर के सचिन कुमार, विकास कुमार व सोनू कुमार स्कूटी से दूध पहुंचाने गया था। जब दूध पहुंचा कर वे वापस लौट रहे थे, तो भर्रा पुल के पास कुछ लोगों ने रोककर उनके साथ मारपीट करने लगे। इसके बाद वे लोग स्कूटी छोड़कर भाग गए, तो लोगों ने स्कूटी को पुल से नीचे नदी में फेंक दिया। हालांकि कुछ लोगों ने बीच-बचाव किया, जिस कारण तीनों युवकों को भागने का मौका मिल गया। वहीं तैनात पुलिस कर्मियों ने भी मामले को शांत कराया। घटना की सूचना मिलते ही चास व चीराचास पुलिस के अलावा सिटी थाना प्रभारी भी मौके पर पहुंचे।

हालात अब काबू में : सिटी डीएसपी

घटना में चोटिल सिटी डीएसपी आलोक रंजन ने कहा कि वह अब ठीक हैं। उन्होंने कहा कि 50 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इसमें दोनों पक्षों के लोग शामिल हैं। कहा कि घटना में शामिल उपद्रवियों की पहचान की जा रही है। जांच के बाद घटना में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हालात फिलहाल पूरी तरह से नियंत्रण में है।

अधिकारियों सहित एक दर्जन से अधिक लोग हुए थे घायल

विदित हो कि सोमवार शाम को विकास नगर व भर्रा बस्ती के दो समुदाय के बीच हुए विवाद व पथराव में दोनों तरफ के एक दर्जन से अधिक लोग घायल हुए थे। इसमें डीएसपी, चास सीओ व पुलिस कर्मी आदि शामिल थे। सभी घायलों का इलाज सदर अस्पताल, बीजीएच व निजी नर्सिंग होम में किया जा रहा है। कई को छुट्टी दे दी गई है। दूसरे दिन मंगलवार को सिटी डीएसपी आलोक रंजन बीजीएच इलाज के लिए पहुंचे थे।

केबल से प्रवाहित हो रही थी बिजली, काटने के दौरान फ्लैशिंग में दो मजदूर झुलसे

- गंभीर अवस्था में बीजीएच रेफर किए गए, बीटीपीएस की घटना

संवाददाता

बोकारो थर्मल। बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी के स्क्रैप वाले 630 मेगावाट वाले पावर प्लांट में केबल काटने का कार्य के दौरान हुए फ्लैशिंग से स्थानीय मुर्गी फार्म एवं बिरसा नगर निवासी दो मजदूर बुरी तरह से झुलस गए। स्थानीय डीवीसी के हॉस्पिटल में उपचार के बाद गंभीरावस्था में घायल दोनों मजदूरों को बीजीएच बोकारो रेफर कर दिया गया है। घटना मंगलवार सुबह लगभग साढ़े आठ बजे की है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि स्क्रैप वाले बी पावर प्लांट की कटिंग का कार्य हैदराबाद की राधा स्मेलटर्स कंपनी को दिया गया है। मंगलवार को भी प्लांट फायर सेक्शन के समीप जीरो मीटर लेवल पर नाला में कंपनी सुपरवाइजर के निर्देश पर गोविंदपुर सी पंचायत अंतर्गत मुर्गी फार्म निवासी स्व अनिल राम का 21 वर्षीय पुत्र नकुल राम और गोविंदपुर डी पंचायत अंतर्गत बिरसा नगर निवासी लखन सिंह का पुत्र रवि सिंह 15 एमवी का केबल काटने गये। दोनों ही मजदूर हेक्सा ब्लेड से मैनुअली बिना कोई सेफ्टी के केबल काटने लगे। केबल काटने के क्रम में जोरों की फ्लैशिंग होने पर दोनों ही मजदूर झुलस गए और नाला में ही गिर पड़े। फ्लैशिंग से नकुल राम का दोनों घुटना से नीचे पैर, चेहरा एवं बायां हाथ तथा दाहिने हाथ का आंशिक हिस्सा बुरी तरह से जल गया, जबकि रवि सिंह का दाहिना हाथ, कंधा और चेहरे का थोड़ा हिस्सा झुलस गया। घटना के बाद आनन-फानन में कार्यस्थल पर मौजूद बाकी कामगारों ने कंपनी की ही एम्बुलेंस से तत्काल दोनों घायलों को डीवीसी हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां डॉ एसके झा सहित अन्य डॉक्टरों एवं नर्सिंग स्टाफ एवं फार्मासिस्ट की टीम ने दोनों घायलों का प्राथमिक उपचार किया। सूचना पाकर घायलों के परिजन, गोविंदपुर सी पंचायत के मुखिया विकास सिंह, आजसू बेरमो प्रखंड अध्यक्ष मंजूर आलम, जलेश्वर महतो, जितेंद्र यादव, मजदूर नेता रंजीत राम, राजेश सिंह, डीवीसी के सेफ्टी ऑफिसर अशोक कुमार चौबे, अभियंता शशिशेखर, कंपनी के सुपरवाइजर राकेश सिंह सहित काफी संख्या में कामगार एवं मजदूर हॉस्पिटल पहुंचे गये। गंभीर रुप से झुलसकर घायल नकुल राम की दादी इंदु देवी एवं मां लखी देवी का रो-रो कर बुरा हाल था। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायलों को बेहतर इलाज के लिए कंपनी के एम्बुलेंस से बीजीएज बोकारो रेफर किया गया।

तेनु डैम में तैरने के दौरान डूबे दो युवक

बोकारो । तेनुघाट/कथारा तेनु डैम फाटक के नीचे डैम के पानी में नहाने के दौरान जारंगडीह असनापानी बेलदार टोला निवासी 17 वर्षीय नवयुवक आजम अंसारी डूब गया। देर शाम तक आजम अंसारी की खोजबीन में खेतको के गोताखोरों की टीम लगी हुई थी, परंतु समाचार लिखे जाने तक उसका कोई अता पता नहीं चला। जानकारी के अनुसार मंगलवार के दोपहर आजम अपने अन्य 8-9 दोस्तों के साथ तेनुघाट स्नान करने गया हुआ था। फाटक के किनारे ऊंचे गार्डवाल से आजम एवं अन्य दोस्तों ने नहाने के लिए पानी में छलांग लगा दी।

14वीं झारखंड राज्य सीनियर तैराकी प्रतियोगिता के लिए चयन शिविर 23 को

संवाददाता

बोकारो । तैराकी के क्षेत्र में खेल प्रतिभा को तलाशने और तराशने के उद्देश्य से झारखंड स्विमिंग एसोसिएशन की ओर से 14वीं झारखंड राज्य सीनियर तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में बोकारो जिले की टीम गठित करने को लेकर आगामी 23 जून को नगर के सेक्टर- 4 स्थित डीपीएस (दिल्ली पब्लिक स्कूल) बोकारो में सेलेक्शन ट्रायल कैंप (चयन शिविर) आयोजित किया जा रहा है। इसमें महिला व पुरुष, दोनों ही वर्गों के खिलाड़ी भाग लेंगे। मंगलवार को इस आशय की जानकारी बोकारो जिला तैराकी संघ के अध्यक्ष -सह - डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने दी। उन्होंने बताया कि विद्यालय के स्विमिंग पूल में अनुभवी प्रशिक्षकों की देखरेख में योग्य प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा। चयन शिविर में ओपन कैटेगरी में बोकारो जिले के किसी भी विद्यालय, महाविद्यालय, क्लब एवं अन्य जगहों के स्वतंत्र प्रतिभागी भी शामिल हो सकते हैं।

29 को जमशेदपुर में होनी है प्रतियोगिता

उन्होंने बताया कि 14वीं झारखंड राज्य सीनियर स्विमिंग प्रतियोगिता 2024 आगामी 29 जून को जमशेदपुर के जेआरडी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स स्विमिंग पूल में होनी है। इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तैराकों को मिलाकर झारखंड की महिला-पुरुष नेशनल टीमें तैयार की जाएंगी, जो भारतीय तैराकी महासंघ के द्वारा आगामी सितंबर माह में आयोजित 77वें ग्लेनमार्क सीनियर नेशनल तैराकी चैंपियनशिप 2024 में हिस्सा लेंगी।

सुबह 6 बजे तक पहुंचना अनिवार्य

डॉ. गंगवार ने बताया कि चयन ट्रायल में शामिल होने को इच्छुक प्रतिभागी 23 जून को प्रातः 6 बजे रिपोर्ट करेंगे। उन्हें अपने पहचान पत्र एवं लोकल एड्रेस प्रूफ के साथ अपना स्विमिंग कॉस्ट्यूम लेकर आना अनिवार्य होगा। स्विमिंग के फ्री स्टाइल, बैक स्ट्रोक, ब्रेस्ट स्ट्रोक, बटरफ्लाई स्ट्रोक, फ्रीस्टाइल रिले और मेडले रिले रेस वर्गों में प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा। चयनित खिलाड़ियों को राज्य स्तर पर होने वाली उक्त तैराकी प्रतियोगिता में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

दो दिन अपने ध्रुपद गायन से समां बांधेंगे पं. अभिराम पाठक

बोकारो के पं. रामबचन पाठक पखावज पर करेंगे संगत

संवाददाता

बोकारो । संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली द्वारा रामगढ़ जिला के रजरप्पा छिन्नमस्तिका मंदिर परिसर में 19-20 जून को आयोजित दो दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव कला प्रवाह - मंदिर उत्सव ऋंखला में बुधवार, 19 जून को झारखंड के रांची के प्रसिद्ध ध्रुपद गायक पं अभिराम पाठक अपने गायन से समां बांधेंगे।

इनके साथ पखावज पर बोकारो के पं राम बचन पाठक उर्फ पं बच्चनजी महाराज, हारमोनियम पर पं श्याम गोस्वामी, तानपूरा पर अनंदिता पाठक व शिवानी कुमारी संगति करेंगी। दो दिवसीय कला प्रवाह कार्यक्रम में झारखंड, मध्यप्रदेश, बिहार व पश्चिम बंगाल के ख्यातिप्राप्त कलाकारों द्वारा गायन व नृत्य के कार्यक्रम प्रस्तुत किए जायेंगे।

विदित हो कि आकाशवाणी व दूरदर्शन के वरिष्ठ कलाकार पं अभिराम पाठक गया घराने से हैं और ध्रुपद व धमार गायन में बहुत प्रतिष्ठित नाम हैं। पं अभिराम पाठक विभिन्न शहरों में अपनी प्रस्तुति दे चुके हैं। इनके साथ पखावज पर संगति करने वाले पं राम वचन पाठक उर्फ पं बच्चनजी महाराज भी ख्याति प्राप्त तबला व पखावज वादक हैं। इस वर्ष अयोध्या में नवनिर्मित श्रीराममंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में संगीत नाटक अकादमी द्वारा आयोजित रामोत्सव संगीत समारोह में भी पं बच्चनजी महाराज ने पखावज वादन प्रस्तुत किया था।

बिजली सप्लाई ठप रहने से कामगारों को परेशानी

बोकारो थर्मल। बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी के स्क्रेप वाले बी पावर प्लांट में कार्यरत कंपनी के मजदूरों द्वारा केबल काटने की घटना के बाद लगभग पौने नौ बजे से 15 एमवी के फीडर वन वाले आवासीय कॉलोनी की बिजली सप्लाई ठप पड़ी हुई है। बिजली की सप्लाई ठप रहने के कारण भीषण गर्मी में कॉलोनीवासियों एवं बाजार के दुकानदारों सहित विभिन्न ऑफिस के कामगारों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पावर प्लांट के कामगारों का कहना था कि डीवीसी के विभागीय अधिकारियों एवं इंजीनियरों की पहल पर कंपनी द्वारा समय से काटे गए केबल की मरम्मत या बदलने का कार्य किया जाता तो अपराह्न चार बजे तक बिजली सप्लाई बहाल हो जाती।

फुसरो के एक और व्यवसायी को मेजर की मिली धमकी

20 लाख न देने पर जान मारने की चेतावनी, सुरक्षा की गुहार

संवाददाता

बोकारो। जिले के फुसरो बाजार स्थित ज्ञान ज्वेलरी में रंगदारी को लेकर गोलीकांड के बाद से लेकर लगातार अन्य आभूषण व्यवसायियों को भी लगातार धमकियां मिल रही है। फुसरो स्थित झरिया ज्वेलर्स के मालिक आदित्य कुमार ठाकुर को भी यूके के नंबर से खुद को मेजर बताने वाले शख्स ने धमकी भरा मैसेज दिया है। आदित्य ने इस बावत बेरमो थाना को पत्र लिखकर सुरक्षा देने की मांग की है। उन्होंने लिखा है कि कुछ दिन पहले दिनांक 21 मई 2024 को मेरे मोबाइल के वाट्सएप पर मोबाइल नंबर +44 7445068263 के धारक द्वारा मैसेज आया। जिसमें लिखा हुआ था हम मेजर बोल रहे हैं। 20 लाख रुपए कैश तुमको देना है, अगर पैसा नहीं दिया तो तेरा खोपड़ी खोल देंगे, मोती अलंकार ज्वेलर्स तो बच गया, लेकिन तुम नहीं बचेगा इसके बाद पुनः 17 जून 24 को समय करीब 17:28 बजे से 17:59 बजे तक उसके मोबाइल पर अज्ञात मोबाइल नंबर +44 7449692426 से धमकी भरा ऑडियो कॉल आया, कॉल रिसीव करने के बाद उक्त मोबाइल धारक के द्वारा बोला गया कि मैं मेजर बोल रहा हूं कब तक पैसा देगा।

लंबित योजनाओं को करें पूरा : बीडीओ

संवाददाता

गोमिया (बोकारो) । गोमिया प्रखण्ड मुख्यालय के सभाकक्ष में बीडीओ महादेव कुमार महतो ने गोमिया प्रखण्ड की पंचायतों में चल रही मनरेगा योजनाओं, अबुआ आवास, प्रधानमंत्री आवास योजना, 15वें वित्त से जुड़ी सभी योजनाओं सहित पूर्व से लंबित अन्य योजनाओं को लेकर मंगलवार को लेकर समीक्षात्मक बैठक की। बैठक में कनीय अभियंता अभय कुमार, मो इकबाल बीपीओ आशीष रंजन सहित पंचायत सचिव व रोजगार सेवक उपस्थित थे।बीडीओ कपिल कुमार महतो ने पूर्व से लंबित योजनाओं को अतिशीघ्र पूरा करने का सख्त निर्देश देते हुए कहा कि हर हाल में निर्धारित समय-सीमा में सभी योजनाओं को पूरा किया जाए। अगर मनरेगा योजनाओं को पूरा करने में किसी तरह समस्या है तो उन्हें अवगत कराया जाए, ताकि समस्या का समाधान कर योजनाओं को पूरा किया जा सके। बैठक में प्रभारी प्रखण्ड पंचायती राज पदाधिकारी गजेंद्र वर्मा, पंचायत सचिव सुदामा तुरी, राजू मल्लाह, राधा कुमारी, प्रीति कुमारी, रोजगार सेवक एकराम शम्सी, पन्नालाल शर्मा, हेमन्त पाल, खुलेश्वर महतो, विष्णु महतो, विशाल डे, छोटेलाल जी, केदार महतो, शिवशंकर, कौशल किशोर, ऑपरेटर शारदानंद सहित अन्य मनरेगाकर्मी उपस्थित थे।

चिन्मय विद्यालय में दो दिवसीय इन हाउस कार्यशाला शुरू

- प्रभावशाली शिक्षा के लिए खुशहाल व उपयोगी कक्षाएं जरूरी : शर्मा

संवाददाता

बोकारो। रचनात्मक तरीके से शैक्षणिक माहौल बनाने तथा बच्चों की प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से स्थानीय चिन्मय विद्यालय में दो दिवसीय इन हाउस कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्राचार्य सूरज शर्मा ने कहा कि, जो बच्चे स्कूल आते हैं, वे अपने दिन का ज्यादातर समय अपनी कक्षाओं में ही बिताते हैं। ऐसे में पढ़ाई और शिक्षा के प्रभावशाली होने के लिए यह महत्वपूर्ण है कि कक्षाएं सुरक्षित, खुशहाल और उपयोगी हों। कई उपाय हैं, जिनकी मदद से शिक्षक कक्षा के माहौल को सकारात्मक बना सकते हैं।

उन्होंने कहा कि, किसी बच्चे को यदि हम शाबाशी देते हैं तो यह शब्द बच्चों में सकारात्मक रचना बनाने में सहायक होता है। छात्र और शिक्षक, अभिभावक और संतान, या फिर कोई भी और रिश्ता हो, प्रगति की हमेशा सराहना करें। छात्र जीवन में लक्ष्य तो निरंतर बदलता रहता है। परंतु जरूरत है कि बच्चों की प्रतिभा को जरूर पहचानें। छात्रों के अच्छे कार्य की सराहना अवश्य करें।

उन्होंने कहा कि जब भी संभव हो, रचनात्मक तरीके से माहौल को बदलने के बारे में सोचें। सामान्यतः हमारी शिक्षा व्यवस्था हर बच्चे को एक ही सांचे में ढालना चाहती है। उद्दंडता का यह भी एक कारण हो सकता है, क्योंकि सब एक ही सांचे में ढल पाएं, ऐसा जरूरी नहीं है।

दूसरे सत्र में डॉ नमिता शर्मा ने सभी शिक्षकों को खुशहाल कक्षा की बारीकियों और महत्व को बताया। हर शिक्षक और हर छात्र अनोखा होता है। उन्होंने कहा कि अच्छे काम को करते रहने के लिए छात्रों को प्रोत्साहन दें।

अभिभावक एवं शिक्षक अधिकतर परिणामों और नतीजों पर ध्यान देते हैं, जो कि महत्वपूर्ण है। लेकिन, साथ ही तरीके या पद्धति को भी समान महत्व देना चाहिए। वहीं, राहुल रॉय ने अपने अनोखे अंदाज में फाइनेंस लिटरेसी पर कार्यशाला का संचालन कर सभी को प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों एवं विद्यार्थियों, दोनों के लिए फाइनेंस की सही जानकारी अवश्य होनी चाहिये। हम सभी के लिए बचत योजनाओं एवं निवेश की आदतों का सही अध्ययन करना चाहिए। उन्होंने म्यूच्यूअल फण्ड, बचत, निवेश, खर्च, इनकम टैक्स रिटर्न्स के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर विद्यालय के सचिव महेश त्रिपाठी, आरएन मल्लिक, उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार के साथ-साथ सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी

डॉ. वंदना सेन

जिन महापुरुषों के मन वीरोचित भाव से भरा होता है, उसका लक्ष्य सामाजिक उत्थान और राष्ट्रीय उत्थान ही होता है। वह एक ऐसे आदर्श चरित्र को जीता है, जो समाज के लिए प्रेरणा बनता है। इसके साथ ही वह अपने पवित्र उद्देश्य की प्राप्ति के लिए सदैव आत्मविश्वासी, कर्तव्य परायण, स्वाभिमानी और धर्मनिष्ठ होता है। ऐसी ही थीं महारानी लक्ष्मीबाई। उनका जन्म काशी में 19 नवंबर 1835 को हुआ। इनके पिता मोरोपंत ताम्बे चिकनाजी अप्पा के आश्रित थे। इनकी माता का नाम भागीरथी बाई था। महारानी के पितामह बलवंत राव के बाजीराव पेशवा की सेना में सेनानायक होने के कारण मोरोपंत पर भी पेशवा की कृपा रहने लगी।

भारत में ऐसे कई महान व्यक्तित्व हुए हैं, जिनका जीवन हमको देश के लिए जीना सिखाता है। उनके हर कदम भारत के वीर भाव को ही प्रदर्शित करते थे। यहां यह बताना भी बहुत जरुरी है कि देश याने क्या? देश केवल भूमि नहीं, बल्कि वहां रहने वाली संतति ही है। इसलिए स्वाभाविक रूप से यही कहा जा सकता है कि देश के महानायकों ने जिस वीरत्व भाव के साथ जीवन जिया, वह देश की संतति को प्रेरणा देने वाला ही है। लेकिन आज सबसे बड़ा सवाल यह है कि हम इन महानायकों को कितना अपने जीवन में उतारते हैं? यथार्थ यही है कि आम जन के लिए जीवन का उत्सर्ग करने वाले इन योद्धाओं को हम लगभग विस्मृत ही कर चुके हैं। आज हमको अपने नायकों को पहचानने की आवश्यकता है। रानी लक्ष्मी बाई उन नायकों की शृंखला में महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं।

वीरांगना नाम सुनते ही हमारे मन मस्तिष्क में रानी लक्ष्मी बाई की छवि उभरने लगती है। भारतीय वसुंधरा को अपने वीरोचित भाव से गौरवान्वित करने वाली झांसी की रानी लक्ष्मीबाई सच्चे अर्थों में वीरांगना ही थीं। वे भारतीय महिलाओं के समक्ष अपने जीवन काल में ही ऐसा आदर्श स्थापित करके विदा हुईं, जिससे हर कोई प्रेरणा ले सकता है। वे वर्तमान में महिला सशक्तिकरण की जीवंत मिसाल भी हैं। कहा जाता है कि सच्चे वीर को कोई भी प्रलोभन अपने कर्तव्य से विमुख नहीं कर सकता। ऐसा ही रानी लक्ष्मीबाई का जीवन था। उसे अपने राज्य और राष्ट्र से एकात्म स्थापित करने वाला प्यार था। वीरांगना के मन में हमेशा यह बात कचोटती रही कि देश के दुश्मन अंग्रेजों को सबक सिखाया जाए। इसी कारण उन्होंने यह घोषणा की कि मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी। इतिहास बताता है कि इस घोषणा के बाद रानी ने अंग्रेजों से युद्ध किया। वीरांगना लक्ष्मीबाई के मन में अंग्रेजों के प्रति किस कदर घृणा थी, वह इस बात से पता चल जाता है कि जब रानी का अंतिम समय आया, तब ग्वालियर की भूमि पर स्थित गंगादास की बड़ी शाला में रानी ने संतों से कहा कि कुछ ऐसा करो कि मेरा शरीर अंग्रेज न छू पाएं। इसके बाद रानी स्वर्ग सिधार गईं और बड़ी शाला में स्थित एक झोपड़ी को चिता का रुप देकर रानी का अंतिम संस्कार कर दिया। और अंग्रेज देखते ही रह गए। हालांकि इससे पूर्व रानी के समर्थन में बड़ी शाला

के संतों ने अंग्रेजों से भीषण युद्ध किया, जिसमें 745 संतों का बलिदान भी हुआ, पूरी तरह सैनिकों की भांति अंग्रेजों से युद्ध करने वाले संतों ने रानी के शरीर की मरते दम तक रक्षा की।

जिन महापुरुषों के मन वीरोचित भाव से भरा होता है, उसका लक्ष्य सामाजिक उत्थान और राष्ट्रीय उत्थान ही होता है। वह एक ऐसे आदर्श चरित्र को जीता है, जो समाज के लिए प्रेरणा बनता है। इसके साथ ही वह अपने पवित्र उद्देश्य की प्राप्ति के लिए सदैव आत्मविश्वासी, कर्तव्य परायण, स्वाभिमानी और धर्मनिष्ठ होता है। ऐसी ही थीं महारानी लक्ष्मीबाई। उनका जन्म काशी में 19 नवंबर 1835 को हुआ। इनके पिता मोरोपंत ताम्बे चिकनाजी अप्पा के आश्रित थे। इनकी माता का नाम भागीरथी बाई था। महारानी के पितामह बलवंत राव के बाजीराव पेशवा की सेना में सेनानायक होने के कारण मोरोपंत पर भी पेशवा की कृपा रहने लगी। लक्ष्मीबाई अपने बाल्यकाल में मनु व मणिकर्णिका के नाम से जानी जाती थीं।

सन् 1850 मात्र 15 वर्ष की आयु में झांसी के महाराजा गंगाधर राव से मणिकर्णिका का विवाह हुआ। एक वर्ष बाद ही उनको पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। लेकिन चार माह पश्चात ही उस बालक का निधन हो गया। राजा गंगाधर राव को तो इतना गहरा धक्का पहुंचा कि वे फिर स्वस्थ न हो सके और 21 नवंबर 1853 को चल बसे। यद्यपि महाराजा का निधन महारानी के लिए असहनीय था, लेकिन फिर भी वे घबराई नहीं, उन्होंने विवेक नहीं खोया। राजा गंगाधर राव ने अपने जीवनकाल में ही अपने परिवार के बालक दामोदर राव को दत्तक पुत्र मानकर अंग्रेज सरकार को सूचना दे दी थी। परंतु ईस्ट इंडिया कंपनी की सरकार ने दत्तक पुत्र को अस्वीकार कर दिया।

27 फरवरी 1854 को लार्ड डलहौजी ने गोद की नीति के अंतर्गत दत्तक पुत्र दामोदर राव की गोद अस्वीकृत कर दी और झांसी को अंग्रेजी राज्य में मिलाने की घोषणा कर दी। यह सूचना पाते ही रानी के मुख से यह वाक्य प्रस्फुटित हो गया, मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी। यहीं से भारत की प्रथम स्वाधीनता क्रांति का बीज प्रस्फुटित हुआ। रानी लक्ष्मीबाई ने सात दिन तक वीरतापूर्वक झांसी की सुरक्षा की और अपनी छोटी-सी सशस्त्र सेना से अंग्रेजों का बड़ी बहादुरी से मुकाबला किया। रानी ने खुले रूप से शत्रु का सामना किया और युद्ध में अपनी वीरता का परिचय दिया। वे अकेले ही अपनी पीठ के पीछे दामोदर राव को कसकर घोड़े पर सवार हो, अंग्रेजों से युद्ध करती रहीं। बहुत दिन तक युद्ध का क्रम इस प्रकार चलना असंभव था। सरदारों का आग्रह मानकर रानी ने कालपी प्रस्थान किया। वहां जाकर वे शांत नहीं बैठीं।

उन्होंने नाना साहब और उनके योग्य सेनापति तात्या टोपे से संपर्क स्थापित किया और विचार-विमर्श किया। रानी की वीरता और साहस का लोहा अंग्रेज मान गए, लेकिन उन्होंने रानी का पीछा किया। रानी का घोड़ा बुरी तरह घायल हो गया और अंत में वीरगति को प्राप्त हुआ, लेकिन रानी ने साहस नहीं छोड़ा और शौर्य का प्रदर्शन किया। कालपी में महारानी और तात्या टोपे ने योजना बनाई और अंत में नाना साहब, शाहगढ़ के राजा, बानपुर के राजा मर्दन सिंह आदि सभी ने रानी का साथ दिया। रानी ने ग्वालियर पर आक्रमण किया और वहां के किले पर अधिकार कर लिया। विजयोल्लास का उत्सव कई दिनों तक चलता रहा लेकिन रानी इसके विरुद्ध थीं। यह समय विजय का नहीं था, अपनी शक्ति को सुसंगठित कर अगला कदम बढ़ाने का था।

इधर जनरल स्मिथ और मेजर रूल्स अपनी सेना के साथ संपूर्ण शक्ति से रानी का पीछा करते रहे और आखिरकार वह दिन भी आ गया जब उसने ग्वालियर का किला घमासान युद्ध करके अपने कब्जे में ले लिया। रानी लक्ष्मीबाई इस युद्ध में भी अपनी कुशलता का परिचय देती रहीं। 18 जून 1858 को ग्वालियर का अंतिम युद्ध हुआ और रानी ने अपनी सेना का कुशल नेतृत्व किया। वे घायल हो गईं और अंततः उन्होंने वीरगति प्राप्त की। रानी लक्ष्मीबाई ने स्वातंत्र्य युद्ध में अपने जीवन की अंतिम आहुति देकर जनता जनार्दन को चेतना प्रदान की और राष्ट्रीय रक्षा के लिए बलिदान का संदेश दिया।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

संपादकीय

ईवीएम पर फिर घमासान

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से छेड़छाड़ के दावे और सवाल रविवार को एक बार फिर से उठ खड़े हुए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मीडिया में मुंबई की एक खबर-जिसमें आरोप लगाया गया है कि मुंबई उत्तर पश्चिम लोक सभा सीट से शिवसेना उम्मीदवार के एक रिश्तेदार ने चार जून को मतगणना के दौरान एक मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया था जो ईवीएम से जुड़ा हुआ था-का हवाला देते हुए ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया। हालांकि चुनाव आयोग ने मोबाइल से लिंक के दावे को खारिज कर दिया है, और फिर से स्पष्ट किया है कि ईवीएम स्वतंत्र प्रणाली है, और इसमें सुरक्षा के मजबूत उपाय हैं। राहूल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के चेयरमैन एवं टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क के एक पोस्ट का हवाला भी दिया जिसमें मस्क ने दावा किया है कि ईवीएम में छेड़छाड़ का खतरा बहुत अधिक है। उनका कहना है कि ईवीएम को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए हैक किया जा सकता है, इसलिए इसे हटाया जाना चाहिए। इसके बाद राहुल गांधी ने कहा कि ईवीएम एक 'ब्लैक बॉक्स' है, और किसी को भी उसकी जांच की अनुमति नहीं है। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए आगामी सभी चुनाव मतपत्रों के जरिए कराने की मांग की है। बहरहाल, इस प्रकार ईवीएम पर सवाल उठाया जाना कोई नई बात नहीं है। काफी समय तक ईवीएम को लेकर पक्ष-प्रतिपक्ष के बीच तकरार रही। मामला अदालत में भी पहुंचा। अदालत ने स्पष्ट फैसला देकर इस विवाद का अंत कर दिया था। लेकिन नये घटनाक्रम के बाद प्रतिपक्ष ईवीएम को फिर से संदेह के घेरे में लाने को प्रेरित हुआ है। उसे चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर गंभीर चिंता जतलाने, बल्कि कहें कि चुनाव में धांधली की आशंका जताने का मौका भी मिल गया है। प्रतिपक्ष चुनाव से जुड़ी संस्थाओं की जवाबदेही पर सवाल उठा रहा है, और जवाबदेही के अभाव में लोकतंत्र के दिखावा भर रह जाने की बात कह रहा है। ईवीएम को लेकर एक बार फिर से सियासी घमासान छिड़ना दुर्भाग्यपूर्ण है। जब ईवीएम को लेकर शक-संदेहों का चुनाव आयोग अपने स्तर पर निराकरण कर चुका है, अदालत ने भी व्यवस्था दे दी है, और सबसे बड़ी बात कि विपक्ष ईवीएम के जरिए चुनावी जीत को सहज लेता है, तो भी शक-संदेह जताना उसकी अपरिपक्वता दिखाता है।

भारत में लैंगिक असमानता की बढ़ती खाई

विश्व आर्थिक मंच द्वारा हाल में प्रस्तुत किये गए लैंगिक अंतर के आंकड़ों ने एक ज्वलंत प्रश्न खड़ा किया है कि शिक्षा, आय, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में आधी दुनिया को उसका हक क्यों नहीं मिल पा रहा है? निस्संदेह, हमारे सत्ताधीशों को सोचना चाहिए कि लैंगिक अंतर सूचकांक में भारत 146 देशों में 129वें स्थान पर क्यों है? लगातार महिलाओं की दोयम दर्जा की स्थिति का बना रहना नीति-नियंताओं के लिये आत्ममंथन का मौका हैं। निश्चय ही यह स्थिति भारत की तरक्की के दावों से मेल नहीं खाती। इसके बावजूद उम्मीद जगाने वाला तथ्य है कि पिछले वर्ष जनप्रतिनिधि संस्थाओं में महिलाओं की एक तिहाई हिस्सेदारी को लेकर विधेयक पारित हो चुका है। इसके बावजूद हाल में सामने आए आंकड़े परेशान करने वाले हैं और तरक्की के दावों पर प्रश्नचिन्ह लगाते हैं। यह विचारणीय प्रश्न है कि सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए अनेक नीतियां बनाने और कायदे कानूनों में बदलाव के बावजूद लैंगिक असमानता की खाई गहरी क्यों होती जा रही है। ये स्थितियां समाज में इस मुद्दे पर खुले विमर्श की जरूरत को बताती हैं। हालिया लोकसभा चुनाव में सीमित मात्रा में महिलाओं के संसद में पहुंचने ने भी कई सवालों को जन्म दिया है। निश्चित रूप से तमाम सरकारी घोषणाओं के बावजूद जमीन पर महिला असमानता के दंश विद्यमान रहना बड़ी चुनौती है।

लैंगिक अंतर सूचकांक में पिछले साल भारत 127वें स्थान पर था, जो 2022 में 135वें स्थान से 1.4 प्रतिशत अंक और आठ पायदान ऊपर था। लेकिन इस वर्ष फिर दो पायदान ऊपर चढ़ा है। सूचकांक में भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश को 99वें, चीन को 106वें, नेपाल को 117वें, श्रीलंका को 122वें, भूटान को 124वें और पाकिस्तान को 145वें स्थान पर रखा गया है। आइसलैंड (93.5 फीसदी) फिर से पहले स्थान पर है और डेढ़ दशक से सूचकांक में सबसे आगे है। शीर्ष 10 में शेष नौ अर्थव्यवस्थाओं में से आठ ने अपने अंतर का 80 फीसदी से अधिक हिस्सा पाट लिया है। निश्चित तौर पर किसी भी समाज में पूर्ण लैंगिक समानता हासिल करने में लंबा समय लगता है, लेकिन इस दिशा में सत्ताधीशों की तरफ से ईमानदार पहल होनी चाहिए। यह भी एक हकीकत है कि दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश के आंकड़ों की तुलना दक्षिण एशिया के छोटे देशों से नहीं की जा सकती। इसमें दो राय नहीं कि पूरी दुनिया में सरकारों द्वारा लैंगिक समानता के लिये नीतियां बनाने के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं निकले हैं। जिसकी एक वजह समाज में पुरुष प्रधानता की सोच भी है। जिसके चलते यह आभास होता है कि आधी दुनिया के कल्याण के लिये बनी योजनाएं महज घोषणाओं तथा फाइलों तक सिमट कर रह जाती हैं।

भारत में महिलाओं की उपेक्षा, भेदभाव, अत्याचार एवं असमानता की स्थितियों का बना रहना विडम्बनापूर्ण हैं। भारत में रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं को समान अधिकार दिलाने के स्वर तो बहुत सुनने को मिलते हैं, महिलाओं को आजादी के बाद से ही मतदान का अधिकार भी पुरुषों के बराबर दिया गया है, परन्तु यदि वास्तविक समानता की बात करें तो भारत में आजादी के 75 वर्ष बीत जाने के बाद भी महिलाओं की स्थिति चिन्ताजनक एवं विसंगतिपूर्ण है। हमारे सत्ताधीशों के लिये यह तथ्य विचारणीय है कि हमारे समाज में आर्थिक असमानता क्यों बढ़ रही है? हम समान कार्य के बदले महिलाओं को समान वेतन दे पाने में सफल क्यों नहीं हो पा रहे हैं? जाहिर है यह अंतर तभी खत्म होगा जब समाज में महिलाओं से भेदभाव की सोच पर विराम लगेगा। यह संतोषजनक है कि माध्यमिक शिक्षा में नामांकन में लैंगिक समानता की स्थिति सुधरी है। फिर भी महिला सशक्तीकरण की दिशा में बहुत कुछ किया जाना बाकी है। देर-सवेर महिला आरक्षण कानून का ईमानदार क्रियान्वयन समाज में बदलावकारी भूमिका निभा सकता है। जरूरत इस बात की है कि राजनीतिक नेतृत्व इस मुद्दे को अपेक्षित गंभीरता के साथ देखे।

महिलाएं ही समस्त मानव प्रजाति की धुरी हैं। वो न केवल बच्चे को जन्म देती हैं बल्कि उनका भरण-पोषण और उन्हें संस्कार भी देती हैं। महिलाएं अपने जीवन में एक साथ कई भूमिकाएं जैसे- मां, पत्नी, बहन, शिक्षक, दोस्त बहुत ही खूबसूरती के साथ निभाती हैं। बावजूद क्या कारण है कि आज भी महिला असमानता की स्थितियां बनी हुई है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये जरूरी है कि अधिक महिलाओं को रोजगार दिलाने के लिए भारत सरकार को जरूरी कदम उठाने होंगे। सरकार को अपनी लैंगिकवादी सोच को छोड़ना पड़ेगा। क्योंकि भारत सरकार के खुद के कर्मचारियों में केवल 11 प्रतिशत महिलाएं हैं। सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिये अधिक एवं नये अवसर सामने आने जरूरी है। भारत में महिला रोजगार को लेकर चिंताजनक स्थितियां हैं। सेंटर फॉर मॉनीटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) नाम के थिंक टैंक ने बताया है कि भारत में केवल 7 प्रतिशत शहरी महिलाएं ऐसी हैं, जिनके पास रोजगार है या वे उसकी तलाश कर रही हैं। सीएमआईई के मुताबिक, महिलाओं को रोजगार देने के मामले में हमारा देश इंडोनेशिया और सऊदी अरब से भी पीछे है। रोजगार या नौकरी का जो क्षेत्र स्त्रियों के सशक्तिकरण का सबसे बड़ा जरिया रहा है, उसमें इनकी भागीदारी का अनुपात बेहद चिंताजनक हालात में पहुंच चुका है। यों जब भी किसी देश या समाज में अचानक या सुनियोजित उथल-पुथल होती है, कोई आपदा, युद्ध एवं राजनीतिक या मनुष्यजनित समस्या खड़ी होती है तो उसका सबसे ज्यादा नकारात्मक असर स्त्रियों पर पड़ता है और उन्हें ही इसका खामियाजा उठाना पड़ता है।

दावोस में हुए वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम में ऑक्सफैम ने अपनी एक रिपोर्ट 'टाइम टू केयर' में घरेलू औरतों की आर्थिक स्थितियों का खुलासा करते हुए दुनिया को चौका दिया था। वे महिलाएं जो अपने घर को संभालती हैं, परिवार का ख्याल रखती हैं, वह सुबह उठने से लेकर रात के सोने तक अनगिनत सबसे मुश्किल कामों को करती है। अगर हम यह कहें कि घर संभालना दुनिया का सबसे मुश्किल काम है तो शायद गलत नहीं होगा। दुनिया में सिर्फ यही एक ऐसा पेशा है, जिसमें 24 घंटे, सातों दिन आप काम पर रहते हैं, हर रोज क्राइसिस झेलते हैं, हर डेडलाइन को पूरा करते हैं और वह भी बिना छुट्टी के। सोचिए, इतने सारे कार्य-संपादन के बदले में वह कोई वेतन नहीं लेती। उसके परिश्रम को सामान्यतः घर का नियमित काम-काज कहकर विशेष महत्व नहीं दिया जाता। साथ ही उसके इस काम को राष्ट्र की उन्नति में योगभूत होने की संज्ञा भी नहीं मिलती। प्रश्न है कि घरेलू कामकाजी महिलाओं के श्रम का आर्थिक मूल्यांकन क्यों नहीं किया जाता? घरेलू महिलाओं के साथ यह दोगला व्यवहार क्यों?

नरेन्द्र मोदी की पहल पर निश्चित ही महिलाओं पर लगा दोयम दर्जा का लेबल हट रहा है। हिंसा एवं अत्याचार की घटनाओं में भी कमी आ रही है। बड़ी संख्या में छोटे शहरों और गांवों की लड़कियां पढ़-लिखकर देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। वे उन क्षेत्रों में जा रही हैं, जहां उनके जाने की कल्पना तक नहीं की जा सकती थी। वे टैक्सी, बस, ट्रक से लेकर जेट तक चला-उड़ा रही हैं। सेना में भर्ती होकर देश की रक्षा कर रही है। अपने दम पर व्यवसायी बन रही हैं। होटलों की मालिक हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियों की लाखों रुपये की नौकरी छोड़कर स्टार्टअप शुरू कर रही हैं। वे विदेशों में पढ़कर नौकरी नहीं, अपने गांव का सुधार करना चाहती हैं। अब सिर्फ अध्यापिका, नर्स, बैंकों की नौकरी, डॉक्टर आदि बनना ही लड़कियों के क्षेत्र नहीं रहे, वे अन्य क्षेत्रों में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। स्त्री शक्ति के प्रति सम्मान भावना ही नहीं, समानता, सह-अस्तित्व एवं सौहार्द की भावना जागे, तभी उनके प्रति हो रहे अपराधों में कमी आ सकेगी और लैंगिक असमानता को दूर किया जा सकेगा।

- ललित गर्ग

चिंतन-मनन

श्रद्धा से मिलता है ज्ञान

एक बार बालक नचिकेता ने अपने पिता से कहा, आप ब्राह्मणों को जर्जर, कृशगात और अनुपयोगी गाय दान में दे रहे हैं। उन्होंने यह नहीं कहा कि ऐसा ठीक नहीं है परंतु पिता समझ गए कि यह मेरी निंदा कर रहा है, मेरा अनादर कर रहा है, मेरे कृत्य की भर्त्सना कर रहा है। नचिकेता ने पिता से कहा- शाछ्वा कहते हैं कि अच्छी वस्तु, अच्छी निधि तथा अच्छी संपदा का दान करना चाहिए। अगर आप दान ही कर रहे हैं तो मुझको किसे दान में देंगे ?

पिता को चुप लग गया लेकिन बालक नचिकेता बार- बार टोकने लगा- पिताजी ! आप मुझे किसे दान में देंगे ? आपने यह भी विचार किया होगा कि मुझे भी किसी को दान में देंगे। इस पर पिता ने प्रोध में कहा-मैं तुझे यमराज को दान में देता हूं। आज से तू यम की वस्तु हुआ। दान की गई वस्तु कभी ली नहीं जाती और कभी लौटाई नहीं जाती। अब तू मेरा नहीं रहा। चूंकि मैं तुझे दान कर चुका हूं इसलिए तू मेरे पास नहीं रहेगा।

बालक नचिकेता को यह बुरा नहीं लगा कि मेरे पिता ने मुझे कुछ कहा है। ऐसी श्रद्धा थी नचिकेता की अपने पिता के प्रति। यही श्रद्धा ज्ञानकारक बनी और नचिकेता को यमराज के द्वार पर लेकर गई। यमराज ने देखा कि यह सामान्य बालक नहीं, श्रद्धावान बालक था। जब हमारे पास श्रद्धा आती है तो वह हमें बाध्य करती है। गुरु के पास जो गुरुत्व है, साधु के पास जो साधुत्व है, संन्यासी के पास जो संन्यस्त है, गंगा के पास जो गंगत्व है,देवताओं के पास जो देवत्व है और भगवान के पास जो भगवत्ता है; उसके हम स्वाभाविक रूप से अधिकारी बन जाते हैं। श्रद्धावान व्यक्ति स्वाभाविक रूप से योग्यता रखता है चूंकि उसके पास तर्प नहीं होते।

नचिकेता संकल्लित मन से यमराज की चौखट पर बैठ गया। यमराज ने कहा-तू तीन दिन से मेरे द्वार पर बैठा है, बड़ा हठी है। मांग क्या मांगना चाहता है ? इस पर बालक नचिकेता ने कहा-मैं मृत्यु का भेद जानने आया हूं। जन्म-मृत्यु क्या है, यह भेद मुझे बता दाजिए। यह सुनकर यमराज हतप्रभ हो गए। उन्होंने बालक नचिकेता के समक्ष ढेरों प्रलोभन रखते हुए कहा- चुम चक्रवर्ती सम्राट बनने, पृथ्वी पर प्रतिष्ठित और पूजित होने का वर मांग सकते हो।

भ्रामक विज्ञापन : झूठ का बाजार का बड़ा कारोबार

बरसों पहले अखबार में छपे एक विज्ञापन को देख कर जुमला कहा गया था 'विज्ञापन कंबल की दर्शनीय टांगें, दुकानदार से जाकर हम क्या मांगें!' आज भी यह बात हर विज्ञापन पर सटीक बैठती है। बाजारवाद के इस दौर में ऐसी कोई वस्तु नहीं है, जिसका विज्ञापन न किया जाता हो। विज्ञापन बनाने वाली कंपनियां इतनी चालाकी से अपने प्रोडक्ट की नुमाइश करती हैं कि न चाहते हुए भी वो प्रोडक्ट हमारे लिए जरूरी से लगने लगते हैं। यहां तक कि झूठे और भ्रामक विज्ञापनों से भी कोई गुरेज नहीं करतीं, लेकिन बीते दिनों पतंजलि के भ्रामक विज्ञापनों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रवैया अपनाया।

इसके बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय हरकत में आया और विज्ञापन कंपनियों को स्वप्रमाणन-पत्र जारी करने के निर्देश दिए। ऐसे में अगर कंपनियों के प्रोडक्ट में किए गए दावे गलत निकलते हैं, तो न केवल हजार्ना चुकाना होगा, बल्कि कार्रवाई के लिए भी तैयार रहने की बात कही गई है। मंत्रालय द्वारा ऐसे पोर्टल भी तैयार किए जा रहे हैं, जिनमें विज्ञापनदाता स्वप्रमाणन-पत्र अपलोड़ करेंगे। भ्रामक विज्ञापनों में शामिल चर्चित हस्तियों को भी झूठ में शामिल माना जाएगा। अदालत के सख्त रुोख के बाद देर से ही सही पर संबंधित मंत्रालय और व्यवस्थाएं जाग रही हैं वरना तो भ्रामक विज्ञापनों की ऐसी होड़ सी मची हुई है कि स्वयं कामदेव भी दंडवत हो जाए। गोरापन बढ़ाने वाली क्रीम तो बीते 54 सालों से भ्रामक विज्ञापनों के सहारे ही बिकती आई हैं। इन क्रीमों से गोरापन भले न मिला हो पर कंपनी को 2400 करोड़ रुपये सालाना का रेवेन्यू जरूर मिल रहा है। ऐसा ही हाल पेय पदार्थों को लेकर है जिनका मार्किट 7500 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है जबकि सॉफ्ट ड्रिंक का मार्किट 5700 करोड़ होने का अनुमान है। विडंबना देखिए कि

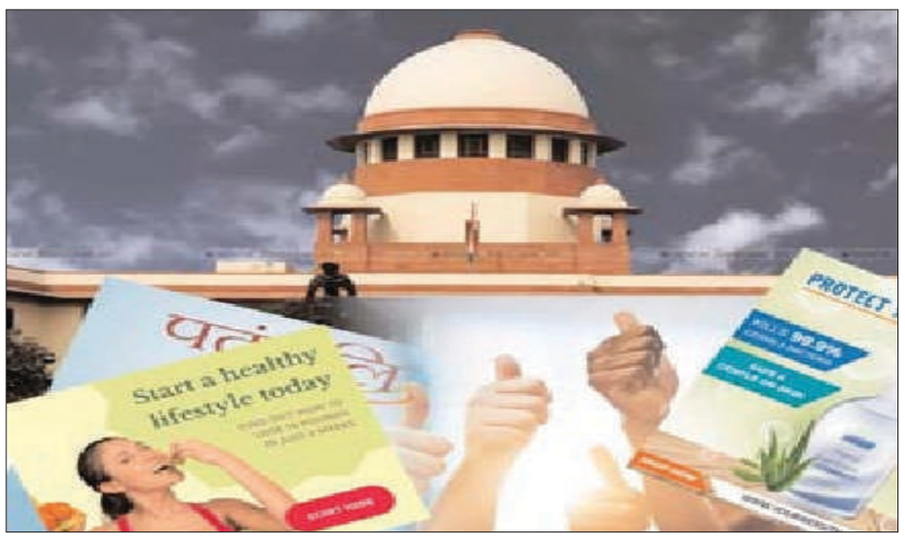

जिन पेय पदार्थों को स्वास्थ्यवर्धक बता कर धड़ल्ले से बेचा जा रहा है, वही बीमारियों की वजह बन रहे हैं। जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाली कंपनियों को तो सिर्फ अपना मुनाफा कमाना है जबकि आम जनता लुभावने विज्ञापनों के जाल में उलझी है।

वैसे भी कहावत है कि अगर एक झूठ को 100 बार बोला जाए तो जनता उसे सच मान ही लेती है। यही वजह है कि सड़क से लेकर दीवार तक ऐसा कोई कोना नहीं है, जहां विज्ञापन न चस्पा हो। सुई से लेकर हवाई जहाज तक हर चीज का विज्ञापन दिखाया जाता है। समाचार चैनलों पर तो खबर से ज्यादा विज्ञापन प्रसारित हो रहे हैं। इन विज्ञापनों में इस हद तक अश्लीलता परोसी जाने लगी है कि परिवार के साथ बैठकर टेलीविजन देखना भी दूभर सा हो गया है। न्यूज चैनलों के बीच कॉन्डम का विज्ञापन देखकर लगता है जैसे कोई पोर्न चैनल देख रहे हों। परफ्यूम के विज्ञापन तो ऐसे होते हैं मानो रेप कल्चर को बढ़ावा दे रहे हों। कुल मिला कर देखा जाए तो महिलाओं को विज्ञापन के केंद्र में रखकर नारी देह को अश्लील तरीके से परोसा जा रहा है। विज्ञापनों में महिलाओं को कामुक दिखाने का चलन इस कदर बढ़ गया है जैसे नारी सिर्फ उपभोग की वस्तु हो!

कहने को तो हमारे देश में अश्लील प्रदर्शन के विरु द्ध कानूनी प्रावधान हैं, फिर भी उनकी खुलेआम धज्जियां उड़ाई जाती हैं। कोर्ट ने भ्रामक विज्ञापनों पर तो चाबुक चला दी पर विज्ञापनों के माध्यम से परोसी जा रही अश्लीलता को भी संज्ञान में लिया जाना चाहिए। सच है कि वर्तमान दौर में विज्ञापन हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं, बदलते परिवेश में विज्ञापनों का रंग-रूप भी बदल गया है। एक दूसरे से बेहतर दिखने-दिखाने की चाह में विज्ञापनों में अश्लीलता का ऐसा दौर शुरू हो गया जिसकी कल्पना नहीं की गई थी।

किसी के पास इन सवालों के कोई जवाब नहीं हैं कि ये विज्ञापन ह्यनारी देह' पर ही क्यों केंद्रित होते हैं? आखिर, एक स्त्री किसी पुरुोष के अंडरवियर या परफ्यूम पर ही सम्मोहित कैसे हो सकती है? ऐसी क्या वजह है जो उत्पाद की बिक्री बढ़ाने के लिए महिलाओं के अंग प्रदर्शन और झूठ का सहारा लिया जाता है। विज्ञापन कंपनियां महिलाओं को उपभोग की वस्तु दिखाने से क्यों गुरेज नहीं करतीं? ऐसे में सवाल यह भी है कि क्या जिस स्त्री स्वरूप की हमारी संस्कृति में देवी से तुलना की गई है, वो अब इसी की हकदार बची है? प्रेम और सेक्स कभी भी एक समान नहीं हो सकते और प्रेम और सेक्स को कभी समानांतर आंका भी नहीं जा सकता। लेकिन, विज्ञापनों ने उल्टी गंगा बहाना शुरू कर दिया। उनका एक ही मकसद है, स्त्रियों के कामोत्तेजक हाव-भाव और सम्मोहक अंदाज के जरिए पुरुोष दर्शकों को आकर्षित करना। लेकिनङ्क हम पैसे बनाने और किसी ब्रांड को चमकाने के लिए स्त्री की क्या छवि गढ़ रहे हैं? सवाल उस नायिका का भी है, जो ऐसे विज्ञापनों में काम भी सिर्फ पैसे की खातिर कर लेती है। समाज में महिलाओं की स्वच्छ छवि विज्ञापनों के माध्यम से दिखानी होगी। कंपनियों को अपने प्रोडक्ट की गुणवत्ता बढ़ानी होगी ताकि झूठे प्रचार की आवश्यकता ही न पड़े। महिलाओं को भी आगे बढ़कर उन विज्ञापनों का विरोध करना होगा जिनमें महिलाओं की छवि को धूमिल किया जा रहा है। भ्रामक विज्ञापनों के मायाजाल को तोड़ना होगा ताकि इनके सम्मोहन से आम जनता को बचाया जा सके। **- सोनम लववंशी**

आसान शिकार नहीं बनिए खुद की रक्षक

16 दिसंबर को निर्भया बलात्कार कांड को एक साल हो गया। निर्भया को तो न्याय मिल गया है। महिला सुरक्षा की दिशा में कुछ कदम भी उठाए गए हैं। पर, महिलाओं के खिलाफ होने वाली हिंसा में कमी नहीं आई है। स्थिति से डरने और हार मानने में कोई बुद्धिमानी नहीं। बुद्धिमानी इस बात में है कि आप आसान शिकार होने से बचें।

जिंदगी में कम-से-कम एक बार बलात्कार या लिंग आधारित हिंसा का शिकार होती हैं। भारत सरकार के आंकड़ों के मुताबिक भारत में हर 20 मिनट पर एक महिला बलात्कार की शिकार होती है। यानी औसतन हर दिन 72 महिलाओं का बलात्कार होता है। एक आंकड़े के मुताबिक सिर्फ 11.26 प्रतिशत मामलों में ही सजा हो पाती है।

भारत में हर दिन औसतन 72 महिलाएं बलात्कार की शिकार होती हैं। इससे कई गुणा ज्यादा संख्या ऐसे मामलों की है, जिसकी खबर घर की चारदीवारी से बाहर ही नहीं निकल पाती। पर, 16 दिसंबर, 2012 को राजधानी दिल्ली में हुए निर्भया कांड में कुछ ऐसा था, जिससे पूरे देश में महिलाओं के खिलाफ होने वाली हिंसा के प्रति जागरुकता बढ़ी है। जागरुकता बढ़ने का मतलब यह नहीं है कि महिलाओं के खिलाफ होने वाली हिंसा में कमी आ गई है। फर्क सिर्फ इतना आया है कि महिलाएं अपने खिलाफ होने वाली हिंसा पर लोकलाज की परवाह किए बिना आवाज उठाने लगी हैं। साथ ही महिलाओं के खिलाफ होने वाली हिंसा को अब एक वैश्विक समस्या के रूप में देखा जाने लगा है। कानून में बदलाव लाए गए हैं। ऐसे मामलों का निपटारा अब फास्ट ट्रैक कोर्ट करने लगे हैं। इन बदलावों के बावजूद आपको भी निर्भया मामले से कुछ सबक लेने की जरूरत है ताकि आप सुरक्षित रह सकें और आपकी दुनिया खुशनुमा रह सके।

जागरुकता है पहला कदम

महिलाओं के खिलाफ होने वाली हिंसा को रोकने के लिए पहला कदम है जागरुकता। मुंबई की अक्षरा नाम की संस्था द्वारा महिलाओं के खिलाफ होने वाली हिंसा के बारे में पूरी जानकारी देने के लिए standupagainstviolence.org नाम का वेबसाइट शुरू किया गया है। इस संस्था से जुड़ी एलिस बताती हैं, 'किसी भी मसले पर लोगों को जागरूक होने में काफी लंबा वक्त लगता है। महिलाओं के खिलाफ होने वाली हिंसा के मामले में भी ऐसा ही है। हमें बस अपनी कोशिश जारी रखनी होगी।' साथ ही महिलाओं को भी अपनी साथी महिला की मदद करनी होगी।

आवाज उठाना है जरूरी

खुद को दोषी ठहराना बंद करें। आप खुद को दोष देना बंद करेंगी, तभी समाज भी पहल करेगा। अपने आत्मविश्वास को हिलने न दें और साथ ही पूरे विश्वास के साथ अपना हक मांगें। किसी मुसीबत की स्थिति में फंसने पर सबसे पहले अपने दोस्तों, घरवालों या अन्य नजदीकी लोगों से अपनी परेशानी साझा करें। आपको अपनी चुप्पी तोडम्नी होगी और अपनी आवाज बुलंद करनी होगी।

आपकी सुरक्षा, आपके हाथ

अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी अपने हाथों में लें। कभी भी सुनसान रास्ते से न जाएं। सेल्फ डिफेंस का कोर्स करें। अपने हैंडबैग में सेप्टीपिन, पेपर स्प्रे या डिओडरेंट रखें। जब कभी ऐसा लगे कि आपके आसपास का कोई व्यक्ति आपके साथ छेड़खानी कर रहा है, तुरंत एक्शन लें। आवाज उठाएं। अगर बस आदि में कोई छेड़खानी की कोशिश कर रहा है तो उसे सेप्टिपिन चुभो दें। अगर कोई सामने से आप पर आक्रमण कर रहा है तो उसकी आंखों पर पेपर स्प्रे या डिओडरेंट छिड़क कर, दूसरी दिशा में जितनी तेजी से हो सके, भागें। अगर आपने ऊंची एड़ी का फुटवियर पहन रखी है तो उससे अपने ऊपर अटैक करने वाले के सिर पर मारें। चोट से होने वाला तेज दर्द आपको वहां से भाग निकलने का पूरा मौका दे देगा।

जानें कमजोर कडियां

सामने वाले की कमजोरियों से वाकिफ रहने पर किसी भी परेशानी से निकलने की राह आसान हो जाती है। अगर कोई आप पर अटैक करता है या आपको पकड़ लेता है तो अपनी कुहनी से हमलावर की छाती, पेट या फिर फेफड़े के ठीक नीचे वाले हिस्से में मारें। उसे जांघ के हिस्से में भी मारें। यह भी बहुत संवेदनशील हिस्सा होता है। या फिर अपने हमलावार के प्राइवेट पार्ट्स पर एक जोरदार किक लगाएं। उसे काफी तेज दर्द होगा और आपको वहां से निकल भागने का मौका मिल जाएगा।

नहीं हैं अच्छे इशारे

संयुक्त राष्ट्र संघ की एक रिपोर्ट के मुताबिक पूरी दुनिया में हर तीन में से एक महिला अपनी पूरी

नेगेटिव बॉडी इमेज से बढ़ते हैं फासले

नेगेटिव बॉडी इमेज से किसी का जीवन प्रभावित हो सकता है? जवाब है- हां। अपने शरीर के बारे में नकारात्मक धारणा आपको अवसादग्रस्त कर सकती है और यह डिप्रेशन बेडरूम तक भी पहुंच सकता है।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के समाज मनोविज्ञानी और सेक्स कॉलमिस्ट जस्टिन लेमिलर अपने लेख में लिखते हैं, शरीर के बारे में चिंतित रहना सेक्स की क्वॉलिटी भी घटाता है, फ्रीक्वेंसी भी। जो लोग खुद को खूबसूरत या सेक्सी नहीं मानते, वे भविष्य में लाइफ के प्रति रुचि खो सकते हैं। वर्ष 2011 में एक हर्बल सप्लीमेंट कंपनी द्वारा कराए गए सर्वे में स्त्रियों ने माना कि नेगेटिव बॉडी इमेज के कारण वे सेक्स में रुचि खो रही हैं। पेट के आसपास बढती चर्बी, चेहरे के दाग-धब्बे, मोटापा या दुबलापन उनका आत्मविश्वास डिगाता है। पहले हुए कुछ शोध यह भी बताते हैं कि सेक्स में इन कारणों से पैदा होने वाली अरुचि से धीरे-धीरे सेक्सुअल आत्मविश्वास, उत्तेजना, आनंद और ऑरगेज्म में भी कमी आने लगती है।

रॉकलैंड हॉस्पिटल की प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की हेड डॉ. आशा शर्मा कहती हैं, स्त्री अपने लुक्स और वजन को लेकर उतना नहीं सोचती, जितना उसके आसपास के लोग सोचते हैं। अकसर पति, दोस्त या परिवार वाले ही उसकी आलोचना करने लगते हैं, जिससे वह अवसादग्रस्त हो जाती है। कुछ स्त्रियां स्वभाव से ही अति-संवेदनशील होती हैं और आलोचना उन्हें ज्यादा प्रभझावित करती है। वे डिप्रेशन में चली जाती हैं। इससे सेक्स जीवन पर भी नकारात्मक प्रभाव पडता है।

धारणाएं और सत्य

सुंदरता क्या है? इसे लेकर हमारा समाज बहुत कन्फ्यूज्ड है। खासतौर पर स्त्रियों के मामले में सुंदरता की तथाकथित धारणाएं रूढ हैं। वे सेक्सी या सुंदर जैसे शब्दों के समाज-स्वीकृत अर्थ को ही आत्मसात करती हैं। मीडिया ने भी आकर्षक व्यक्तित्व की इस परिभाषा को काफी सीमित दायरे में रख दिया है। शादी तय होते समय लडका-लडकी का आकर्षक व्यक्तित्व (छरहरा, लंबा, दुबला होना) एक बडा आधार होता है। जबकि सेक्स लाइफ का सुंदरता से कोई लेना-देना नहीं है। जीवनसाथी के साथ सेक्सुअली कॉम्पिटेबल होने में कई हॉर्मोस, भावनाएं और शेयरिंग महत्वपूर्ण होती है। बॉडी इमेज इसमें थोडा सा हिस्सा ही निभाती है। सच तो यह है कि अगर सेक्स जीवन अच्छा है तो इससे व्यक्तित्व में भी निखार आता है।

लाइफ बनाएं सुंदर

डॉ. शर्मा कहती हैं, सबसे पहले यह जरूरी है कि अपने बारे में पूर्वाग्रह न रखें और आलोचनाओं से न घबराएं। आलोचनाओं को सकारात्मक अर्थ में ग्रहण करें। व्यक्तित्व के सकारात्मक पहलू खोजें और उन्हें एक्सप्लोर करें। खुद का फिटनेस फॉर्म्युला बनाएं और नियमित योग-व्यायाम करें, ताकि स्वस्थ रहें। सेक्स लाइफ को अच्छा रखने के कुछ टिप्स-

- अपने बारे में अच्छा महसूस करें क्योंकि तभी शरीर का ध्यान भी रख सकेंगी। बेडरूम में सिर्फ अपने पार्टनर और सेक्स लाइफ के बारे में सोचें। जैसे ही दिमाग सेक्स को लेकर केंद्रित होगा, शरीर को उसका संदेश मिलेगा और वह सेक्सुअली रिस्पॉन्स करने लगेगा।
- संगीत में ताकत है, यह सभी महसूस करते हैं। एक शोध के मुताबिक 40 फीसदी लोग मानते हैं कि सेक्स उत्तेजना जगाने में पार्टनर के स्पर्श या उसके व्यक्तित्व के बजाय संगीत ने उनकी बहुत मदद की है। अपने कमरे को संगीतमय बनाएं।
- कुछ शोध बताते हैं कि स्त्रियां ही नहीं, पुरुष भी अपनी सेक्सुअल इमेज को लेकर परेशान रहते हैं। लेकिन अनुभव और शोध यह भी बताते हैं कि व्यक्तित्व की खामियां सेक्स जीवन को बाधित नहीं करतीं, बल्कि नकारात्मक सोच इसे बाधित करती है।
- दिमाग पर भरोसा करें और तार्किक ढंग से सोचें। ब्रेन सबसे बडा सेक्स ऑर्गन है। सेक्स सेशन के दौरान आपसी संवाद, फैंटसी और कई अन्य ब्रेनी गतिविधियां ही काम आती हैं, शरीर की गडबडियां नहीं।
- खुद को खोजें। ऐसी कौन सी बात है या कौन सा गुण है जो खुद के प्रति अच्छा महसूस कराता है, उसे ढूंढें। जैसे ही अपने बारे में अच्छा सोचेंगी, आत्मविश्वास बढेगा। आत्मविश्वास ही सेक्सी महसूस कराता है। इससे कोई फर्क नहीं पडता कि आप मोटी हैं या पतली, गोरी हैं या काली, आपकी नाक मोटी है या होंठ पतले..। सेक्स जीवन में सहजता, स्वस्थ व सकारात्मक सोच और सही जानकारियां ही महत्व रखती हैं।
- ओह मेरा वजन फिर बढ गया.., क्या करूं मेरी थाइज का सैल्युलाइट कम ही नहीं होता..मेरा चेहरा हेवी लगता है.., अपने बारे में नकारात्मक बातें करना बंद करें। आईना देखें तो अपने भीतर आत्मविश्वास महसूस करें। आप एक आम स्त्री हैं, रैंप में कैटवॉक करने वाली मॉडल नहीं, इसलिए शरीर के बारे में उतना ही सोचें कि सेहत और सोच परफेक्ट रहे। शरीर को लेकर आप स्वयं फील गुड महसूस नहीं करेंगी तो दूसरे कैसे करेंगे!
- खुद से प्यार करें। सोचें कि आपके जीवन में कोई है जो आपको बहुत प्यार करता है। वह है आपका जीवनसाथी। जिस दिन यह एहसास जन्म लेगा, नकारात्मक खयाल खुद खत्म हो जाएंगे। आईने के सामने खडे होकर बुदबुदाएं, मुझे खुद से प्यार है, मैं सुंदर हूं, मैं अपनों के प्रति प्यार महसूस करती हूं .., यकीन कीजिए आप खुद को सुंदर महसूस करने लगेंगी।
- अगर शरीर के बारे में नकारात्मक धारणा बढ रही है तो सुबह उठ कर कुछ पल आंखें मूंदें और सोचें, मैं परफेक्ट हूं, पूर्ण हूं..। कुछ देर हाथ जोड कर उस सृष्टि का धन्यवाद करें कि आपको एक खूबसूरत जीवन जीने को मिला है।
- खुद को कमियों के साथ स्वीकारें। उन लोगों के बारे में सोचें जिन्हें सृष्टि या किसी दुर्घटना ने शारीरिक तौर पर कमतर कर दिया। वे भी तो अपनी कमियों के साथ जी रहे हैं, तो फिर आप क्यों नहीं जी सकतीं!

ठंड में गर्म कपड़ों की ऐसे करें देखभाल

वुलेन कपड़ों की प्रॉपर केयर न की जाए, तो एक-दो इस्तेमाल के बाद ही इनके आकार और रंग में अंतर साफ नजर आने लगता है। अगर आप चाहते हैं कि आपके ऊनी कपड़े सालों-साल चलें, तो इनकी देखभाल भी सही तरीके से करें। धोने से पहले की बात वुलेन आइटम्स को धोने से पहले उस पर लगे लेबल को ध्यान से पढ़ें।

अपनी शारीरिक बनावट के हिसाब से चुनें स्वेटर

अगर ऊनी कपड़े पर लिखा है- ड्राइ क्लीन ओनली' तो उसे कपड़े को घर पर कभी भी साफ न करें। ऊनी वस्त्रों को धोने से पहले ब्रश से अच्छी तरह से साफ कर लें और धोते समय इसे उलटा कर लें।

सर्दियों में स्वेटर्स के आकर्षक डिजाइन्स

सामान्य कपड़ों से इतर ऊनी कपड़ों के लिए खास बने डिटर्जेंट का इस्तेमाल करें, क्योंकि सामान्य डिटर्जेंट से ऊनी रेशे कठोर बन जाते हैं। बेबी शैंपू या सामान्य शैंपू भी ऊनी कपड़ों के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

हर दिन न धोएं ऊनी कपड़े भले ही कॉटन या सिंथेटिक कपड़ों को एक यूज के बाद धोती हों, पर ऊनी कपड़ों के साथ यह ट्रीटमेंट नहीं चलेगा। ऊनी कपड़ों की लाइफ बढ़ाना चाहते हैं, तो उसे धोने की जरूरत हो, तभी धोएं। हर इस्तेमाल के बाद हवा में फैलाने भर से भी ऊनी कपड़े हाइजीन फ्री हो जाते हैं। हर यूज के बाद वुलेन कपड़ों को मुलायम ब्रश से झाड़ना न भूलें। ऐसा करके आप वुलेन कपड़ों को कई बार पहन सकते हैं।

सही तरीका धुलाई का

वुलेन कपड़ों को डिटर्जेंट में धोने से पहले ठंडे पानी में 5-10 मिनट के लिए भिगोएं। इससे ऊनी कपड़ों के सिकुड़ने की संभावना कम हो जाती है। इसके बाद सही डिटर्जेंट में इन्हें धोएं। ऊनी कपड़ों को बहुत अधिक रगड़ने की कोशिश न करें और न ही ऊनी कपड़ों को कभी ड्रायर में सुखाएं। इससे वे ढीले पड़ जाते हैं। सुखाने के लिए इन्हें तौलिये पर रख रोल स्टाइल में लपेटें। हल्के हाथों से निचोड़ें और फिर खुली हवा में समतल फर्श पर सूखने के लिए छोड़ दें। ऊनी कपड़े को तेज धूप में सुखाने से भी बचें। इससे कपड़े का रंग बिगड़ जाता है। इन्हें उलटा करके सुखाएं और धोते समय जिप वगैरह लगा दें। वुलेन कपड़े को हैंगर में लटकाकर रखने की जगह उसे मोड़कर रखें, नहीं तो कपड़े की फिटिंग बिगड़ सकती है। ब्लेजर, कोट या अन्य गर्म कपड़े पहनने के बाद टांगती हैं, तो इन्हें टांगने के लिए पैडेड हैंगर का इस्तेमाल करें।

यदि कोई ऊनी वस्त्र सिकुड़ गया है, उन्हें कुछ देर भाप लगाकर फिर फर्श पर फैलाकर सुखाएं। ऊनी कपड़ों पर रोएं आ गए हों, तो रेजर में नई ब्लेड लगाकर या प्लकिंग की मदद से सारे रोएं हटाएं। ध्यान रहे रेजर को एक ही दिशा में चलाना है। स्वेटर्स पर लगे दाग-धब्बों को लॉन्ड्री स्टेन रिमूवर से हटा सकते हैं।

अगर किसी वुलेन कपड़े में आयरन करना जरूरी हो तो स्टीम आयरन का उपयोग करें और कपड़े को उलटकर फिर उसे आयरन करें। ऊनी कपड़ों को प्रेस कर रही हों, तो ध्यान रहे यह हल्?का गीला ही हो। गर्म कपड़ों को धोने के लिए अगर वॉशिंग मशीन का इस्तेमाल कर रही हैं, देख लें कि ऊनी कपड़ों को धोने की सुविधा आपकी वाशिंग मशीन में है या नहीं। अगर है, तो वुलेन प्रोग्राम पर सेट करके ही ऊनी कपड़ों को धोएं। ऊनी कपड़ों को फिटकरी के पानी से धोने पर, वे न तो सिकुड़ेंगे, न ही रंग छूटेगा। सिकुड़ने से बचाने के लिए आप पानी में एक चम्मच ग्लिसरीन या सिरका भी मिला सकते हैं।

संक्षिप्त

मोटरसाइकिल की सीधी टक्कर में दो की मौत

नवादा। जिले के नक्सल थाली थाना क्षेत्र के खैरा गांव के समीप मंगलवार की दोपहर में दो मोटरसाइकिल की आमने-सामने की जोरदार टक्कर मे एक बाइक चालक समेत दो युवक की मौत हो गई। घटना में महिला समेत तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गये। घटना की जानकारी स्थानीय लोगों द्वारा 112 पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही 112 पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और एंबुलेंस से सभी को इलाज के लिए अकबरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।जहां चिकित्सकों ने दो युवक को देखते ही मृत घोषित कर दिया।वहीं महिला समेत तीन घायलों को सीएचसी मे इलाज किया जा रहा है। मृतक युवक की पहचान झारखंड राज्य के कोडरमा जिला अंतर्गत सतगांवा थाना क्षेत्र के मीरगंज गांव निवासी जहीर खान के 26 वर्षीय पुत्र औरंगजेब खां के रूप मे किया गया।वहीं घायल महिला की पहचान मृतक युवक के भाभी निखत खातुन पति जुबैर खान के रूप मे किया गया। दूसरे बाइक पर सवार घायल युवक अकबरपुर थाना क्षेत्र के धोबघटी गांव के विनय प्रसाद के पुत्र सुमीत कुमार तथा संतोष प्रसाद के पुत्र निर्बल कुमार के रूप मे किया गया।जख्मी निर्बल कुमार को गंभीर स्थिति देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल नवादा रेफर कर दिया गया।

नेपाल में हो रही लगातार बारिश से डायवर्जन ध्वस्त

किशनगंज। पड़ोसी देश नेपाल की तराई हिस्सों मे भारी बारिश के वजह से किशनगंज के निचले हिस्सों में बसने वाले लोगो की परेशानी बढ़ चुकी है। लोग अपने अपने आशियानों को छोड़कर पलायन को मजबूर है। किशनगंज जिले के ठाकुरगंज इलाके में बारिश ने सारा रिकॉर्ड तोड़ दिया है। जहां 256.2 एमएम बारिश की दर्ज की गई है। इधर बारिश के कारण पोठिया प्रखंड क्षेत्र के चिचुआबाड़ी के रामनिया पोखर गांव के निकट निर्माणाधीन पुल का डायवर्जन भारी बारिश के वजह से ध्वस्त हो चुकी है। वहीं डायवर्जन के ध्वस्त होने से आवागमन पूरी तरह से प्रभावित हो चुकी है। हजारों की आबादी का सड़क से संपर्क टूट चुका है। गौर करे कि ठाकुरगंज के गंभीरगढ़ में एनएच 327ई पर रेन कट के कारण सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है। जहां जीआर कंपनी पर स्थानीय लोगों ने घटिया निर्माण का आरोप लगाया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि महज 2-3 दिनों के बारिश में ही सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है जो कि काफी समस्या वाली बात है। पोठिया थानाध्यक्ष निशाकांत कुमार और अंचलाधिकारी मोहित राज ने कटे हुए डायवर्जन का जायजा लिया और वैकल्पिक व्यवस्था को लेकर कर्मियों को निर्देश दिया है।

मोबाइल छीनकर भाग रहे दो झपटमार गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण। रक्सौल रेल पुलिस ने मोबाइल छिनतई करते दो झपटमारों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर अपने ट्रेन का इंतजार करते यात्री रामजी प्रसाद से इन दोनो झपटमारो ने मोबाइल छीन भागने लगे। जिसके यात्री रामजी प्रसाद के द्वारा शोर करने पर प्लेटफार्म पर तैनात रेल पुलिस ने दोनों झपटमारों को रंगे हाथ धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रक्सौल थाना क्षेत्र के नवका टोला निवासी समीर हुसैन व दूसरा उसी गांव का राकेश कुमार के रूप में हुई है। उसके पॉकिट का जांच किया गया तो उनके पॉकिट से एक और चोरी का मोबाईल बरामद किया गया। लौरिया निवासी रामजी प्रसाद ने बताया कि अपनी माता का इलाज कराने आये हुए थे इलाज कराकर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार कर रहे थे तभी दो युवक मेरे हाथ से मोबाइल छीन भागने लगे तब तक पुलिस के द्वारा उन्हें पकड़ा गया। वही जीआरपी प्रभारी पवन कुमार ने बताया कि दोनों आरोपियों को कागजी कार्रवाई कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

बेतिया में आदिवासी लड़की के साथ दुष्कर्म

बेतिया। पश्चिम चंपारण ज़िला मे आदिवासी समाज की युवती के साथ दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। खाना खिलाने के लिए उसको अपने साथी के सहयोग से घर ले जाकर लड़का ने उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना बीती रात की है । पश्चिम चंपारण की पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफतार कर न्यायिक हिरासत में बेतिया जेल मंगलवार को भेज दिया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि सोमवार की रात में रामनगर नगर परिषद कार्यालय के नजदीक थी। इसी दौरान वहां जयप्रकाश पटेल व अभिषेक तुरहा पहुंचे। घर पर खाना खिलाने की बात कहने लगे। उनके कहने पर मैं खाना खाने के लिए जयप्रकाश पटेल के घर चलने के लिए तैयार हो गई। वहां पहुंचने पर जयप्रकाश पटेल ने बिछावन पर पटक कर जबरदस्ती मेरे साथ गलत करने लगा। जिसके बाद मैं चीखने चिल्लाने लगी। मेरी चीखने की आवाज सुनकर आसपास के लोग वहां पहुंच गए। लोगों ने इन दोनों को पकड़ लिया। इनको पकड़ने के बाद इसकी सूचना 112 पर पुलिस को दी गई ।

अररिया में 12 करोड़ रुपये की लागत से बकरा नदी पर बन रहा पड़रिया पुल ढहा

अररिया। बिहार में अररिया जिले के सिकटी अन्तर्गत पड़रिया में बकरा नदी पर कुल 12 करोड़ की लागत से बन रहा पुल मंगलवार को बकरा नदी में समा गया।पुल का तीन से चार पाया नदी में समा गया। पुल के नदी में समाने को लेकर सांसद प्रदीप कुमार सिंह और सिकटी भाजपा विधायक विजय कुमार मंडल ने इसे संवेदक और विभागीय लापरवाही का नतीजा करार दिया। सांसद और विधायक ने हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत में बताया कि पुल की पाइलिंग में गड़बड़ी बरतने के साथ रात में संवेदक के द्वारा गुणवत्ता विहीन काम करने का नतीजा है पुल का गिरना। सांसद ने मामले की जांच उच्च स्तरीय टीम के साथ कराने के साथ जिम्मेवार संवेदक और विभागीय अधिकारियों पर कार्रवाई की बात कही। पुल निगम के अधिकारी इस बाबत कुछ भी नहीं बोल रहे हैं। सिकटी भाजपा विधायक विजय कुमार मंडल ने संवेदक द्वारा रात के अंधेरे में पुल का निर्माण व पाइलिंग कार्य किये जाने की बात करते हुए कहा कि पुल का अगर पाइलिंग सही होता तो उसका तीन से चार पाया बकरा नदी के गर्भ में नहीं समाता। उन्होंने विभागीय अधिकारी व संवेदक के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने यहां तक कहा है कि तत्काल संवेदक व विभागीय कार्यपालक अभियंता व विभागीय अधिकारी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर विधि सम्मत कार्रवाई की जाय।

बकरा नदी पर पडरिया के पास बन रहा यह पुल जिले के सिकटी प्रखंड और कुर्साकांटा प्रखंड को जोड़ने वाला अति महत्वपूर्ण पुल था।शुरुआती दौर में यह 7 करोड़ 80 लाख की लागत का था,लेकिन बाद में नदी की धारा बदलने और एप्रोच सड़क को लेकर कुल 12 करोड़ की लागत का हो गया था।लेकिन पड़रिया पुल बनने से पहले ही अपने निर्माण के दौरान ही नदी के गर्भ में समा गया।जबकि वर्षों से स्थानीय लोगों की मांग पर सांसद प्रदीप कुमार सिंह और विधायक विजय कुमार मंडल ने अथक प्रयास से यहां पुल बनना शुरू हुआ था।

इतना ही नहीं जब यह पुल बनना शुरू हुआ तो पहली बार नदी का किनारा बाढ़ के कारण दूर हो गया। इसके बाद 12 करोड़ की लागत से नदी को किनारे तक को जोड़ने के लिए पुल का निर्माण शुरू हुआ। लेकिन विभागीय लापरवाही व संवेदक की लापरवाही के कारण पुल बकरा नदी के गर्भ में समा गया।उल्लेखनीय है कि बकरा नदी व कुर्साकांटा के बीच डोमरा बांध पर इस पुल का निर्माण हो रहा था।

सुमौती नदी में डूबने से सगे भाई-बहन की मौत

पूर्वी चंपारण। जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र स्थित बखरी पंचायत के वार्ड नंबर 13 में सुमौती नदी में डूबने से सगे भाई-बहन की मौत हो गई। घटना सोमवार शाम की है। मृतकों की पहचान बखरी निवासी राजू साह की पुत्री सोनी कुमारी (10) व पुत्र संजीत कुमार (08) के रूप में हुई है। मिली जानकारी के मुताबिक राजू साह के दोनों बच्चे सुमौती नदी के किनारे खेलने गए थे। खेलने के बाद दोनों नदी में स्नान करने उतर गये, जहां दोनों गहरे पानी में चले गये और डूबने लगे। दोनों को डूबते देख साथ गए बच्चों के शोर मचाने के बाद ग्रामीणों ने दोनों को बाहर निकाला और आनन-फानन में स्थानीय पीएचसी ले गए, जहां से डॉक्टरों ने मोतिहारी रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। कल्याणपुर थानाध्यक्ष जीतेन्द्र कुमार ने बताया कि सूचना के बाद दोनों बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर घटना की जांच की जा रही है।

पटना की सड़कों पर सर्वेक्षण अमीनों ने किया अर्धनग्न प्रदर्शन, पुलिस ने दौड़ा-दौड़ा कर पीटा

पटना। बिहार सरकार के राजस्व विभाग ने चार साल पहले संविदा के आधार पर नियुक्त किए गए 550 विशेष सर्वेक्षण अमीनों को सेवामुक्त कर दिया है। इस संबंध में विभाग ने हाल ही में सभी जिलाधिकारियों को निर्देश जारी किया था। जिसके बाद अमीनों में इस फैसले को लेकर रोष है। संविदाकर्मियों ने मंगलवार को बिहार राज्य संविदा अमीन संघ के नेतृत्व में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के आवास के बाहर धरना देना शुरू कर दिया। इस दौरान पुलिस ने समझा कर वहां से हटने की कोशिश की। लेकिन वे लोग हटने को तैयार नहीं हुए। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने उन लोगों पर लाठीचार्ज कर दिया और वहां से खदेड़ दिया। इसके कारण अफरातफरी का माहौल कायम रहा, कुछ कर्मियों को चोटें भी आईं।

अर्धनग्न होकर किया प्रदर्शन: पटना की सड़कों पर मंगलवार को सर्वेक्षण अमीनों ने भूमि राजस्व एवं पंजीकरण कार्यालय के बाहर अर्धनग्न अवस्था में प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार को इस फैसले को वापस लेना चाहिए, नहीं तो हम अपना विरोध और तेज कर देंगे। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि राज्य में सर्वेक्षण का कार्य अबतक पूरा नहीं हुआ है। फिर भी अमीनों को पद से हटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण के दौरान उन पर कई केस भी दर्ज हुआ। लेकिन वे लोग अपने कार्य पर बने रहे। चुनाव ड्यूटी में भी लगाया गया।

चार साल की सेवा के बाद बेरोजगार: एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि सरकार एक तरफ जहां नए अमीनों की नियुक्ति की बात कर रही है, वहीं दूसरी ओर हमें नौकरी से हटाया जा रहा है, जबकि हम लोगों की नियुक्ति खास तौर पर सर्वे के लिए की गई थी। हम लोग चार साल से बिहार के सभी अंचलों के बंदोबस्त कार्यालयों में अपनी सेवा दे रहे हैं। अचानक 13 जून को सभी जिलों के डीएम के पास एक पत्र आया कि बिहार के बंदोबस्त कार्यालयों में सभी 550 सर्वेक्षक अमीनों की सेवा की अब जरूरत नहीं है। 15 जून 2024 से अगले आदेश तक इनसे काम नहीं लिया जाए। अब जब हम लोग सड़क पर हैं तो हम कहां जाएं? ऐसी स्थिति में हमारे पास क्या विकल्प है? हम लोगों का भविष्य अंधेरे में चला गया। मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना एवं भविष्य बाल बच्चे का चिंता के वजह से जिंदगी मौत से जूझने का एकमात्र विकल्प बच गया, इसलिए हम प्रदर्शन कर रहे हैं।

2019 में आया था नियुक्ति का विज्ञापन : गौरतलब है कि 2019 में राजस्व विभाग ने पांच श्रेणियों में कुल 6875 रिक्तियां निकाली थी। जिसमें सर्वेक्षण अमीन के लिए भी 550 पद थे। इस पदों पर संविदा के आधार पर नियुक्ति की गई थी। सभी अमीनो ने 2021 में अपना कार्य शुरू कर दिया था। अब चार साल की सेवा के बाद सरकार सभी को सेवामुक्त कर रही है।

पूर्व विधायक बीमा भारती के बेटे की गिरफ्तारी के लिए पटना स्थित आवास पर पुलिस ने की छापेमारी

पटना। पूर्व विधायक बीमा भारती के पटना स्थित आवास पर पुलिस ने छापेमारी की। पुलिस पूर्णिया के भवानीपुर में दो जून को व्यवसायी गोपाल यादुका की दिनदहाड़े हुई हत्या मामले में बीमा भारती के बेटे को गिरफ्तार करने पहुंची थी लेकिन उनका बेटा वहां नहीं मिला। पुलिस के अनुसार बीमा भारती के पुत्र राजा कुमार ने ही व्यवसायी की हत्या के लिए पांच लाख की सुपारी दी थी। इस मामले में मंगलवार सुबह पटना स्थित बीमा भारती के आवास पर रुपौली थाना की पुलिस पहुंची।धमदाहा एसडीपीओ संजीव गोल्डी ने बताया कि पूर्व विधायक के पुत्र का नाम सामने आया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।इस मामले में गिरफ्तार बदमाशों से पूछताछ जारी है। भवानीपुर थानाध्यक्ष सुनील कुमार के मुताबिक जमीन ब्रोकर संजय भगत भी हिरासत में लिया गया है।

मेरे परिवार को फंसाने की साजिश रची जा रही है:बीमा

पूर्णिया। पूर्व मंत्री और राजद नेत्री बीमा भारती ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि उनके परिवार को फंसाने की साजिश रची जा रही है और इसमें सरकार के लोगों का हाथ है। दरअसल, रूपौली में एक व्यवसायी की हत्या के मामले में पुलिस ने बीमा भारती के पटना स्थित आवास पर छापेमारी की। इस दौरान बीमा भारती काफी आक्रोशित हो गईं और पुलिस पर जमकर बरसीं। उन्होंने कहा कि एक महिला के आवास पर बिना महिला पुलिस के घुसना कानून नहीं है। इस लिए वह मानहानि का मुकदमा दर्ज करवाएंगी। बीमा भारती का आरोप है कि पुलिस बिना नोटिस के उनके घर पहुंची और धमकी दी।

पेज एक का शेष

जमशेदपुर भाजयुमो के...

पत्र में दोनों पदाधिकारियों को तत्काल प्रभाव से पदमुक्त करते हुए निलंबित कर दिया गया है। वहीं, दोनों पदाधिकारियों को इस मामले में तीन दिनों के भीतर अपना स्पष्टीकरण लिखित में देने को कहा गया है कि क्यों नहीं आपको पार्टी से निष्कासित कर दिया जाये। भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा ने बताया कि भाजपा में अनुशासन सर्वोपरि है। अनुशासनहीनता के लिए पार्टी में कोई जगह नहीं है।

आदिवासी होने के...

उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 के चुनाव में जिस तरह हेमंत सोरेन को मजबूती के साथ सरकार बनाने का काम किया गया था। 2024 के चुनाव में और संघर्ष करने की जरूरत है। हेमंत सोरेन ने जिस लड़ाई को लड़ी है, उसे अंजाम तक पहुंचना है। झारखंड को मजबूत करना है इसके लिए आप सभी को पूरी जज्बा के साथ काम करना है। मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने लगाया हेमंत को फंसाने का आरोप : मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा कि तानाशाह शासन करने वालों के लिए सबक है। भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को फंसाने का काम किया है, ताकि सत्ता हासिल कर सकें। झारखंड की जनता हेमंत सोरेन के साथ है। उन्होंने कहा कि कल्पना सोरेन ने झारखंड की फिजा को बदलने का काम किया है। राज्य की जनता विधानसभा चुनाव में इसका जवाब देगी। 2024 से विधानसभा चुनाव में झारखंड की जनता इंडिया गठबंधन को मजबूती के साथ देगी और हेमंत सोरेन जेल से बाहर आयेंगे। कल्पना सोरेन आवाज को बुलंद करने के लिए आगे आयी है। पलामू प्रमंडल के सभी सीटों पर इंडिया गठबंधन की जीत होगी।

पहाड़ी मंदिर, लुगुबुरु...

इस पर एक बेहतर कार्य योजना बनाते हुए आगे बढ़ना पड़ेगा। राज्य में धार्मिक, आध्यात्मिक सहित विभिन्न पर्यटन के क्षेत्र मंक अनेक संभावनाएं हैं। राज्य सरकार का प्रयास है कि झारखंड भ्रमण पर जो भी पर्यटक आते हैं, वे यहां से एक बेहतर अनुभव लेकर अपने घर वापस जाएं, ताकि पर्यटन के क्षेत्र में देश और दुनिया में झारखंड की अलग पहचान बन सके। बैठक में मुख्यमंत्री ने पदाधिकारियों से कहा कि रामगढ़ के रजरप्पा एक बेहतरीन धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सके। इसके लिए जल्द से जल्द डीपीआर तैयार करें। रजरप्पा में क्या नया किया जा सकता है, उस पर भी पदाधिकारी कार्ययोजना बनाएं।

सरना धर्मस्थलों को भी प्रतिबद्धता के साथ विकसित करें : मुख्यमंत्री ने राज्य के सरना धर्मस्थलों के विकास पर भी बल दिया। मुख्यमंत्री ने पदाधिकारियों को सेरेंगदाघाटी (कोल्हान) को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत आदिवासी धर्मावलंबियों को सरना स्थल का परिभ्रमण कराना भी सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि भोगनाडीह स्थित सिदो कान्हू प्रतिमा स्थल तथा उलिहातू शहीद स्थल को प्राथमिकता के साथ विकसित करें। ये सभी स्थल झारखंड की महत्वपूर्ण विरासत हैं। इन स्थलों को संरक्षित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

सिदो कान्हू युवा खेल क्लब के गठन तथा रजिस्ट्रेशन कार्य में तेजी लाएं : मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सिदो कान्हू युवा खेल क्लब के गठन तथा रजिस्ट्रेशन कार्य में तेजी लाएं। मौके पर पदाधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि राज्य में अभी तक 27 हजार 248 सिदो कान्हू युवा खेल क्लब का गठन किया जा चुका है। इसमें लगभग 11 हजार से अधिक क्लबों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है। अब को-ऑपरेटिव के माध्यम से भी रजिस्ट्रेशन कार्य किया जाएगा, जिससे कार्य में तेजी लाया जा सकेगा।

हर हाल में खेलगांव का हो मेंटेनेंस : मुख्यमंत्री ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि रांची के खेलगांव का मेंटेनेंस हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। जिस उद्देश्य से खेलगांव का निर्माण किया गया था, उस उद्देश्य को पूरा करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। विभिन्न खेल प्रतियोगिता का आयोजन खेलगांव में आयोजित होता रहे, यह सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने आदित्यपुर-1, फुटबॉल मैदान, रामचंद्रपुर फुटबॉल मैदान तथा आदित्यपुर-2, प्रगति मैदान के निर्माण कार्य को शीघ्र प्रारंभ करने का निर्देश अधिकारियों को दिया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के समक्ष अधिकारियों द्वारा राज्य में खेलकूद की कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। खेल विभाग द्वारा बनाई गई कई महत्वपूर्ण पॉलिसी, आवासीय क्रीडा प्रशिक्षण केंद्र, डे-बोर्डिंग क्रीडा प्रशिक्षण केंद्र, सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस का संचालन, विभिन्न खेल विधाओं के लिए हाई परफॉर्मिंग सेंटर का अधिष्ठापन तथा चालू वित्तीय वर्ष में ली जाने वाली महत्वपूर्ण खेल योजनाओं सहित कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। मौके पर मुख्यमंत्री ने इस संबंध में पदाधिकारियों को कई अहम दिशा-निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, पर्यटन, कला संस्कृति, खेल-कूद एवं युवा कार्य विभाग के सचिव मनोज कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल, खेल निदेशक सुशांत गौरव, पर्यटन निदेशक अंजलि यादव सहित अन्य पदाधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

मुख्य धारा में...

डीजीपी अजय कुमार सिंह ने कहा कि यह झारखंड पुलिस और जिला पुलिस के लिए बहुत बड़ी सफलता है। पिछले दो सालों से नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें पुलिस और सुरक्षाबलों को काफी सफलता मिल रही है।

सीआरपीएफ, पुलिस, जगुआर, कोबरा द्वारा संयुक्त रूप से अभियान चलाया जा रहा है। जब तक नक्सलियों का सफाया नहीं हो जाता। नक्सली या तो हिंसा का मार्ग, हथियार छोड़कर मुख्य धारा में शामिल हो अन्यथा ऐसे ही मारे जाएंगे। सुरक्षाबलों द्वारा मार गिराया जाएगा। डीजीपी ने कहा कि देश के अति नक्सल प्रभावित जिलों में झारखंड का चाईबासा 12 वां जिला है।

साल 2022 से अबतक कुल 17 कैंपों का निर्माण किया गया : कोल्हान और सारंडा क्षेत्र में साल 2022 से अबतक कुल 17 कैंपों का निर्माण किया गया है। सरजोमबुरु में प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी का तथाकथित ईआरबी मुख्यालय हुआ करता था। चाईबासा जिला में भाकपा माओवादी और पीएलएफआई के विरूद्ध साल 2022 से अबतक कुल 5972 अभियान संचालित किया गया है। अभियान के दौरान वर्ष 2022 से अबतक कुल 169 नक्सलियों (116 माओवादी/53 पीएलएफआई उग्रवादी) को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान मुठभेड़ के दौरान कुल छह नक्सलियों को मारा गया है। साथ ही विभिन्न प्रकार के कुल 53 हथियार, 409 आईडी,167 स्पाइक होल बरामद किया गया। साथ ही 34 नक्सल कैंप को ध्वस्त किया गया।

बुढ़मू पुलिस ने...

सूचना मिलने के बाद में डीएसपी खलारी के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया। इसके बाद पुलिस दलबल के साथ उमेडंडा शिव मंदिर के पास पहुंची। पुलिस को देखते ही बादल और प्रिंस भागने लगे। जिसे पुलिस बल के सहयोग से हथियार और मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया गया।

दोनों पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं : बादल गंझू पर बड़कागांव, केरेडारी और पतरातु थाना क्षेत्र में रंगदारी वसूलने, अवैध हथियार रखने और पुलिस बल पर हमला करने सहित कई अन्य आरोपों में मामला दर्ज है। वहीं प्रिंस जयसवाल पर बुढ़मू थाना में लूटपाट करने सहित अन्य आरोपों में मामला दर्ज है। छापेमारी दल में डीएसपी रामनारायण चौधरी, थाना प्रभारी रामजी कुमार, पुअनि संजीव कुमार, सअनि आशीष रंजन, रघुनंदन मंडल और संतोष दास शामिल हैं। हाल के समय में पुलिस और सुरक्षाबलों को नक्सलियों के खिलाफ सफलता हाथ लगी है।

जेपीएससी सिविल...

मुख्य परीक्षा के ऑनलाइन आवेदन में भाषा एवं साहित्य विषय के लिए चयनित विषय के आधार पर ही प्रवेश पत्र निर्गत किये गये हैं। इसके आधार पर ही मुख्य परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दी जायेगी। अभ्यर्थी पंजीयन संख्या एवं जन्म तिथि डाल कर एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। अभ्यर्थी की सुविधा के लिए आयोग ने हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। एडमिट कार्ड डाउनलोड नहीं होने पर अभ्यर्थी 21 जून तक आयोग के पूछताछ काउंटर पर अपना नाम, पिता का नाम, जन्म तिथि एवं पंजीयन संख्या के साथ आवेदन देकर एडमिट कार्ड प्राप्त कर सकते हैं।

प्रत्येक पाली के लिए एक ही उत्तर पुस्तिका मिलेगी : आयोग के निर्देश के आलोक में अभ्यर्थी को प्रत्येक पाली के लिए एक ही उत्तर पुस्तिका दी जायेगी। उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर दिये गये ओएमआर पर आवश्यक जानकारियां लिखेंगे। अभ्यर्थी को सभी पत्र की परीक्षा में शामिल होना अनिवार्य होगा। ऐसा नहीं करने पर मुख्य परीक्षा की मेधा सूची में शामिल नहीं किया जायेगा। परीक्षा केंद्र पर परीक्षा शुरू होने से 30 मिनट पहले पहुंचना होगा। परीक्षा आरंभ होने के 15 मिनट के बाद प्रवेश की अनुमति नहीं मिलेगी। नकल करने, बाधा पहुंचाने, उत्तरपुस्तिका फाड़ने या लेकर भागने पर दंडात्मक कार्रवाई होगी।

राहुल गांधी ने...

प्रियंका गांधी ने सोमवार को कहा था कि वह वायनाड से उपचुनाव लड़ेंगी, लेकिन अमेठी और रायबरेली से उनका दशकों पुराना नाता जारी रहेगा। अगर प्रियंका गांधी वायनाड से चुनाव जीतती हैं, तो गांधी परिवार के तीन सदस्य संसद में होंगे। राज्यसभा में सोनिया गांधी और लोकसभा में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी।

उत्तर प्रदेश में खोई जमीन पा रही कांग्रेस : कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से जीती हुई दो सीटों में से एक से इस्तीफा देने के बाद अब लोकसभा में कांग्रेस के सदस्यों की संख्या 98 हो गई है। वायनाड सीट 18वीं लोकसभा में उपचुनाव वाली पहली सीट होगी। इस लोकसभा चुनाव के नतीजों को देखें तो कांग्रेस उत्तर प्रदेश में अपनी खोई हुई जमीन वापस पाती नजर आ रही है। पार्टी के यूपी में 17 सीटों पर चुनाव लड़ा, जिसमें से छह सीटों पर उनके उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की।

उत्तर प्रदेश की रायबरेली लोकसभा सीट गांधी परिवार के गढ़ों में से एक है, जिसका लंबे समय तक प्रतिनिधित्व राहुल गांधी की मां सोनिया गांधी ने किया था। गांधी परिवार ने अब तक रायबरेली में हुए 20 लोकसभा चुनावों में से 17 में जीत हासिल कर चुका है। राहुल ने रायबरेली में बीजेपी के दिनेश प्रताप सिंह को 3 लाख 90 हजार 30 वोटों से तो वायनाड में सीपीआई उम्मीदवार एनी राजा को 3 लाख 64 हजार 422 वोटों से हराया।

30 जून से फिर...

आखिरी बार 25 फरवरी को प्रसारित किया गया : उन्होंने कहा, ''मैं आप सभी से इसके लिए अपने विचार और सुझाव साझा करने का आह्वान करता हूं।'' प्रधानमंत्री मोदी का यह मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' आखिरी बार 25 फरवरी को प्रसारित किया गया था और फिर लोकसभा चुनाव संपन्न होने तक इसके प्रसारण पर विराम लगा दिया गया था।

पहला वोट देश के नाम होना चाहिए : कार्यक्रम के 110वें संस्करण में मोदी ने पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं से चुनाव में रिकॉर्ड संख्या में मतदान करने की अपील की थी और कहा था कि उनका पहला वोट देश के नाम होना चाहिए। निर्वाचन आयोग की आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के दिशा निर्देश के अनुसार सरकार की ओर से आधिकारिक कार्यक्रमों या सार्वजनिक वित्त पोषित मंचों का उपयोग किसी ऐसी चीज के लिए नहीं हो सकता है, जिससे सत्तारूढ़ पार्टी का प्रचार हो या उसे राजनीतिक लाभ मिलता दिखाई दे।

राज्य के खजाने पर पहला अधिकार आपदा पीड़ितों का : नीतीश कुमार

- मुख्यमंत्री ने मंगलवार को संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ के पूर्व तैयारियों की समीक्षा की

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ के पूर्व तैयारियों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के जिलाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक भी जुड़े रहे।

समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि राज्य के खजाने पर पहला अधिकार आपदा पीड़ितों का है। राज्य सरकार बाढ़ और सुखाड़ की स्थिति में प्रभावितों को हरसंभव मदद करती है, इसे ध्यान में रखते हुये सभी संबद्ध विभाग और अधिकारी सतर्क रहें।

मुख्यमंत्री ने निर्देश देते हुये कहा कि बाढ़ और सुखाड़ दोनों की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए सभी विभाग के अधिकारी और जिलाधिकारी पूरी तरह अलर्ट रहें। आपदा प्रबंधन विभाग सतत् अनुश्रवण करते रहे कि और क्या-क्या करने की जरूरत है ताकि लोगों को कोई दिक्कत नहीं हो। उन्होंने कहा कि भू-जलस्तर पर नजर रखें और पेयजल का इंतजाम रखें। हर घर नल का जल योजना से लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है, इसे पूरी तरह मेंटेन रखें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत जल संरक्षण को लेकर कार्य किए जा रहे हैं, इसकी भी सतत् निगरानी करें और इसे बेहतर ढंग से क्रियान्वित करें। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष गर्मी ज्यादा है। इसे ध्यान में रखते हुये सभी प्रकार की तैयारी रखें और लोगों को सचेत करें। हर चीज पर नजर रखनी है और पूरी तरह से सतर्क रहना है। मुस्तैदी के साथ सभी लोग लगे रहेंगे तो आपदा की स्थिति में लोगों को राहत मिलेगी। सभी संबद्ध विभाग जिलाधिकारियों के साथ बैठक कर वस्तु स्थिति की जानकारी लें और उसके आधार पर कार्य करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिलाधिकारी अपने-अपने जिलों की स्थिति का आकलन करें उसके अनुसार सभी प्रकार की तैयारियां पूर्ण रखें। जिलाधिकारी क्षेत्रों में जाएं और वस्तु स्थिति की जानकारी लें।

जम्मू-कश्मीर में डिजिटल क्रांति, बकरीद के दिन 11,567 करोड़ रुपये का हुआ लेन-देन

जम्मू। जम्मू-कश्मीर बैंक ने क्षेत्र में डिजिटल बैंकिंग क्रांति का नेतृत्व करना जारी रखा है। बकरीद त्यौहार से पहले पिछले सप्ताह अपने डिजिटल चैनलों के माध्यम से 11,567 करोड़ रुपये का लेन-देन दर्ज किया। पिछले सात दिनों में जम्मू-कश्मीर बैंक के यूपीआई लेन-देन ने भी 3,200 करोड़ रुपये की नई ऊंचाई को छुआ। दूरदराज के क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने वाले बैंक के व्यापक बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट नेटवर्क ने निर्बाध ग्राहक सेवा सुनिश्चित करते हुए 1,000 करोड़ रुपये के लेन-देन दर्ज किए। हाल ही में क्यूआर कोड के साथ एमपे डिलाइट के एकीकरण ने ग्राहक अनुभव को और बेहतर बनाया है। कपड़ा व्यापारी मोहम्मद आकिब ने कहा कि बैंक के डिजिटल चैनलों ने त्यौहारों के दौरान व्यवसायों के लिए जीवन को आसान बना दिया है। उन्होंने कहा, जब डिजिटल बैंकिंग निर्बाध रहती है, तब यह वास्तव में खुशी लाती है। इस तरह अक्सा नमकीन के मोहम्मद ने कहा कि बैंक की प्रणाली की समस्याएं अब इतिहास बन चुकी हैं, उन्होंने कहा कि उन्हें याद नहीं है कि आखिरी बार किसी ग्राहक को एमपे के साथ समस्या का सामना कब करना पड़ा था। जेएंडके बैंक के डीजीएम मोहम्मद मुजफ्फर वानी ने एमडी और सीईओ बलदेव प्रकाश के नेतृत्व में डिजिटल पर बैंक के फोकस को सफलता का श्रेय दिया।

बच्चों को पता होना चाहिए बाबरी मस्जिद का सच : असदुद्दीन ओवैसी

हैदराबाद। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि देश के बच्चों को पता होना चाहिए कि सुप्रीम कोर्ट ने बाबरी मस्जिद गिराने की घटना को बेहद खराब आपराधिक कृत्य कहा था। औवैसी ने एनसीईआरटी की किताबों में बाबरी मस्जिद की जगह तीन गुंबदों वाला ढांचा शब्दों के इस्तेमाल के फैसले पर प्रतिक्रिया देकर यह बात कही। ओवैसी ने लिखा, एनसीईआरटी ने बाबरी मस्जिद की जगह तीन गुंबदों वाला ढांचा इस्तेमाल करने का फैसला किया है। एनसीईआरटी ने अयोध्या पर फैसले को सर्वसम्मति का उदाहरण बताने का भी फैसला किया है। देश के बच्चों को पता होना चाहिए कि सुप्रीम कोर्ट ने बाबरी मस्जिद गिराए जाने की घटना को बेहद खराब आपराधिक कृत्य बताया था। उन्होंने कहा, बच्चों को पता होना चाहिए कि 1949 में कैसे एक मस्जिद का अपमान किया गया और 1992 में उस मस्जिद को गिरा दिया गया। उन्हें आपराधिक कृत्य का महिमामंडन करते हुए बड़ा नहीं होना चाहिए। इसके पहले एनसीईआरटी निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी द्वारा बाबरी मस्जिद और गुजरात दंगों के बारे में पाठ्य पुस्तकों में किये गये बदलावों का बचाव किये जाने के बारे में ओवैसी ने कहा था, जो इतिहास से सबक नहीं सीखता उसका उसी इतिहास से दोबारा सामना होना तय है।

असम में बाढ़ से स्थिति हुई खराब, एक लाख से अधिक लोग प्रभावित

गुवाहाटी। असम में बाढ़ की स्थिति और खराब हो गई। यह आठ जिलों में 1.05 लाख से अधिक लोग बाढ़ की चपेट में आ गए। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) की दैनिक रिपोर्ट के अनुसार, बक्सा, बारपेटा, दरांग, धेमाजी, गोलपारा, करीमगंज, नागांव और नलबाड़ी जिलों में बाढ़ के कारण 1,05,700 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। इसमें करीमगंज सबसे बुरी तरह प्रभावित है, जहां 95,300 से अधिक लोग पीड़ित हैं, इसके बाद नागांव है जहां लगभग 5,000 लोग प्रभावित हुए हैं और धेमाजी में 3,600 से अधिक लोग बाढ़ के पानी में फंसे हुए हैं। राज्य के केवल चार जिलों में लगभग 6,000 लोग बाढ़ के पानी से पीड़ित थे। इस साल बाढ़, भूस्खलन और तूफान में जान गंवाने वाले लोगों की कुल संख्या 34 है। प्रशासन एक जिले में 11 राहत शिविर चला रहा है, जहां 3,168 लोगों ने शरण ली है, और एक जिले में तीन राहत वितरण केंद्र चला रहा है। प्राधिकरण ने पिछले 24 घंटे के दौरान बाढ़ पीड़ितों के बीच 21.5 क्विंटल चावल, 3.81 क्विंटल दाल, 1.14 क्विंटल नमक और 114 लीटर सरसों तेल वितरित किया है। एएसडीएमए ने बताया कि वर्तमान में, 309 गांव पानी में डूबे हैं और राज्य भर में 1,005.7 हेक्टेयर फसल क्षेत्र क्षतिग्रस्त हो गया है। बोंगाईगांव, चिरांग, धेमाजी, गोलपारा, होजई, नागांव, तामुलपुर, दरांग, नलबाड़ी, लखीमपुर और उदलगुरी में बाढ़ के पानी से तटबंध, सड़कें, पुल और अन्य बुनियादी ढांचे क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

नागपुर में फुटपाथ पर सो रहे लोगों को कार ने कुचला, दो की मौत, 15 घायल

नागपुर। पुणे की पोर्श कांड के बाद महाराष्ट्र के नागपुर में फिर दिल दहला देने वाली घटना घटी। नशे में चूर एक शख्स ने फुटपाथ पर सो रहे लोगों पर अपनी कार से कुचल दिया। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। वही 15 घायल हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक कार में छह लोग सवार थे, जो एक ढाबे पर पार्टी करने के बाद लौट रहे थे वह सभी नशे में थे। रविवार देर रात कार नागपुर में दिघोरी टोल प्लाजा के पास फुटपाथ पर चढ़ गई और वहा सो रहे लोगों को कुचलती हुई निकल गई। इसके बाद वहां चीख पुकार मच गई। सूचना पर पुलिस ने गाड़ी चला रहे भूषण लांजेवार और उसके दोस्तों वंश जादे, सन्मय पत्रिकर, अथर्व वनायत, अथर्व मोगरे और ऋषिकेश चौबे को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि लांजेवार और उसके दोस्त सभी इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे हैं या इंजिनियरिंग कर चुके हैं। उन पर गैर इरादतन हत्या और अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। दो दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। बताया जा रहा है कि टोल प्लाजा के पास तेज गति से आ रही कार को रोकने के प्रयास में दो पुलिस अधिकारी बाल-बाल बच गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार पहले खड़ी स्विफ्ट डिजायर से टकराई, जिससे हुंडई वर्ना का आगे का बायाँ टायर फट गया। इससे लांजेवार का नियंत्रण कार पर खो गया और वह फुटपाथ पर चढ़ गई, जहां एक परिवार सो रहा था। मृतकों की पहचान 42 वर्षीय कांतिबाई बागड़िया और 30 वर्षीय सीताराम बागड़िया के रूप में हुई है। घायलों में से सात की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि आठ अन्य को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने बताया कि कार चला रहे लांजेवार और उसके दोस्त नशे में चूर थे। सभी आरोपियों के ब्लड सैंपल फोरेंसिक लैब भेजे दिए हैं। पुलिस के मुताबिक युवक हुडकेश्वर में एक ढाबे पर शराब पीकर ज़ेड का जन्मदिन मना रहे थे और फिर नागपुर के बाहरी इलाके में मौज-मस्ती करने निकल पड़े। निरीक्षक दिघे ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज और गाड़ी के रजिस्ट्रेशन नंबर के जरिए चालक का पता लगाया गया। पुलिस ने आरटीओ विशेषज्ञों द्वारा निरीक्षण के लिए कार को जब्त कर लिया है।

नीतीश की सुशासन बाबू की छवि को डैमेज करने में जुटे तेजस्वी यादव

पटना। लोकसभा चुनाव में अपेक्षित सफलता नहीं मिलने पर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। नीतीश कुमार के सुशासन की छवि से पार पाने के लिए राजद के द्वारा कानून-व्यवस्था को मुद्दा बना रहा है। राजद नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने पार्टी पर लगे जंगलराज के दाग मिटाने की तैयार कर ली है। वे अब नीतीश के सुशासन बाबू की इमेज पर ही हमला कर रहे हैं। तेजस्वी इन दिनों सोशल मीडिया अकाउंट पर लगातार कानून-व्यवस्था को लेकर सत्ता पक्ष पर हमलावर हैं। लोकसभा चुनाव में तेजस्वी ने 250 से अधिक सभाएं कीं, लेकिन महागठबंधन के तहत वह चार सीटें ही जीत सकी, जबकि नीतीश की पार्टी जदयू 12 सीटें जीतकर किंगमेकर साबित हुई। स्थिति ऐसी बन गई कि भाजपा ने अभी से 2025 के विधानसभा चुनाव के लिए नीतीश कुमार के नेतृत्व को स्वीकार कर लिया। दूसरी ओर, तेजस्वी कमजोर साबित हुए। उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान एनडीए के नेताओं ने लालू यादव के शासनकाल में फैले जंगल राज की याद दिलाई और उसका लाभ भी एनडीए को मिला। माना जा रहा हैं कि राजद के नेताओं के ऊपर लगे भ्रष्टाचार और जंगलराज के आरोपों का नुकसान महागठबंधन को हुआ है। बिहार की राजनीति से जुड़े पत्रकार कहते हैं कि राजद पर लगे आरोपों का लाभ एनडीए को हुआ है। इसके बाद राजद के नेताओं ने विधानसभा चुनाव में इससे पार पाने की योजना पर अभी से काम शुरू कर दिया है। राजद यह साबित करने की कोशिश कर रहा है कि आज के दौर में कानून-व्यवस्था की स्थिति ज्यादा खराब है।

संघ प्रमुख ने दिया टास्क, एक्शन में शाह मैतेयी और कुकी समुदाय से होगी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि गृह मंत्रालय मणिपुर में जातीय विभाजन को पाटने के लिए मैतेयी और कुकी दोनों समुदायों से जल्द ही बात करेगा। मणिपुर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा कर केंद्रीय मंत्री शाह ने निर्देश दिया कि पूर्वोत्तर राज्य में हिंसा फैलाने वालों के खिलाफ कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि अगर जरूरत होने पर केंद्रीय बलों की तैनाती बढ़ाई जाएगी। केंद्रीय मंत्री शाह ने जिस तरह से मणिपुर हिंसा को लेकर हाईलेवल मीटिंग की इस मीटिंग को संघ प्रमुख मोहन भागवत के बयान से जोड़कर देखा जा रहा।

दरअसल संघ प्रमुख मोहन भागवत ने 10 जून को नागपुर में मणिपुर को लेकर कमेंट किया था। उन्होंने कहा कि मणिपुर पिछले एक साल से शांति स्थापित होने की प्रतीक्षा कर रहा। दस साल पहले मणिपुर में शांति थी। तब ऐसा लगा था कि वहां बंदूक संस्कृति खत्म हो गई है, लेकिन राज्य में अचानक हिंसा बढ़ गई है। मणिपुर की स्थिति पर प्राथमिकता के साथ विचार करना होगा। भागवत के बयान के बाद अब शाह ने अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। शाह ने सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि राज्य में हिंसा की कोई और घटना नहीं होनी चाहिए। यही नहीं गृह मंत्रालय दोनों समूहों, मैतेयी और कुकी से बात करेगा, ताकि जातीय विभाजन को जल्द से जल्द पाटा जा सके। उन्होंने मणिपुर के मुख्य सचिव को विस्थापित लोगों के लिए उचित स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाएं, उनका पुनर्वास सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार पूर्वोत्तर राज्य के सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। शाह ने भले ही अधिकारियों से हालात को संभालने के लिए सख्त निर्देश दिए हों लेकिन हर किसी के मन में सवाल यही है कि मणिपुर में दो मूल समुदायों मैतेयी और कुकी के बीच विवाद की वजह क्या है?

बहुसंख्यक मैतेयी समुदाय को मणिपुर हाईकोर्ट से अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग के विरोध में राज्य के पहाड़ी जिलों में आदिवासी कुकी ने एकजुटता मार्च निकाला। इसके बाद भड़की हिंसा ऐसी शक्ल लेगी, किसी ने नहीं सोचा था। कुकी और मैतेयी समुदायों के 220 से अधिक लोग और सुरक्षाकर्मी मारे जा चुके हैं। मणिपुर में जनजातियों का आपसी संघर्ष कोई नया नहीं है लेकिन ऐसा पहली बार हुआ कि दो समुदायों में इतनी गहरी खाई बन गई जो लगातार बढ़ती जा रही। कुकी और नागा जनजाति दोनों मिलकर मणिपुर की कुल जनसंख्या का लगभग 40 फीसदी (25 प्रतिशत और 15प्रतिशत) हैं। दोनों ईसाई हैं और उन्हें जनजाति का दर्जा और आर्थिक आरक्षण की सुविधा प्राप्त है। मैतेयी समुदाय जनसंख्या के 50 फीसदी से थोड़े अधिक हैं और अधिकांश हिंदू हैं। मैतेयी जनसंख्या का 8 फीसदी मुस्लिम हैं जिसे 'मैतेई पंगल' कहते हैं। मणिपुर में मैतेयी समुदाय का दबदबा है। इस समुदाय के ज्यादातर लोग इंफाल वैली में ही रहते हैं।

नीट पर राहुल गांधी ने भाजपा पर बोला हमला, कहा

योजनाबद्ध तरीके से हुआ संगठित भ्रष्टाचार

नई दिल्ली। नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को फिर सवाल उठाए हैं। राहुल गांधी ने कहा कि बिहार, गुजरात और हरियाणा में हुई गिरफ्तारियों से साफ है कि परीक्षा में योजनाबद्ध तरीके से संगठित भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने आरोप लगाकर कहा कि भाजपा शासित राज्य पेपर लीक का एपिसेंटर बन चुके हैं। नीट में 24 लाख से अधिक छात्रों के भविष्य के साथ हुए खिलवाड़ पर भी नरेंद्र मोदी हमेशा की तरह मौन धारण किए हुए हैं। अब विपक्ष की जिम्मेदारी निभाकर देशभर के युवाओं की आवाज सड़क से संसद तक मजबूती से उठाएंगे। उन्होंने कहा कि हम मोदी सरकार पर दबाव डालकर कठोर नीतियों के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं। कांग्रेस ने नीट को लेकर स्वतंत्र फॉरेंसिक जांच की मांग की है। कांग्रेस ने उदाहरण देकर कहा कि इस वर्ष नीट में 600 अंक पाने वाले उम्मीदवारों की संख्या 80,468 है। जबकि, सरकारी मेडिकल कॉलेजों में केवल 55,000 सीटें हैं, इसके बाद ये छात्र सरकारी कॉलेजों में कैसे दाखिला पा सकते हैं। कांग्रेस की मांग हैं कि मोदी सरकार और शिक्षा मंत्री को नीट घोटाले में सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी में स्वतंत्र फॉरेंसिक जांच का आदेश देना चाहिए। पीएम मोदी भी इस विषय पर अपना वक्तव्य दें। कांग्रेस ने कहा है कि कई छात्र थे, जिन्हें 12वीं पास करने के लिए संघर्ष करना पड़ा। लेकिन, नीट में वही छात्र बेहतरीन अंक लाए हैं।

दिल्ली में भीषण गर्मी से लोग परेशान कल से भारी बारिश की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में कई स्थानों पर लू चलेगी और राजधानी क्षेत्र में अधिकांश स्थानों पर भीषण लू चलेगी। लोगों की दिन के साथ साथ रातें गर्म हवाओं के चलने से बेचैनी में गुजरेंगी। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि बुधवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस, जबकि न्यूनतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने कहा कि कहा कि लू की तीव्रता में कमी आएगी। हिमाचल प्रदेश और बिहार के अलग-अलग हिस्सों में हीटवेव से लेकर गंभीर हीटवेव की स्थिति बन रही है। मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की है कि पश्चिम बंगाल और सिक्किम, असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में शुक्रवार तक और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बुधवार तक भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। इसने गुरुवार और शुक्रवार को ओडिशा में अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश की भी भविष्यवाणी की है। दिल्लीवासी भीषण गर्मी से जूझ रहे हैं। तापमान अभूतपूर्व स्तर तक बढ़ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली के कई मौसम केंद्रों ने मौसमी औसत से काफी ऊपर तापमान दर्ज किया। शहर के प्राथमिक मौसम केंद्र सफदरजंग में अधिकतम तापमान 45.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो जून के मध्य के सामान्य तापमान 38.8 डिग्री सेल्सियस से 6.4 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है।

पालम में अधिकतम तापमान 46.0 डिग्री सेल्सियस के साथ रहा, और रिज क्षेत्र में तापमान लगातार दूसरे दिन 46.3 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जो सामान्य से करीब 8 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। शहर के लोधी रोड और आयानगर में तापमान 45.6 डिग्री सेल्सियस और 46.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लू ने लोगों को बहुत प्रभावित किया है और इससे बीमारियां पैदा हुई हैं, स्थिति में सुधार होने से पहले अगले दो दिनों तक यह स्थिति जारी रहने की उम्मीद है। 18 जून से 20 जून तक उत्तर पश्चिम भारत में एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो जाएगा। इससे राहत मिलने की उम्मीद है। इससे दिल्ली में छिटपुट बारिश होने का अनुमान है, जिससे संभावित रूप से उमस भरी गर्मी से राहत मिल सकती है। इसके अतिरिक्त, हवा की गति 40 किमी प्रति घंटे तक बढ़ने की संभावना है, जिससे दमघोंटू स्थितियों से कुछ आवश्यक राहत मिलेगी। शहर में कुछ दिनों से भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है, अधिकारियों ने हाइड्रेटेड रहने, सीधे सूर्य के संपर्क से बचने और गर्मी से संबंधित बीमारियों से सावधान रहने के महत्व पर जोर दिया है। पश्चिमी विक्षोभ से अपेक्षित राहत के साथ, दिल्लीवासी मामूली ठंडक की उम्मीद कर सकते हैं छिटपुट बारिश और तेज़ हवाओं से मौजूदा गर्मी से राहत मिल सकती है।

कुर्सी की पेटी बांध लीजिए, इस बार बढ़ने वाला है सदन का तापमान : कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा का अगला अध्यक्ष कौन होगा, इन अटकलों के बीच कांग्रेस का कहना है कि कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन स्पीकर बने और कौन डिप्टी स्पीकर बने। मंगलवार को कांग्रेस ने कहा कि अब वे संसद का सदन उस तानाशाही से नहीं चला पाएंगे, जैसे पहले चलाया जाता था। जिस सदन में सरकार पहले राहुल गांधी को ही नहीं संभाल पा रही थी, अब उसी सदन में प्रियंका गांधी भी आ रही हैं। इंडिया गठबंधन के बड़े-बड़े प्रबल नेता, प्रखर वक्ता सब आने वाले हैं। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि कुर्सी की पेटी बांध लीजिए, क्योंकि इसबार सदन का तापमान जबरदस्त बढ़ने वाला है। अब कोई फर्क नहीं पड़ता स्पीकर कौन बने और डिप्टी स्पीकर कौन बने। कांग्रेस ने केंद्र से प्रश्न किया कि देश में लगातार रेल हादसे हो रहे हैं। इसके बाद में रेलवे की सुरक्षा को लेकर क्या बदलाव किए गए हैं? वर्ष 2014 से 2023 तक 1,017 रेल दुर्घटनाएं हुई हैं। हर महीने 11 रेल दुर्घटनाएं और हर तीसरे दिन एक रेल दुर्घटना हुई हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया ने कहा कि रेल, सरकार की प्राथमिकता में ही नहीं है। जो देश के रेल मंत्री हैं, वहीं आईटी और इलेक्ट्रॉनिक के भी मंत्री बने हुए हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्री भी वहीं हैं। महाराष्ट्र के प्रभारी भी बने हुए हैं। इसका मतलब यही है कि रेलवे सरकार की प्राथमिकता में ही नहीं है। कंचनजंगा एक्सप्रेस के दुर्घटनाग्रस्त होने पर मोदी सरकार को घेरते हुए कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि यह दुर्घटनाएं केंद्र सरकार की रेल के प्रति जवाबदेही और लोगों की सुरक्षा के प्रति सरकार के रवैए को दिखाती है।

पंजाब में अकाली दल की खामियों से जीते दो खालिस्तान समर्थक : रंधावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब के पूर्व उप मुख्यमंत्री और गुरदासपुर से कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने तल्ख टिप्पणी कर कहा है कि पंजाब आम आदमी पार्टी (आप) की जागीर नहीं है। उन्होंने खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के हत्यारे बेअंत सिंह के बेटे सरबजीत सिंह खालसा के चुनाव जीतने के लिए अकाली दल को जिम्मेदार माना है। कांग्रेस सांसद रंधावा ने कहा कि आम चुनावों में अकाली दल की शिथिलता और नाकामी से पैदा हुई शून्यता के कारण ही खालिस्तान समर्थक और आतंकी सोच के लोगों की जीत हो सकी है। इंटरव्यू में कांग्रेस नेता रंधावा ने कहा कि जिस तरह गांधी परिवार के बिना कांग्रेस एकजुट नहीं रह सकती, ठीक उसी तरह बादल परिवार के बिना अकाली दल की एकजुटता असंभव है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनावों में राज्य में कांग्रेस और बेहतर कर 13 में से 11 सीटें जीत सकती थीं लेकिन पार्टी कार्यकर्ताओं में आत्मविश्वास की कमी के कारण पार्टी सात सीट ही जीत सकी। रंधावा ने कांग्रेस के वोट प्रतिशत में आई गिरावट पर भी चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि 2019 में पार्टी को 40.12 फीसदी वोट मिले थे जो इस बार गिरकर 26.3 फीसदी रह गया। कांग्रेस नेता रंधावा ने सवालिया लहजे में कहा कि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर को यह जवाब देना होगा और आत्ममंथन भी करना होगा कि उन्होंने टकसाली अकालियों को क्यों नजरअंदाज किया। उन्होंने कहा कि कमजोर अकाली दल का मतलब कमजोर पंजाब होगा। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अकाली दल की कमजोरी के कारण ही सरबजीत सिंह खालसा और अमृतपाल की जीत हुई है। रंधावा ने कहा कि अकाली दल से नाराजगी और उसकी निष्क्रियता के कारण ही नाराज पंथक वोट अमृतपाल जैसों को मिल सका। उन्होंने कहा कि सिख समुदाय के हितों की वकालत करना और सिख युवाओं को सिखी स्वरूप में लाना अकाली दल की जिम्मेदारी थी लेकिन उसका शिथिलता की वजह से ये जिम्मेदारियां अमृतपाल सिंह ने ले ली, जिसका लाभ मिला।

नहीं रुकेगा बुलडोजर : अब रहीम और अबरारनगर की बारी

लखनऊ (एजेंसी)। अकबरनगर में हुए बुल्डोजर एक्शन के बाद भी अभी राजधानी लखनऊ में कई और अवैध कॉलोनियां गिराई जाएगी। कुकरैल नदी के किनारे बसाई गई अवैध रहीम नगर और अबरार नगर में भी बुलडोजर चलेगा। कुकरेल नदी के किनारे यानी सिंचाई विभाग की जमीन पर बने अवैध मकानों पर जल्द ही बुलडोजर चलेगा। कुकरेल नदी को जीणोद्धार करने की प्रक्रिया में नदी के आसपास के सभी अतिक्रमण को हटाने की तैयारी में योगी सरकार जुट गई है।

दरअसल, बीते कई दिनों सिंचाई विभाग की टीम रहीम नगर और अबरार नगर में सर्वे कर रही थी। सर्वे का काम लगभग पूरा हो चुका है। एक-दो दिन के अंदर लिस्ट अवैध मकानों की यानी अतिक्रमण का एलडीए को सौंप देगी। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष इंद्रमणि त्रिपाठी का कहना है कि अगले एक-दो दिन के अंदर हमें सिंचाई विभाग वह लिस्ट सौंप देगी, जिनके मकान पर बुल्डोजर चलने हैं, यानी जो अवैध रूप से बने हुए हैं पहले हम उन मकान यानि अवैध मकान के मालिकों से बातचीत करने वाले हैं। पीएम आवास योजना के तहत मकान देने को लेकर उनसे बात होगी और फिर करवाई होगी। स्थानीय लोगों का भी कहना है कि सिंचाई विभाग की टीम आई है। लगातार सर्वे कर रही है। कईयों को नोटिस भी दिया गया है।

उधर, मंगलवार को लगातार नौंवे दिन अकबरनगर में बुलडोजर एक्शन लगातार जारी है। आज शाम तक अकबरनगर के सभी अवैध मकान तोड़ दिए जाएंगे। यहां 1800 अवैध मकान थे। मौके पर बिना किसी विवाद हुए बिना इन सभी मकानों को एलडीए ने ध्वस्त कर दिया। आज शाम तक जैसे ही सभी मकान टूट जाएंगे उसके बाद मलवा हटाने का काम चलेगा। इसके लिए भी एलडीए ने टेंडर कर दिया है। त्रिपाठी बताते हैं कि आज शाम तक अकबरनगर में दोनों अवैध मकान तोड़ दिए जाएंगे। उसके बाद कल से मलवा हटाने का काम जारी रहेगा।

दलाई लामा से मिलने धर्मशाला पहुंचीं पूर्व हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी

धर्मशाला (एजेंसी)। पूर्व हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी सहित वरिष्ठ अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को भारत पहुंचा, जहां वे धर्मशाला में तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा से मुलाकात करेगा। नैन्सी पेलोसी ने कहा कि यह बहुत रोमांचक क्षण है...। हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के रिपब्लिकन अध्यक्ष, माइकल मैककॉल, भारत में द्विदलीय कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। उनकी उड़ान दिल्ली हवाई अड्डे पर नहीं उतरी, जबकि अधिकांश उच्च-स्तरीय अधिकारियों की उड़ानें निर्धारित स्थान पर जाने से पहले ही उतर गईं। पेलोसी कांगड़ा हवाई अड्डे पर उतरीं और केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

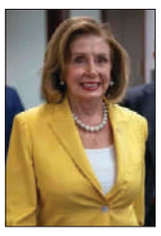

प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रतिनिधिमंडल में स्पीकर एमेरिटा नैन्सी पेलोसी (डी-सीए), हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी रैंकिंग सदस्य ग्रेगरी डब्ल्यू मीक्स (डी-एनवाई), हाउस रूल्स कमेटी के रैंकिंग सदस्य जिम मैकगवर्न (डी-एमए), इंडो-पैसिफिक रैंकिंग पर हाउस फॉरेन अफेयर्स उपसमिति के सदस्य अमी बेरा (डी-सीए), और प्रतिनिधि मारियानेट मिलर-मीक्स (आर-आईए), और निकोल मैलियोटाकिस (आर)-एनवाई) शामिल हैं। मैककॉल ने कहा कि तिब्बती लोकतंत्र-प्रेमी लोग हैं जो अपने धर्म का स्वतंत्र रूप से पालन करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, इस यात्रा से तिब्बत को अपने भविष्य में अपनी बात कहने के लिए अमेरिकी कांग्रेस में द्विदलीय समर्थन को उजागर करना चाहिए। रैंकिंग सदस्य मीक्स ने कहा, मैं अमेरिका-भारत संबंधों के लिए मजबूत द्विदलीय समर्थन प्रदर्शित करने के लिए चेयरमैन मैककॉल और स्पीकर एमेरिटा पेलोसी के साथ जुड़ने के लिए उत्सुक हूं।

मौसम विभाग ने दिया अपडेट : अटका नहीं चल पड़ा है मानसून

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में इनदिनों पड़ रही प्रचंड गर्मी और हीट वेव के बीच मानसून का बेसब्री से इंतजार हो रहा है। केरल में समय से पहले पहुंचा मानसून, मुंबई को भी समय पहले पहुंचकर सराबोर कर चुका है। इसके बाद बारी गुजरात की थी जहां भी खूब बरसा। अब कहा जा रहा है कि गुजरात में मानसून अटक गया है। वह अपनी रफ्तार से आगे नहीं बढ़ रहा है। इसकी वजह से उत्तर भारत के इलाकों को बारिश का इंतजार करना पड़ रहा है। यूपी-बिहार से लेकर दिल्ली-एनसीआर तक अभी भयंकर गर्मी पड़ रही है। भीषण गर्मी और बारिश की संभावनाओं पर आईएमडी की वरिष्ठ वैज्ञानिक सोमा सेन ने कहा कि मानसून कहीं अटका नहीं है। मानसून की तारीखों में फेरबदल होता है। इस वजह से लोग ऐसा कह रहे हैं कि मानसून कहीं अटक गया है। मानसून अभी गुजरात से निकलकर छत्तीसगढ़, ओडिशा और बंगाल की तरफ आगे बढ़ रहा है। इसके बाद झारखंड, बिहार और उत्तर प्रदेश में मानसून का प्रवेश होगा। इसके बाद दिल्ली की बारी आएगी।

दिल्ली के मौसम पर आईएमडी वैज्ञानिक सेन ने कहा कि दिल्ली में आज रेड अलर्ट है। मगर कल से येलो अलर्ट होगा। उत्तर प्रदेश में अभी 2 दिन और रेड अलर्ट है। उसके बाद ऑरेंज अलर्ट होगा। यह सभी चेंज एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस के चलते होता रहे हैं। जो कि नॉर्थ वेस्ट इंडिया में गर्मी से थोड़ी राहत दिलाएंगे। यानी आने वाले दिनों में दिल्ली-एनसीआर से लेकर यूपी-बिहार तक बादल छाए रह सकते हैं और तापमान में थोड़ी कमी दिखाई देगी है। हालांकि, अभी जो भी गतिविधि होगी यह प्री मानसून की ही है। दिल्लीवालों को मानसून के लिए अभी थोड़ा इंतजार करना होगा।

गौरतलब है कि अभी यूपी, बिहार और दिल्ली-एनसीआर सहित पूरे उत्तर भारत में भयंकर गर्मी पड़ रही है। कई जगहों पर तापमान 45 से 47 डिग्री तक रिकॉर्ड किया जा रहा है। लोग गर्मी से परेशान हो चुके हैं और सभी बारिश का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसके बाद में आईएमडी ने बताया कि पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, बिहार और उत्तर प्रदेश में अभी कुछ दिन और लू चलेगी। आने वाले दिनों में यानी अगले तीन-चार दिनों तक बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में प्रचंड गर्मी का प्रकोप जारी रहेगा। इसके बाद मानसून की आहट झारखंड से लेकर यूपी-बिहार और दिल्ली-एनसीआर तक सुनाई देगी।

अब शुरू हुआ असली वर्ल्ड कप

- बरसते रहे छक्के, रिकॉर्ड तोड़ मैच, निकोलस पूरन का दिखा रौद्र रूप
- वेस्टइंडीज की 104 रन की धमाकेदार जीत
- पावरप्ले में टीम ने बनाए रिकॉर्ड 92 रन

ग्रॉस आइलेट (सेंट लूसिया) (एजेंसी)। टी-20 का मतलब होता है फटाफट क्रिकेट। छक्के-चौके की बरसात। रनों का अंबार। स्कोर अनलिमिटेड। लेकिन यूएस-वेस्टइंडीज में जारी टी-20 वर्ल्ड कप का मौजूदा सीजन फीका-फीका सा लग रहा था। ऐसी पिच पर मैच हो रहे थे, जहां रन ही नहीं बन रहे थे। 120 रन का टारगेट चेज करने में भी बल्लेबाजों के पसीने छूट जा रहे थे। लो स्कोरिंग थ्रिलर देखने को मिल रहा था, लेकिन मंगलवार की सुबह वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान के बीच एक ऐसा मुकाबला हुआ, जिसने फैंस को खुश होने का मौका दे दिया। क्रिकेट लवर्स की माने तो असली टी-20 वर्ल्ड कप तो आज से शुरू हुआ है।

निकोलस पूरन के 98 रन – दरअसल, निकोलस पूरन ने लंबे-लंबे छक्के जड़ने की अपनी काबिलियत दिखाते हुए 53 गेंद पर 98 रन ठोक दिए, जिसके बूते वेस्टइंडीज ने अफगानिस्तान के खिलाफ टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 218 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। इसी के साथ कैरेबियाई टीम ने डैरेन सैमी स्टेडियम में मौजूदा टी-20 विश्व कप का सबसे बड़ा स्कोर खड़ा कर दिया।

कैरेबियन पावर ने किया फायर – वैसे तो दोनों टीम पहले ही सुपर-8 में अपनी जगह पक्की कर चुकी थी और इस मैच से ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली टीम का निर्धारण होना था। दो बार के चैंपियन वेस्टइंडीज के लिए पूरन के अलावा वेस्टइंडीज की तरफ से पूरन के अलावा ओपनर जॉनसन चार्ल्स (43), शाई होप (25) और रोवमैन पॉवेल (26) ने भी उपयोगी योगदान दिया। इसके जवाब में अफगानिस्तान की टीम 16.2 ओवर में 114 रन पर आउट हो गई। वेस्टइंडीज के लिए ओबेद मैकॉय ने 14 रन देकर तीन, अकील हुसैन ने 21 रन देकर दो और गुडाकेश मोती ने 28 रन देकर दो विकेट लिए।

रिकॉर्ड्स की बौछार – निकोलस पूरन ने छह चौके और आठ छक्के वाली अपनी पारी के दौरान अजमतुल्लाह ओमरजई के एक ओवर में तीन सिक्स और एक चौका लगाया। इस ओवर में कुल 36 रन बने, जिसमें 5 नोबॉल, 5 वाइड और चार लेगबाई भी शामिल हैं। इस तरह से यह टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सबसे महंगे ओवरों में शामिल हो गया। वेस्टइंडीज ने पावर प्ले में एक विकेट पर 92 रन बनाए जो पुरुष टी20 विश्व कप में नया रिकॉर्ड है। पूरन रन आउट होने के कारण अपना शतक पूरा नहीं कर पाए। उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

संक्षिप्त समाचार

टी-वर्ल्ड कप 24

फ्लेमिंग बोले- सुपर 8 में भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं कुलदीप

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग का मानना है कि टी20 विश्व कप के सुपर 8 के चरण में वेस्टइंडीज की पिचों से टर्न मिलने की संभावना है और ऐसे में विकेट लेने की अपनी क्षमता के कारण बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। भारत अभी तक टूर्नामेंट में तीन तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह तथा दो स्पिनरों रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल के साथ मैदान में उतरा है। फ्लेमिंग ने कहा, 'अगर विकेटों से टर्न मिलता है जैसा कि टूर्नामेंट आगे बढ़ने के साथ उम्मीद की जा रही है, तो फिर कुलदीप इसमें विकेट लेने की अतिरिक्त क्षमता जोड़ सकते हैं।% उन्होंने कहा, 'उनके पास अभी दोनों तरह के संयोजन आजमाने का मौका है जो कि अच्छा है लेकिन खेल में आप लकीर का फकीर बनकर नहीं रह सकते जिससे कि आप परिस्थितियों का फायदा उठाने से चूक जाओ। भारत को सुपर 8 में अपना पहला मैच गुरुवार को बारबाडोस में अफगानिस्तान के खिलाफ खेलना है। भारत अभी तक बाएं हाथ के दो स्पिनर के साथ उतरा है। इनमें अक्षर को सफलता मिली लेकिन जडेजा तीन मैच में केवल तीन ओवर ही कर पाए। आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लंबे समय से कोच रहे फ्लेमिंग को एक ही विधा के दो खिलाड़ियों को टीम में रखने में कोई आपत्ति नहीं है।

पाकिस्तान में अपना समय बर्बाद मत करो- हरभजन ने गैरी कर्स्टन को दी सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने सोमवार को गैरी कर्स्टन को सलाह दी कि वे पाकिस्तान में अपना समय बर्बाद नहीं करें क्योंकि दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व क्रिकेटर ने दावा किया था कि बाबर आजम की अगुआई वाली टीम में एकता नहीं है। कर्स्टन ने टी20 विश्व कप में निराशाजनक अभियान के दौरान एक-दूसरे का समर्थन नहीं करने के लिए पाकिस्तानी खिलाड़ियों की आलोचना की और कहा कि उन्होंने किसी टीम में ऐसा विषाक्त माहौल कभी नहीं देखा। कर्स्टन ने अमेरिका और वेस्टइंडीज में टूर्नामेंट से ठीक पहले पाकिस्तान के मुख्य कोच का कार्यभार संभाला था लेकिन वे निराश हो गए क्योंकि टीम अमेरिका और भारत से हारकर पहले दौर से बाहर हो गई।

टी20 विश्व कप सुपर 8 मैचों से पहले बोले रोहित शर्मा

थोड़ा व्यस्त कार्यक्रम, लेकिन हम तैयार

ब्रिजटाउन (बारबडोस) (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने स्वीकार किया कि टी20 विश्व कप का सुपर आठ चरण 'थोड़ा व्यस्त' होने वाला है लेकिन उनके खिलाड़ी इसके लिए तैयार हैं क्योंकि उनमें 'कुछ खास' करने को लेकर 'वास्तविक उत्सुकता' है। भारत अपने सुपर आठ अभियान की शुरुआत 20 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ करेगा। टीम इसके बाद बांग्लादेश (22 जून को एंटीगा) और ऑस्ट्रेलिया (24 जून को सेंट लूसिया) के खिलाफ खेलेगी।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा अपलोड किए गए एक वीडियो में रोहित ने कहा, 'पहला मैच खेलने के बाद हम अगले दो मैच तीन या चार दिन के अंतराल में खेलेंगे। इस 37 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, 'यह थोड़ा व्यस्त होने वाला है लेकिन हम इन सभी चीजों के आदी हो चुके हैं। हम बहुत यात्रा करते हैं और बहुत खेलते हैं इसलिए यह कभी बहाना नहीं बनने वाला।

भारतीय टीम ने सोमवार को लंबे अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया जिसमें विराट कोहली और रोहित जैसे सीनियर खिलाड़ियों ने सामान्य से अधिक समय नेट पर बिताया। रोहित ने कहा, 'टीम में कुछ खास करने को लेकर बहुत उत्सुकता है। यह दूसरे चरण की शुरुआत करने का एक अच्छा तरीका है। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि हर कोई अंतर पैदा करना चाहता है और हम अपने कौशल सत्रों को काफी गंभीरता से लेते हैं।

उन्होंने कहा, 'हर कौशल सत्र में हासिल करने के लिए कुछ होता है। आयोजकों द्वारा इस्तेमाल की गई ड्रॉप इन पिचों (दूसरे स्थान पर तैयार करके लाई गई पिच) के कारण भारतीय टीम को अमेरिकी चरण के दौरान प्रतिकूल बल्लेबाजी परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। रोहित ने कहा कि कैरेबियाई चरण अपने साथ परिस्थितियों से पहचान की भावना लेकर आता है और उनकी टीम इसका अधिकतम लाभ उठाने की कोशिश करेगी।

उन्होंने कहा, 'हमने यहां बहुत सारे मैच देखे हैं, हमने यहां बहुत सारे मैच खेले हैं। इसलिए हर कोई समझता है कि परिणाम को अपने पक्ष में करने के लिए क्या करना है। भारतीय टीम ने लीग चरण में आयरलैंड, पाकिस्तान और अमेरिका को हराया जबकि कनाडा के खिलाफ उनका अंतिम ग्रुप मैच फ्लोरिडा में गीली आउटफील्ड के कारण रद्द हो गया।

विंबलडन चैंपियन वोंद्रोसोवा ने जीत के साथ की ग्रास कोर्ट सत्र की शुरुआत

बर्लिन (एजेंसी)। विंबलडन चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा ने अपने ग्रास कोर्ट सत्र की शुरुआत बर्लिन लेडीज ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में क्वालीफायर रेबेका मसारोवा के खिलाफ सीधे सेट में जीत के साथ की। पांचवीं वरीय वोंद्रोसोवा ने रेबेका को 6-4, 6-3 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। वोंद्रोसोवा ने तीन बार रेबेका की सर्विस तोड़ी और फोरहैंड विनर लगाकर जीत हासिल की। चेक गणराज्य की वोंद्रोसोवा ने फ्रेंच ओपन के पहले दौर में भी स्पेन की इस खिलाड़ी को हराया था। वोंद्रोसोवा दूसरे दौर में अन्ना केलिन्सकाया से भिड़ेंगी। पिछले साल वोंद्रोसोवा विंबलडन खिताब जीतने वाली पहली गैरवरीय महिला खिलाड़ी बनीं थी। उन्होंने फाइनल में 2022 की उप विजेता ओन्स जेब्युर को 6-4, 6-4 से हराया था।

राजनीति से ब्रेक के बाद पहली बार अमित शाह से मिले गौतम गंभीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक ओर जहां भारतीय क्रिकेट टीम के कोच के लिए इंटरव्यू होना है तो दूसरी ओर भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने गृह मंत्री अमित शाह से भेंट की। गंभीर 2019 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर पूर्वी दिल्ली से सांसद बने थे। उन्होंने अपने क्रिकेट कोचिंग करियर पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सक्रिय राजनीति से ब्रेक ले लिया है। इस फैसले के बाद इस तरह की पहली मीटिंग है। इस मीटिंग के बाद कुछ बड़ा होने का कयास लगाया जा रहा है।

गंभीर ने 'एक्स' पर शाह के साथ तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'हाल की चुनावी सफलता पर बधाई देने के लिए माननीय गृह मंत्री अमित शाह जी से मुलाकात की। गृह मंत्री के रूप में उनका नेतृत्व हमारे राष्ट्र की सुरक्षा और स्थिरता को और मजबूत करेगा।' बता दें कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) चैंपियन कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के मेंटोर (मार्गदर्शन) के रूप में गौतम गंभीर की खूब तारीफ हुई है। जब से केकेआर चैंपियन बनी है तब से उन्हें टीम इंडिया का हेड कोच बनाने की मांग की जा रही है।

गंभीर टी20 विश्व कप के बाद भारत के मुख्य कोच के रूप में राहुल द्रविड़ की जगह लेने के मजबूत दावेदार हैं। द्रविड़ ने पुष्टि की है कि वह मौजूदा टी20 विश्व कप के बाद भारतीय टीम के कोच का पद छोड़ देंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने संभावित नई नियुक्ति पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। हालांकि, वह चाहते हैं कि कोई देसी कोच ही बने, जो टीम इंडिया के माहौल और प्लेयर्स से परिचित हो। यह पता चला है कि अशोक मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) ने अभी तक किसी भी इच्छुक उम्मीदवार का साक्षात्कार नहीं लिया है। बीसीसीआई से जुड़े लोगों का मानना है कि गंभीर की नियुक्ति महज एक औपचारिकता है क्योंकि दिल्ली के इस खिलाड़ी को टक्कर देने के लिए कोई उपयुक्त भारतीय उम्मीदवार मौजूद नहीं है। गंभीर की देख-रेख में जब केकेआर आईपीएल चैंपियन बना, तो उन्हें भारतीय टीम का कोच बनाने की मांग और बढ़ गई। गंभीर ने हाल ही में दुबई में एक कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय टीम का कोच बनने की इच्छा जताई थी।

आज दक्षिण अफ्रीका पर अजेय बढ़त बनाने उतरेगी भारतीय महिला टीम

बेंगलुरु (एजेंसी)। पहले मैच में बड़ी जीत से उत्साहित भारतीय महिला टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखकर श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बनाने की कोशिश करेगी। भारत ने पहले मैच में 143 रन से जीत दर्ज की लेकिन टीम कुछ खिलाड़ियों के प्रदर्शन को लेकर चिंतित होगी।

भारत ने पहला मैच स्मृति मंधाना के शतक और स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत जीता। बल्लेबाजी में हालांकि उसकी कुछ कमजोरियां खुलकर सामने आई। भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा का वनडे में लगातार खराब प्रदर्शन है। उन्होंने वनडे में अपना आखिरी अर्धशतक 2022 में लगाया था। पिछले छह मैच में वह दोहरे अंक में भी नहीं पहुंच पाई। उन्हें टीम ने अपनी जगह बनाए रखने के लिए बड़ी पारी खेलने की जरूरत है।

कप्तान हरमनप्रीत कौर का बल्ला भी नहीं चल पा रहा है। पिछले 5 मैच में उन्होंने 14, 9, 5, 3 और 10 रन बनाए। चोट से उबर कर वापसी करने वाली शीर्ष क्रम की एक अन्य बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स भी प्रभावित करने में नाकाम रही। इन सभी को मंधाना से सीख लेने की जरूरत है जिन्होंने वनडे में छठा शतक लगाया। यह बाएं हाथ की बल्लेबाज अच्छी लय में है। उन्होंने फरवरी 2022 के बाद वनडे में सात अर्धशतक और दो शतक लगाए हैं। भारतीय टीम को उनसे एक और बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी।

गेंदबाजों में अपना पहला मैच खेल रही लेग स्पिनर आशा शोभना ने 21 रन देकर चार विकेट लिए लेकिन टीम प्रबंधन तेज गेंदबाज पूजा वस्त्राकर की फिटनेस को लेकर चिंतित होगा जो दक्षिण अफ्रीका की पारी के दौरान 18वें ओवर में मैदान छोड़कर चली गई थी। उनके नहीं खेलने पर अरुंधति रेड्डी को टीम में लिया जा सकता है। जहां तक दक्षिण अफ्रीका का सवाल है तो अगर उसे श्रृंखला जीवंत रखती है तो उसके बल्लेबाजों को भारतीय स्पिनरों का डटकर सामना करना होगा। पिछले मैच में भारतीय स्पिनरों आशा, दीप्ति शर्मा और राधा यादव ने मिलकर सात विकेट लिए थे।

टीम इस प्रकार हैं

भारत – हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेट कीपर), उमा छेत्री (विकेट कीपर), दयालन हेमलता, राधा यादव, आशा शोभना, श्रेयंका पाटिल, साइका इशाक, पूजा वस्त्रकार, रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, प्रिया पुनिया।

दक्षिण अफ्रीका – लॉरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), एनेके बॉश, तजमिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लार्क, एनेरी डर्कसेन, मिके डी रिडर, सिनालो जाफ्ता, मारिजाने काप, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, सुने लुस, एलिज-मारी मार्ज, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुकुने, नोंडुमिसो शंगासे, डेलमी टकर।

समय- दोपहर 1.30 बजे।

टी-20 वर्ल्ड कप

वेस्टइंडीज ने जीत के साथ लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी

ग्रॉस आइलेट (एजेंसी)। निकोलस पूरन (98) रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी और उसके बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर वेस्टइंडीज ने टी-20 विश्वकप के 40वें मुकाबले में अफगानिस्तान को 104 रनों के विशाल अंतर से हरा दिया है। मैच के दौरान वेस्टइंडीज द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड्स पर नजर डाल लेते हैं-

वेस्टइंडीज के लिए सबसे ज्यादा टी20आई मैच जीतने वाले कप्तान

28 - डैरेन सैमी (जीत/हार अनुपात= 1.647)
14 - रोवमैन पॉवेल (जीत/हार अनुपात= 2)
13 - कीरोन पोलार्ड (जीत/हार अनुपात= 0.619)
11 - कार्लोस ब्रैथवेट (जीत/हार अनुपात= 0.647)
8 - निकोलस पूरन (जीत/हार अनुपात= 0.571)

टी20आई में वेस्टइंडीज के लिए सबसे लंबी जीत का सिलसिला

8* - 2024
7 - 2012-2013
5 - 2017
4 - 2015-2016

टी20 विश्व कप में वेस्टइंडीज के लिए सबसे लंबी जीत का सिलसिला

2024 में 4*
2012 में 3 (चैंपियंस)
2014 में 3 (सेमीफाइनलिस्ट)
2016 में 3 (चैंपियंस)

टी20आई में अफगानिस्तान की बड़ी हार का रिकॉर्ड

116 रन बनाम इंग्लैंड, कोलंबो आरपीएस, 2012
104 रन बनाम वेस्टइंडीज, ग्रॉस आइलेट, 2024
101 रन बनाम भारत, दुबई, 2021
72 रन बनाम श्रीलंका, दांबुला, 2024
68 रन बनाम आयरलैंड, अबू धाबी, 2013

टी20आई में वेस्टइंडीज के लिए सबसे बड़ा जीत अंतर

134 रन बनाम युगांडा, गुयाना, 2024
104 रन बनाम अफगानिस्तान, ग्रॉस आइलेट, 2024
84 रन बनाम पाकिस्तान, मीरपुर, 2014
74 रन बनाम ऑस्ट्रेलिया, कोलंबो आरपीएस, 2012
73 रन बनाम बांग्लादेश, मीरपुर, 2014

मैच की बात करें तो पहले ही सुपर 8 में अपनी जगह पक्की कर चुकी थी और इस मैच से ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली टीम का निर्धारण होना था। दो बार के चैंपियन वेस्टइंडीज ने अपने बल्लेबाजी कौशल का अच्छा नमूना पेश किया तथा पांच विकेट पर 218 रन बनाए जिसमें पूरन ने 53 गेंद पर 98 रन का योगदान दिया। उन्होंने अपनी पारी में छह चौके और आठ छक्के लगाए। अफगानिस्तान की टीम इसके जवाब में 16.2 ओवर में 114 रन पर आउट हो गई। उसकी तरफ से इब्राहिम जादरान ने सर्वाधिक 38 रन बनाए। वेस्टइंडीज के लिए ओबेद मैकॉय ने 14 रन देकर तीन और अकील हुसैन ने 21 रन देकर दो विकेट लिए।

फिच ने भारत की वृद्धि दर का अनुमान बढ़ा 7.2 फीसदी किया

नई दिल्ली ।

फिच रेटिंग्स ने मंगलवार को चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत का वृद्धि दर अनुमान बढ़ाकर 7.2 फीसदी किया है। मार्च में उसने भारत की वृद्धि दर का सात प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। रेटिंग एजेंसी ने उपभोक्ता खर्च में सुधार और निवेश में वृद्धि का हवाला देते हुए अनुमान में संशोधन किया। वित्त वर्ष 2025-26 और 2026-27 के लिए फिच ने क्रमशः 6.5 और 6.2 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया है। फिच ने अपनी वैश्विक आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में कहा कि हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था में 7.2 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि होगी। फिच का अनुमान आरबीआई के अनुमान के अनुरूप है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इस महीने की शुरुआत में अनुमान लगाया था कि ग्रामीण मांग में सुधार और मुद्रास्फीति में नरमी से चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि निवेश में वृद्धि जारी रहेगी, लेकिन हाल की तिमाहियों की तुलना में यह वृद्धि धीमी रहेगी, जबकि उपभोक्ता विश्वास बढ़ने के साथ उपभोक्ता खर्च में सुधार होगा। क्रय प्रबंधकों के सर्वेक्षण के आंकड़े चालू वित्त वर्ष की शुरुआत में निरंतर वृद्धि की ओर इशारा करते हैं। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि आने वाले मानसून के मौसम के सामान्य रहने के संकेत वृद्धि को बढ़ावा देंगे और

मुद्रास्फीति को कम अस्थिर बनाएंगे। हालांकि हाल ही में भीषण गर्मी ने खतरा उत्पन्न किया है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था 8.2 प्रतिशत बढ़ी थी।

पिछले एक हफ्ते में सब्जियों की कीमतें तेजी से बढ़ीं

नई दिल्ली ।

एनसीआर सहित उत्तर भारत में इस समय भीषण गर्मी का असर देखने को मिल रहा है। भीषण गर्मी की मार अब फल-सब्जियों की कीमतों पर भी देखी जा रही है। जिससे पिछले एक हफ्ते में कई सब्जियों के दाम डबल हो गए हैं। आजादपुर मंडी में व्यापारियों का कहना है कि गर्मी के कारण सब्जियों का उत्पादन कम हो गया है। जो उपज रहा है, वह खेतों से मंडियों में नहीं पहुंच रही हैं। बढ़ते तापमान के कारण अधिकांश खेतों में सब्जियों की फसल बर्बाद हो रही है, जिससे आवक पर असर पड़ा है।

भीषण तपिश और हीट वेव में आप ही नहीं, खेतों में हरी सब्जियों के पौधे भी जल रहे हैं। एक किसान बताते हैं कि हैं कि इस मौसम में चाहे कितना भी पानी दें, लौकी-घीया के बेल जल रहे हैं। भिंडी-टमाटर का पौधा भी झुलस सा गया है। एक तरफ तापमान और तेज धूप की वजह से खेतों में ही हरी सब्जियां के पौधे सूख रहे हैं। जो कुछ सब्जी मंडी तक पहुंच जाती है, वे भीषण गर्मी की वजह से खराब हो रही हैं। टमाटर, घीया, तोरई की फसल नष्ट हो गई है, जिसका असर अब बाजारों पर 50 फीसदी तक दामों में उछाल देखने को मिल रहा है। पिछले हफ्ते टमाटर के दाम 25 से 30 रुपये किलो था, वह 40 से 45 रुपये किलो पहुंच गए हैं। शिमला मिर्च 100 रुपये किलो, नींबू पहले जो 80 से 100 रुपये किलो का बिक रहा था, वह अब 160 रुपये किलो तक पहुंच गया है। ऐसा ही हाल फलों का भी है। सेब, आम, अनार, पपीता, तरबूज, खरबूजा, मौसमी, नारियल पानी जैसे फलों के भाव में 25 से 30 फीसदी तक की बढ़ोतरी देखी जा रही है।

एलआईसी अपनी संपत्तियों को बेचकर जुटाएगी 60 हजार करोड़

- मेट्रो शहरों में बेच सकती है महंगी इमारतें

नई दिल्ली ।

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने कहा है कि वह देश के मेट्रो शहरों में स्थित अपनी रियल एस्टेट सम्पत्तियों को बेचने की योजना बना रही है। इसके लिए कंपनी अपने प्लॉट और कमर्शियल इमारतों को बेचेगी। इसके लिए एलआईसी ने एक इंटरनल टीम को निर्देश दिया है। जानकारी के मुताबिक एलआईसी प्रक्रिया मुंबई में अपनी संपत्तियों की बिक्री से शुरू करेगी। अगर एलआईसी की कुछ बहुमूल्य सम्पत्तियों की बात करें तो इनमें दिल्ली के कनाट प्लेस स्थित जीवन भारती बिल्डिंग, कोलकाता के चितरंजन एवेन्यू स्थित एलआईसी बिल्डिंग और मुंबई के एशियाटिक सोसाइटी और अकबररैली में हाउसिंग प्रॉपर्टी शामिल हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक अंतिम वैल्यूएशन के दौरान इन संपत्तियों का कुल मूल्य 50-60 हजार करोड़ के बीच बताया गया है। इसके साथ ही एलआईसी देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस प्रदाता और स्टॉक मार्केट में सबसे ज्यादा निवेश करने वाली कंपनी है। सार्वजनिक क्षेत्र की इस इंश्योरेंस कंपनी के पास 51 ट्रिलियन रुपये (51 लाख करोड़) की संपत्तियां हैं। रिपोर्ट के मुताबिक बिक्री की प्रक्रिया को शुरू करने से पहले कंपनी अपनी संपत्तियों का मूल्यांकन शुरू कर सकती है। एलआईसी ने अपनी कई संपत्तियों का मूल्यांकन नहीं किया है और संभावना जताई जा रही है कि इन संपत्तियों का मूल्यांकन उनकी असली कीमत से पांच गुना अधिक कीमत पर हो सकता है जो कि 2.5-3 लाख करोड़ रुपये के आस-पास होगा। बता दें कि वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान एलआईसी का मुनाफा 40,676 करोड़ रुपये रहा। सार्वजनिक क्षेत्र की यह कंपनी भारत में जमीनों का मालिकाना हक रखने के मामले में तीसरे स्थान पर है। इस मामले में भारतीय रेलवे दूसरे स्थान पर है। एलआईसी अपनी संपत्तियों के प्रबंधन और बिक्री के लिए एक नई इकाई का गठन भी कर सकती है।

दक्षिण अफ्रीका ने भारत से आमों के आयात की अनुमति दी: एपीडा अधिकारी

जोहानिसबर्ग ।

दक्षिण अफ्रीका ने भारत से आम के आयात की अनुमति दे दी है। भारतीय कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के एक अे धिकारी ने पिछले सप्ताह यहां भारतीय वाणिज्य दूतावास में आयोजित भारत आम उत्सव 2024 कार्यक्रम में यह घोषणा की। स्थानीय व्यापारियों और मीडिया से उन्होंने कहा` कि हमें पिछले वर्ष आमों के लिए बाजार तक पहुंच प्राप्त हुई थी और अब हमने गुजरात से भारत के लिए 1.5 मीट्रिक टन आमों को रवाना किया है। कार्यक्रम में आए मेहमानों को इस अवसर के लिए विशेष रूप से मंगाई गई भारतीय आमों की कई किस्मों को चखने का मौका मिला, जैसे आमों का राजा कहा जाने वाला अल्फांसो और तोतापुरी, राजापुरी, बादामी, केसर तथा नीलम। उन्होंने कहा कि भारत विश्व में आमों का सबसे बड़ा उत्पादक है, जो वैश्विक उत्पादन का 50 प्रतिशत उत्पादन करता है। दक्षिण अफ्रीका में विश्व के आमों का 17 प्रतिशत उत्पादन

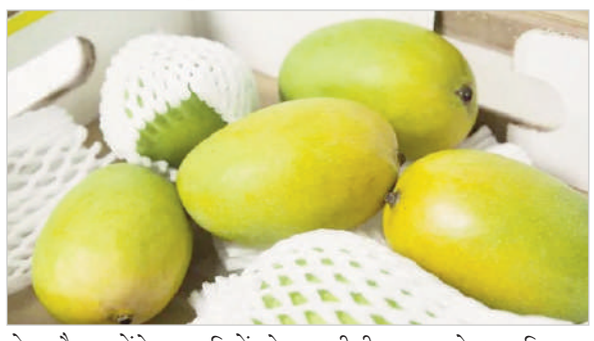

होता है। उन्होंने व्यापारियों से भारतीय आमों के आयात और दक्षिण अफ्रीका में उन्हें लोकप्रिय बनाने में सहायता करने की अपील की। उन्होंने बताया` कि दक्षिण अफ्रीकी सरकार से अनुमति प्राप्त करना मुश्किल था। एक समय ऐसा भी आया जब विश्लेषण करना पड़ा, क्योंकि ये आम विकिरण उपचार के बाद आते हैं।

एयर इंडिया महाराष्ट्र में खोलेगी फ्लाइंग स्कूल

- हर साल 180 पायलटों को मिलेगी ट्रेनिंग, जल्द शुरू होगा परिचालन

नई दिल्ली ।

भारत की राष्ट्रीय एयरलाइन एयर इंडिया पायलटों की कमी से निपटने के लिए महाराष्ट्र के अमरावती में एक फ्लाइंग स्कूल खोलने की योजना बनाई है, जिसका उद्देश्य सालाना 180 पायलटों को प्रशिक्षण देना है। बिना किसी पूर्व उड़ान अनुभव के संभावित पायलट पूर्णकालिक अकादमी में दाखिला ले सकते हैं, जिससे उन्हें प्रशिक्षण के अगले चरणों को पूरा करने के बाद एयर इंडिया के कॉकपिट में शामिल होने का स्पष्ट रास्ता मिल जाएगा। एयर इंडिया अनुभवी और प्रमाणित पायलटों को प्रशिक्षकों के रूप में भर्ती करने की योजना बना रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्रों को उच्च-गुणवत्ता वाला प्रशिक्षण और मार्गदर्शन मिले। फ्लाइंग स्कूल में प्रवेश के लिए चयन प्रक्रिया कठोर होगी, जिसमें उम्मीदवारों का मूल्यांकन उनकी शैक्षणिक योग्यता, शारीरिक फिटनेस और व्यक्तिगत साक्षात्कार के आधार पर किया जाएगा। एयर इंडिया के फ्लाइंग स्कूल से सफल उम्मीदवार न केवल एयर इंडिया के भीतर बल्कि वैश्विक स्तर पर अन्य विमानन कंपनियों में भी करियर बनाने के लिए अच्छी तरह से तैयार होंगे। इस पहल का उद्देश्य विमानन उद्योग में कुशल पायलटों की बढ़ती मांग को पूरा करना और भारत में इस क्षेत्र के समग्र विकास में योगदान देना है। एयर इंडिया के इस कदम से न केवल विमानन क्षेत्र में नई उम्मीदें बढ़ेंगी, बल्कि भारतीय युवाओं को विमानन क्षेत्र में उनके सपनों को पूरा करने का एक और माध्यम मिलेगा। इस स्कूल के माध्यम से एयर इंडिया ने अपने तकनीकी और प्राधिकरण के लिए एक मजबूत प्लेटफ़ॉर्म बनाने का उद्देश्य रखा है।

हुडको ने विदेशी ऋणदाताओं से 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाए

मुंबई:

आवास एवं शहरी विकास निगम (हुडको) ने ऋण बाजार में कदम रखते हुए 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर (30 अरब जापानी येन) जुटाए हैं। इसकी व्यवस्था करने वाली जापान की सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉरपोरेशन (एसएमबीसी) ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की संस्था ने अपने पहले ''सामाजिक ऋण'' के हिस्से के रूप में पांच साल के लिए यह धनराशि जुटाई है। आधिकारिक बयान के अनुसार, एसएमबीसी की सिंगापुर शाखा के नेतृत्व में हुए इस सौदे को कुल नौ ऋणदाताओं से अधिक अभिदान मिला तथा ग्रीनशू विकल्प का इस्तेमाल करने के बाद इसकी मूल आरंभिक राशि 15 अरब येन से बढ़ाकर 30 अरब येन कर दी गई। एसएमबीसी इंडिया के 'कंट्री हेड' हिरोयुकी मेसाकी ने कहा, ''हम वंचित समुदायों तक अपनी पहुंच बढ़ाने तथा स्थानीय समुदाय की संसाधनों तक पहुंच को मजबूत बनाने के लिए तत्पर हैं।'' हुडको के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक संजय कुलश्रेष्ठ ने कहा कि सरकार द्वारा बुनियादी ढांचे पर आधारित वृद्धि पर ध्यान दिए जाने से संस्था को अपनी सेवाओं की मांग में वृद्धि की उम्मीद है।

महाराष्ट्र-यूपी सहित कई राज्यों में गिरे पेट्रोल-डीजल के भाव

नई दिल्ली ।

तेल कंपनियों ने मंगलवार को पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी है। आपको बता दे कि मंगलवार को राष्ट्रीय स्तर पर पेट्रोल-डीजल के भाव में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वहीं अगर राज्य स्तर पर बात करें तो महाराष्ट्र-यूपी सहित कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल सस्ता हो गया है लेकिन बिहार सहित कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल महंगा भी हुआ है। इसके साथ महाराष्ट्र में भी पेट्रोल-डीजल सस्ता हो गया है। यहां पेट्रोल के दाम 32 पैसे घटकर 104.44 रुपये प्रति लीटर और डीजल 29 पैसे घटकर 90.97 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर और मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर है।

भारत नेस्ले की मैगी के लिए दुनिया का सबसे बड़ा व किटकैट के लिए दूसरा सबसे बड़ा बाजार

नई दिल्ली :

भारत नेस्ले के इंस्टैंट नूडल्स व सूप ब्रांड मैगी के लिए वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ा बाजार बन गया है, जबकि चॉकलेट वेफर ब्रांड किटकैट के लिए यह दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। नेस्ले इंडिया की ताजा वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। इसके अलावा, उच्च दोहरे अंक की वृद्धि के साथ भारतीय बाजार नेस्ले के लिए सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक बन गया है। नेस्ले इंडिया की 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, ''व्यापकता, प्रीमियमीकरण और नवाचार, अनुशासित संसाधन आवंटन के साथ मिलकर कारोबार को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण रहे हैं।'' नेस्ले मैगी ब्रांड के तहत लोकप्रिय इंस्टेंट नूडल्स और तैयार व्यंजन आदि बेचती है। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 में मैगी की छह अरब से अधिक सर्विंग्स बेचीं, जिससे ''भारत दुनियाभर में मैगी के लिए सबसे बड़ा नेस्ले बाजार बन गया।'' नेस्ले मैगी ब्रांड के तहत अपनी बिक्री का विस्तार कर रही है और उसने 10 रुपए की किफायती कीमत पर ओट्स नूडल, कोरियन नूडल्स और अलग-अलग मसाले वाली मैगी व नूडल्स पेश किए हैं। नेस्ले इंडिया ने कहा कि उसने किटकैट की 4,20 करोड़ 'फिंगर्स' बेचीं। नए उत्पादों को पेश करने, वितरण नेटवर्क के विस्तार और अभिनव ब्रांड से वृद्धि को बढ़ावा मिला। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक सुरेश नारायणन ने रिपोर्ट में शेयरधारकों से कहा, ''इसे और मजबूत करते हुए आपकी कंपनी 2020 और 2025 के बीच नई क्षमताओं को विकसित करने और मौजूदा क्षमताओं का विस्तार करने के लिए करीब 7,500 करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए तैयार है, जिसमें निरंतर वृद्धि और नवोन्मेषण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।' नेस्ले इंडिया ने 31 मार्च, 2024 तक के पिछले 15 माह में 24,275.5 करोड़ रुपए की बिक्री दर्ज की है।

रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुए शेयर बाजार

सेंसेक्स 77 हजार , निफ़्टी 23 हजार से ऊपर निकला

मुम्बई।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। तकनीकी कंपनी और निजी बैंकों के शेयरों में भी बढ़त रही। इसके अलावा घरेलू निवेशकों के सराकात्मक रुख से भी बाजार ऊपर आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 0.40 फीसदी करीब 308.37 अंक ऊपर आकर 77,301.14 के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 92.30 अंक तकरीबन 0.39 फीसदी बढ़कर 23,557.90 अंक पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में पावर ग्रिड का शेयर सबसे ज्यादा 3.17 फीसदी ऊपर आकर बंद हुआ। इसके साथ ही विप्रो, टाइटन, आईसीआईसीआई बैंक, महिंद्राएंडमहिंद्रा, एक्सिस बैंक, एचडीएफ़सी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी बढ़े।

वहीं दूसरी ओर मारुति के शेयर 2.14 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। मारुति के अलावा टाटा स्टील, अल्ट्रा सीमेंट, टाटा मोटर्स, आईटीसी, टीसीएस, बजाज फाइनेंस और एशियन पेंट के शेयर भी गिरे।

घरेलू निवेशकों ने जून में अब तक 178.29 अरब रुपये के शेयर खरीदे हैं। इससे बाजार चुनाव परिणामों के बाद आई गिरावट से भी उबरा है। इसके अलावा आईटी कंपनियों और निजी बैंक के शेयरों में वृद्धि से भी शेयर बाजार को बल मिला है।

वहीं विदेशी बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का सियोल, जापान टोक्यो और चीन का शंघाई लाभ में बंद हुए जबकि हांगकांग का बाजार भी

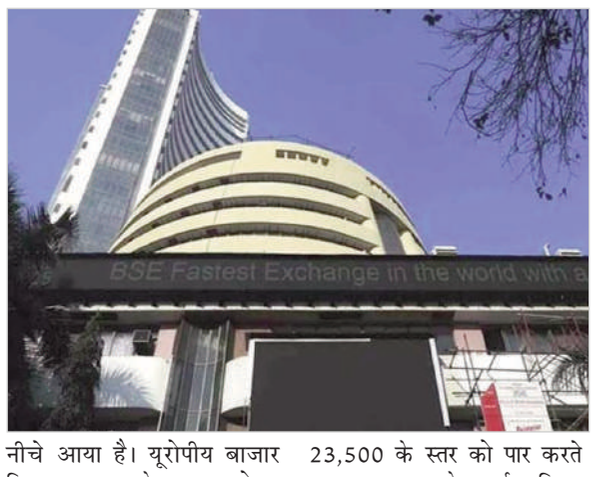

नीचे आया है। यूरोपीय बाजार फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे जबकि सोमवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए।

इससे पहले आज सुबह इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में इक्विटी बाजारों ने नए रिकॉर्ड उच्च स्तर बनाए। बीएसई सेंसेक्स 77,327 के नये उच्चतम स्तर पर पहुंचा जबकि निफ्टी50 ने 23,500 के स्तर को पार करते हुए 23,574 के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर आया। सेंसेक्स ने अपने पिछले 77,145 के रिकॉर्ड उच्च स्तर को पार कर लिया, जबकि निफ्टी ने 23,490.40 को पार कर लिया। व्यापक बाजारों में बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक क्रमशः 0.34 फीसदी और 1 फीसदी अधिक कारोबार करते दिखे।

गूगल का एआई सहायक जेमिनी अब भारत में

नई दिल्ली । गूगल का एआई सहायक जेमिनी अब भारत में एंड्रॉयड स्मार्टफोन का उपयोग करने वालों के लिए ऐप के रूप में उपलब्ध है, जो अंग्रेजी, हिंदी और आठ अन्य भारतीय भाषाओं में काम करता है। जेमिनी गूगल एआई द्वारा विकसित जनरेटिव कृत्रिम मेधा वाला चैटबॉट है। इसे पहले बार्ड के नाम से जाना जाता था। जेमिनी एक्सपीरियंस के एक इंजीनियरिंग के ब्लॉग अनुसार आईफोन का उपयोग करने वालों के लिए जेमिनी तक पहुंच अगले कुछ हफ्तों में गूगल ऐप के जरिए शुरू की जाएगी। उन्होंने लिखा कि गूगल की आपकी एआई सहायक जेमिनी का भारत में पहला वर्ष रोमांचक रहा है। छात्रों से लेकर डेवलपर्स और कई अन्य जिज्ञासु लोगों तक भारत में लोग हर रोज अपनी रचनात्मकता को बढ़ाने के लिए जेमिनी को अपना रहे हैं। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त, भारत में जेमिनी एडवांस्ड के उपयोगकर्ता अब गूगल के नवीनतम अगली पीढ़ी के एआई (कृत्रिम मेधा) मॉडल, जेमिनी 1.5 प्रो की सुविधाओं का उपयोग कर सकेंगे।

जिंदल स्टेनलेस ने क्रोमनी स्टील्स में 46 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी

नई दिल्ली । जिंदल स्टेनलेस ने क्रोमनी स्टील्स प्राइवेट लिमिटेड (सीएसपीएल) में शेष 46 प्रतिशत हिस्सेदारी 278 करोड़ रुपये में खरीदी है। जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) ने कहा कि इसके बाद सीएसपीएल कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी इकाई बन गई है। बयान के अनुसार जिंदल स्टेनलेस ने क्रोमनी स्टील्स प्राइवेट लिमिटेड में शेष 46 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी हासिल की है। इस लेन-देन में कुल 278 करोड़ रुपये का खर्च शामिल है, जिसमें इक्विटी हस्तांतरण और शेयरधारकों के कर्ज का भुगतान शामिल है। जिंदल स्टेनलेस ने इससे पूर्व 1,340 करोड़ रुपये में अप्रत्यक्ष अधिग्रहण सौदे के जरिये सीएसपीएल में 54 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी हासिल की थी। सीपीएसएल के कुल अधिग्रहण की लागत जेएसएल के लिए करीब 1,618 करोड़ रुपये बैठती है। जेएसएल के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि क्रोमनी में 100 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी के अधिग्रहण से हमें मूल्य श्रृंखला में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

एक ही दिन में जेफ बेजोस को पछाड़ नंबर वन बने मस्क

- नए सप्ताह के पहले दिन ही मस्क की नेटवर्थ में 6.74 अरब डॉलर की तेजी आई

वाशिंगटन ।

एलन मस्क और जेफ बेजोस के बीच दुनिया का सबसे बड़ा रईस बनने की होड़ चल रही है। तीन दिन में नंबर एक की कुर्सी कभी मस्क तो कभी बेजोस के पास जा रही है। गुरुवार को मस्क नंबर वन बने थे तो शुक्रवार को बेजोस नंबर एक हो गए। नए हफ्ते के पहले दिन फिर मस्क ने बाजी मार ली। टेस्ला के शेयरों में 5.30 फीसदी तेजी के साथ ही मस्क फिर से नंबर वन हो गए। एक` रिपोर्ट के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ में सोमवार को 6.74 अरब डॉलर की तेजी आई और वह 210 अरब डॉलर के साथ दुनिया के सबसे बड़े रईस बन गए। ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस 207 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दूसरे नंबर पर खिसक गए हैं। मस्क की नेटवर्थ में इस साल 18.9 अरब डॉलर की गिरावट आई है जबकि बेजोस की नेटवर्थ 29.7 अरब डॉलर बढ़ी है। दक्षिण अफ्रीका में जन्मे और पेशे से इंजीनियर मस्क टेस्ला के साथ-साथ कई और कंपनियां भी चलाते हैं। इनमें माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स (पहले नाम ट्विटर), स्पेसएक्स और सोलरसिटी शामिल हैं। टेस्ला दुनिया की सबसे वैल्यूएबल ऑटो कंपनी है। इसका मार्केट कैप 597.78 अरब डॉलर है और यह दुनिया की 13वीं बड़ी वैल्यूएबल कंपनी है। फ्रांस के अरबपति बर्नार्ड अरनॉल्ट 200 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। सोमवार को उनकी नेटवर्थ में 2.03 अरब डॉलर की तेजी आई। वैसे इस साल उनकी नेटवर्थ 7.13 अरब डॉलर घटी है। दुनिया के टॉप 12 अरबपतियों में 11 अमेरिका के हैं। फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा

प्लेटफॉर्म्स के मार्क जकरबर्ग 180 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ चौथे नंबर पर हैं। लैरी पेज, बिल गेट्स छठे, स्टीव बालमर सातवें, लैरी एलिसन आठवें, सर्गेई ब्रिन नौवें और वॉरेन बफे दसवें नंबर पर हैं। माइकल डेल 11वें और जेंसन हुआंग 12नें नंबर पर हैं। हुआंग की नेटवर्थ में इस साल सबसे ज्यादा 71.1 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। इस लिस्ट में भारत के मुकेश अंबानी 13वें और गौतम अडानी 14वें नंबर पर हैं।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स शेयरधारकों को देगी 6.52 करोड़ डॉलर का लाभांश

सोल ।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने कहा है कि वह मंगलवार को अपने शेयरधारकों को 90 अरब वॉन (लगभग 6.52 करोड़ डॉलर) का लाभांश देने पर विचार कर रही है। कंपनी ने एक नियामक फाइलिंग में बताया कि शेयरधारकों को 30 जून को प्रति शेयर 500 वॉन मिलेंगे। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि यह लाभांश भुगतान एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स की नई शेयरधारक रिटर्न नीति का हिस्सा है, जिसमें साल में दो बार लाभांश देना और लाभांश भुगतान अनुपात को 25 फीसदी तक बढ़ाना शामिल है। एलजी ने पिछले साल हर सामान्य शेयर पर 800 वॉन और पर प्रेफरेंशियल शेयर पर 850 वॉन का लाभांश दिया था। साल की पहली तिमाही में बढ़ती लागत और तीव्र प्रतिस्पर्धा के कारण कंपनी का परिचालन लाभ एक साल पहले की तुलना में 10 प्रतिशत से अधिक गिर गया। कंपनी ने कहा कि उसका पहली तिमाही का परिचालन लाभ 1.33 ट्रिलियन वॉन (लगभग 98.49 करोड़ डॉलर) रहा, जो एक साल पहले के 1.5 ट्रिलियन वॉन से 11 प्रतिशत कम है। बिक्री में सालाना आधार पर 3.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 21.09 ट्रिलियन वॉन हो गई, जो किसी भी पहली तिमाही में कंपनी का रिकॉर्ड है। कंपनी ने वास्ते विक आय के आंकड़े नहीं बताये हैं।

झारखंड संगे देस भइर कर किसानमन कर खाता में आलक 20 हजार करोड़

□ कृसि पेरा बिस्तार कार्जकर्ता कर रूप में कृसि सखिमन कर होलक परमानीकरन

रांची। प्रधानमंत्री किसान कर 17वां किस्त कर तहत 9.26 करोड़ लाभार्थी किसानमन के 20 हजार करोड रुपया कर ऑनलाइन हस्तांतरन करल गेलक। कृसि पैरा बिस्तार कार्जकर्ता कर रूप में कृसि सखिमन के सर्टिफिकेट बितरन करल गेलक। ई अवसर में झारखंड कर राजधानी रांची कर कृषि विज्ञान केंद्र, रामकृष्ण आश्रम सभागार में कार्जक्रम कर आयोजन 18 जून के करल गेलक। इकर में आम अदमीमन कर अलावा कृसि संबंधित बिसेसग्य भी बड़ संख्या में उपस्थित रहयं।

ई अवसर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर संबोधन के वाराणसी से ऑनलाइन लाइव देखलयं। मौका में कांके बिधानसभा छेतर कर बिधायक समरी लाल, आईसीएआर अटारी पटना कर निदेसक डॉ अंजनी कुमार, रामकृष्ण आश्रम कर सचिव स्वामी भावेशानंद, झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) कर कार्जक्रम प्रबंधक संजय भगत भी मौजूद रहयं।

प्रधानमंत्री कर वाराणसी से ऑनलाइन संबोधन में देवल गेल जानकारीमन के आवल अदमीमन सुनलयं। उनकर संबोधन कर बाद कृषि विज्ञान केंद्र में मुध गोतिया समरी लाल कर द्वारा 10 गो कृसि सखिमन के सर्टिफिकेट परदान करल गेलक। एहे केंद्र से परसिछन लेवेक वाला आउर 228 गो के बाद में सर्टिफिकेट देवल जाई।

आपन संबोधन में मुध गोतिया कहलयं कि प्रधानमंत्री आपन तीसर कार्जकाल कर सुरुआत किसान बिकास जोजनामन के मंजूरी देइ के कइर हयं। ई, ई बात कर संकेत आहे कि भारत सरकार किसान कर कल्यान ले कतई तत्पर हेके।

रामकृष्ण मिशन आश्रम कर सचिव स्वामी भवेशानंद सउब से जैविक कृसि परक्रिया के अपनाएक उपरे जोर देलयं। ऊ प्राचीन भारतीय ग्रंथ जइसे रामायण, महाभारत इत्यादि कर उदाहरन देइ के बतालयं कि हमिन कर देस कर संस्कृति में किसान कल्यान कर लछ राजा कर अग्रनी प्राथमिकतामन में से एक होवत रहे। ऊ बतालयं कि किसान कर बिकास से हे देस बिकसित बने पारी।

मास कम्युनिकेशन में लेउ सीधा नामांकन

सोनू सपरवार, रांची

गोस्सनर कॉलेज

गोस्सनर कॉलेज कर बीए मास कम्युनिकेशन एंड वीडियो प्रोडक्शन बिभाग में तीन बछर कर स्नातक कोर्स (सत्र 2024 से 2027) में नामांकन जारी हेके। 45% से इंटर इया+2 पास केऊ भी संकाय कर बिद्यार्थी सीधा नामांकन लेइ सकयंना।

कॉलेज कर बेबसाइट में जायके नामांकन फारम भईर सकीला। कार्जालय अवधि में बिद्यार्थी नामांकन ले संपर्क कईर सकयंना। ऊमन नामांकन फारम, इंटर कर एडमिट कार्ड, मार्कसीट, जाति परमान पत्र संगे आउर जरूरी परमान पत्र कर संगे बिभाग में संपर्क कईर सकयंना। एसटी-एससी बिद्यार्थीमन ले छात्रवृत्ति कर बेवस्था भी हय। बीपीएल सेरेनी में आवेक वाला बिद्यार्थीमन कर नामांकन सुल्क में बिसेस छूट भी देवल जात हे।फोटोग्राफी ,फिलिम मेकिंग, युटयूब, ब्लॉगिंग, मीडिया, कंटेंट राइटिंग आदि से जुड़ल अदमीमन भी नामांकन ले संपर्क कइर सकयंना।

रांची बेवहार न्यायालय में बिसेस मध्यस्थता अभियान 24 जून से

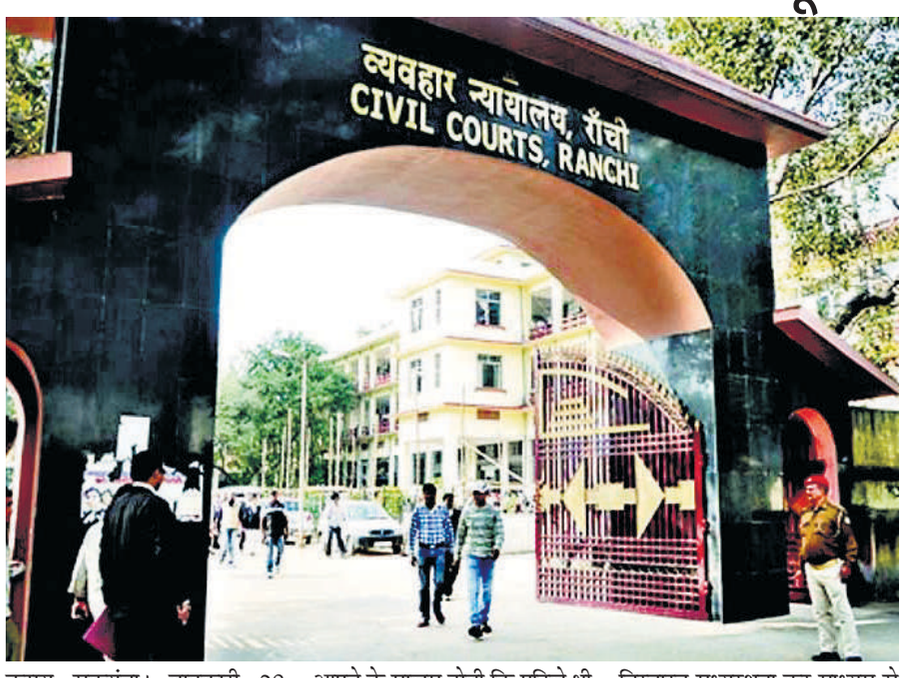

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय कर न्यायामूर्ति-सह-कार्यपालक अध्यछ (झालसा) सुजित नारायण प्रसाद कर दिसा-निरदेस आउर न्यायायुक्त-सह-अध्यछ डालसा (रांची) दिवाकर पांडे कर मार्गदरसन में बिसेस मध्यस्थता अभियान 24 से 28 जून, 2024 तक रांची बेवहार न्यायालय में चली। ई मध्यस्थता अभियान में बेवहार न्यायालय कर मध्यस्थ कर द्वारा तलाक संबंधी मामला, बैवाहिक पुर्नस्थापना कर मामला, दत्तक ग्रहन कर मामला, भरन-पोसन कर मामला, छउवामन के संरछकता एवं अभिरछा कर मामला, परिवार न्यायालय में लंबित आउर मामला, दहेज प्रतिसेध अधिनियम कर मामला, घरेलू हिंसा कर मामला, घरेलू हिंसा अधिनियम कर आउर मामला कर निस्तारन मध्यस्थमन आउर अधिवक्तामन कर द्वारा करल जाई। उक्त तिथि के वादकारी उपस्थित होए के आपन वाद कर निस्तारन कराय सकयंना। वादकारी 28 जून तक रांची मध्यस्थता केंद्र में आए के मध्यस्थता कर माध्यम से वादमन के सुलझाय सकयंना।

आपने के मालूम होवी कि पहिले भी माननीय झालसा कर निरदेस उपरे बिसेस मध्यस्थता अभियान कर आयोजन होते रइह हे। वादमन कर निस्तारन मध्यस्थता कर माध्यम से मध्यस्थमन आउर अधिवक्तामन कर द्वारा करल जायेला। ई जानकारी डालसा सचिव देलयं।

पलामू कर हुसैनाबाद में झारखंड मुक्ति मोर्चा कर मिलन समारोह आयोजित होलक। मिलन समारोह में हेमंत सोरेन कर बोहरिया गांडेय बिधायक कल्पना सोरेन, मंत्री मिथलेश ठाकुर पलामू कर जिला परिसद उपाध्यछ आलोक सिंह कर संगे 750 गो अदमीमन के झामुमो कर सदस्यता दिलवालयं। कल्पना सोरेन कहलयं कि गोटा राइज में झामुमो परिवार कर कुनबा बढ़ते जात हे। आवेक वाला बिधानसभा चुनाव ले झामूमो कर हर सिपाही कमइर कइस लेइ हयं। सउबकर समस्या के दूर करते उनके जोजना से हमिन के आगे बढ़ते जायेक हय।

सुनयना पोर्ट विक्टोरिया में परवेस करलक आईएनएस

नई दिल्ली। दखिनी नौसेना कमान इस्थित अपतटिय गसती पोत आईएनएस सुनयना सेसेल्स तटरक्षक जहाज (एससीजीएस) जोरोस्टर कर संगे 15 जून 24 के पोर्ट विक्टोरिया, सेसेल्स में परवेस करलक। जोरोस्टर हाल हे में गार्डन रीच शिपविल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई), भारत में आपन छोट मरमत पूरा कइर रहे। आईएनएस सुनयना कर हियां पहुंचेक से सेसेल्स तटरक्षक बल आउर भारतीय दूतावास कर अधिकारीमन ने गरमजोसी से स्वागत करलयं। जहाज कर यात्रा कर दौरान, भारतीय नौसेना आउर सेसेल्स रछा बल कर कर्मी अधिकारिक आउर सामाजिक बातचीत आउर क्रॉस डेक यात्रामन में सामिल होबयं।तैनाती कर दौरान जहाज सेसेल्स तट रक्षक कर संगे संयुक्त ईईजेड निगरानी करी। ई यात्रा कर उद्देस सागर (छेतर में सउब कर ले सुरछा आउर बिकास) कर बिजन कर अनुरूप भारतीय नौसेना आउर सेसेल्स तट रछक केर बीच सौहार्द आउर आपसी सहयोग के आउर मजबूत करेक हय।

डीआरडीओ एआई कर ताकत के आजमालक

नई दिल्ली । रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) कर द्वारा आयोजित अखिल भारतीय थीम आधारित प्रतिजोगिता डेयर टू ड्रीम इनोवेसन कॉन्टेस्ट 2.0 जीतेक कर बाद महिला उद्यमी डॉ. शिवानी वर्मा कर द्वारा स्थापित स्टार्ट-अप इंजीनियस रिसर्च सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड सफलतापूर्वक एक गो एआई टूल "दिव्य दृष्टि" बिकसित कइर हे जे चेहरा कर पहचान जइसे अपरिवर्तनीय सारीरिक मापदंड कर संगे एकीकृत करेला। ई इनोवेटिव सॉल्यूसन बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेसन तकनीक में एक गो महतपूर्न प्रगति के देखायला, जे अदमीमन कर पहचान करेक में बढ़ल सटीकता आउर बिस्वसनीयता प्रदान करेला।

'दिव्य दृष्टि' चेहरा कर पहचान के चाल बिस्लेसन कर संगे जोइड़ के एक गो मजबूत आउर बहुआयामी प्रमानीकरन परनाली बनायला। ई दोहरा दृस्टिकोन पहचान कर सटीकता के बढ़ायला, फाल्स पॉजिटिव्स इया आइडेंट फ्रॉड कर जोखिम के कम करेला आउर रछा, कानून प्रवर्तन, कॉर्पोरेट आउर सार्वजनिक अवसंरचना संगे बिबिध छेतर में इकर बहुमुखी अनुप्रयोग हेके। ई एआई टूल के बेंगलुरु इस्थित डीआरडीओ कर प्रजोगसाला सेंटर फॉर आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस एंड रोबोटिक्स (सीएआईआर) कर तकनीकी मार्गदरसन आउर सलाह कर तहत बिकसित करल जाय हे। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग कर सचिव आउर डीआरडीओ कर अध्यछ डॉ. समीर वी. कामत ई उपलब्धि उपरे स्टार्टअप कर संगे-संगे डीआरडीओ कर टीम के बधाई देलयं। ऊ कहलयं कि प्रौद्योगिकी विकास कोष (टीडीएफ) कर तहत 'दिव्य दृष्टि' कर बिकास रछा आउर एयरोस्पेस उद्योग में स्टार्टअप के बढ़ावा देवेक में डीआरडीओ कर एक गो सफल प्रयास हेके, ताकि 'आत्मनिर्भर भारत' कर लछ के हासिल करल जाए सके।

जिला इस्कूल परिसर में होलक आधुनिक स्थाई प्याऊ कर निरमान

रांची। अग्रवाल सभा, रांची कर सहीद चौक इस्थित जिला इस्कूल परिसर में आधुनिक प्याऊ कर निरमान करूवालयं। इकर में प्रसिद्ध समाजसेवी राजकुमार मित्तल सहयोग करलयं।

राजकुमार मित्तल सपत्नीक बिधिवत पूजन कार्ज कइर के नवा बनल प्याऊ कर उद्घाटन करलयं। ई आधुनिक प्याऊ कर निरमान राजकुमार मित्तल आउर श्रीमती संगीता मित्तल आपन मायं-बाप स्व. नंदकिशोर मित्तल आउर स्व. चंद्रकला देवी कर पुण्य स्मृति में करुवाय हयं।

जल ही जीवन हय जल हय तो कल हय : पाटोदिया

ई अवसर में अग्रवाल सभा कर अध्यछ नंदकिशोर पाटोदिया मित्तल परिवार कर प्रति आभार आभार बेक्त करलयं। कहलयं कि मानव सेवा से बरढ़ के केऊ काम नखे। स्थाई आधुनिक प्याऊ लगेक से सउब के सुद्ध ठंडा पानी मिली। ऊ कहलयं कि जल ही जीवन हय। जल हय तो कल हय।

प्रवक्ता संजय सर्राफ बतालयं कि ई अवसर में सभा कर अध्यछ नंदकिशोर पाटोदिया, मंत्री मनोज चौधरी, पूर्व अध्यछ अशोक नारसरिया, पवन पोद्दार, प्रमोद अग्रवाल, प्रेम मित्तल, मनोज रुईया, आनंद जालान, विजय खोवाल, सुनील केडिया, सुनील पोद्दार, प्रमोद बगड़िया, अग्रवाल सभा कर सदस्य आउर मित्तल कर परिवार कर सदस्यमन आवल रहयं।

मुद्रक व प्रकाशक **नीलम सिंह** द्वारा झारखंड वनिता उद्योग एसएचजी के लिए श्याम नगर, गांधी नगर सीसीएल कॉलोनी डीएवी गांधी नगर स्कूल के पीछे, थाना-गोंदा, जिला-रांची, राज्य झारखंड-834008 से प्रकाशित एवं शिवा साईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड रातू, काठीटांड़ टेंडर बगीचा के नजदीक, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट व थाना रातू, रांची, झारखंड-835222 में स्थित प्रिंटिंग प्रेस में मुद्रित। आरएनआई पंजीयन संख्या. **JHABIL/2023/86791**, **संपादक** : नीलम सिंह, **प्रबंध संपादक :** कृशन गोपालका, **सलाहकार संपादक :** रतन लाल अग्रवाल। फोन नंबरः 8210640230, 9934166306, **ईमेल आइडीः** jharkhandwanitaudyog@gmail.com